श्री माहेश्वरी टाईम्स

10 आभार

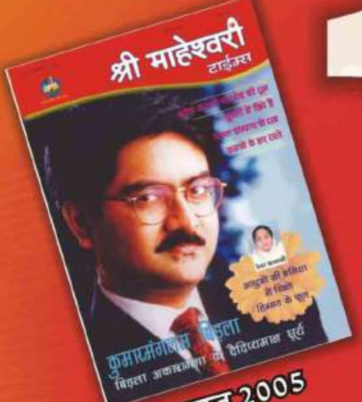

अगस्त 2005

जुलाई 2015

'श्री माहेश्वरी टाईम्स' की 10वीं वर्षगांठ
समाज की बुलन्द आवाज

बृहस्पति ने किया प्रवेश
सिंह राशि में

कालों के काल हैं
श्री महाकाल

लायन डि. गवर्नर बने
बी. विशाल माहेश्वरी

FREE REGISTRATION AT
www.srimaheshwarimelapak.com

पंजीयन प्रारम्भ
मेलापक-2015
(द्वितीय संस्करण)

श्री माहेश्वरी मेलापक

RR

बचत
का जरीया
हैं हम.

Wires

Cables

Switches

Fans

Germany NF NF-USE FRANCE IS 694 CERT ISO 9001:2008 CE UL Certified

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-3 ▸▸ अगस्त, 2015 ▸▸ वर्ष-11

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)

अतिथि सम्पादक
प्रदीप मंत्री (किशनगंज-बिहार)

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा)
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर, साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
PH.: 0734-256561, 2526761
MOBILE: 094250-91161
e-mail: smt4news@gmail.com
sri_maheshwaritimes@yahoo.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
- PNB A/c. No. : 0459002100043471
- ICICI A/c. No. : 030005001198

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

आकाशे तारकं लिंग पाताले हाटकेश्वरम्।
मृत्युलोके महाकालं लिंगत्रय नमोस्तुते॥

कालों के काल हैं भूतभावन भगवान् महाकाल

आपकी अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स की 10वीं वर्षगांठ

समाज की बुलन्द आवाज

आभार

आप सभी सुधी पाठकों का
समस्त विज्ञापन दाताओं, लेखकों तथा सहयोगियों का
जिनके स्नेह, सम्बल व सहयोग से मात्र १० वर्षों में

"श्री माहेश्वरी टाईम्स"

ने छुआ सफलता का शिखर.

विश्वास है

सदैव बना रहेगा आपका यह साथ.........।

"श्री माहेश्वरी टाईम्स" परिवार

'श्री माहेश्वरी टाईम्स' के दस साल आपके साथ

श्री माहेश्वरी टाईम्स ने इस अंक के साथ 10 साल पूरे कर लिए। यह सफर कब तय हो गया इसका पता भी नहीं चला। कारण हमारी तन्मयता कि समाज और पाठकों तक वे तथ्य सामने लाना, जो आप जानना चाहते हैं, वह भी एक आईने की भूमिका के साथ इसमें हम कितने सफल रहे, इसका हमें संतोष इसलिए है कि आज यह पत्रिका संपूर्ण माहेश्वरी समाज की एक मुखर आवाज बन गई है। करीब तीन लाख प्रतियों के साथ देश की सीमाओं के पार जाकर समाज के हरेक व्यक्ति का अपनत्व हमने हासिल किया है। यह सफलता नहीं सफर में मिला आपका-सब का आशीर्वाद है। यह सफर किसी मुकाम तक नहीं बल्कि अनवरत है। शास्त्रों ने कहा है - ''चरैवेति-चरैवेति''। लोगों ने गुनगुनाया-नदियां चले, चले है धारा...। यानी प्रकृति की गतिशीलता ही उसकी अनंतता का प्रतीक है। आपके साथ यह सफर इसी तरह चलता रहे, यह हमारी आकांक्षा है।

दस साल की बीती यादों को समेटने की कोशिश करें, तो हमने हमेशा यह प्रयास किया कि यह पत्रिका समाज का दर्पण बने और पाठकों की जरुरत। पठनीय सामग्री की गुणवत्ता के साथ हमने वह प्रयास किया जिससे समाजजनों की सेवा भी हो सके। इस कड़ी में हमारे स्थायी स्तम्भ कुलदेवी को सबसे ज्यादा पसंद किया गया। समाज की युवा पीढ़ी जानकारी लेकर कुलदेवियों के दर्शन के लिए पहुँची। इन स्थानों की समाज के अन्य लोगों को भी जानकारी मिली। लोहार्गल तीर्थ विकास के लिए पत्रिका के माध्यम से चला गया अभियान सार्थक साबित हुआ। समाजजनों ने इसमें दिल खोलकर भागीदारी की। समाज के पीड़ित और जरुरतमंद लोगों को स्वास्थ्य लाभ, शिक्षा और रोजगार के लिए सक्षम वर्ग से मदद दिलाने में पत्रिका के प्रयास सराहे गये। इसी कड़ी में हर वर्ष महिला उद्यमी विशेषांक ने समाज की उद्यमी महिलाओं के पराक्रम से देश-विदेश में बसे परिवारों को अवगत कराने में भी पत्रिका की भूमिका सराही गई। इसका फायदा भी उन्हें मिला।

समाज के प्रेरक व्यक्तित्वों से हम समाज को हर अंक में परिचित कराते हैं। इसके अलावा समाजिक गतिविधियों की ताजा रिपोर्टिंग के साथ समाज की संस्थाओं की हलचल भी समाज तक पहुंचाने का प्रयत्न हम करते आ रहे हैं। श्री माहेश्वरी महासभा और ऐसे ही प्रमुख संगठनों की आंतरिक गतिविधियों को हमने उजागर किया। इसके लिए संदिग्ध पक्षों के हमले भी हमने सहे। पत्रिका की मुखर शैली से नाराज शक्तिशाली लोगों ने ''श्री माहेश्वरी टाईम्स'' के दमन का प्रयास भी किया, लेकिन वे सफल नहीं हो पाए। इसके पीछे एक मात्र हमारा कोई संबल था, तो वह संपूर्ण समाज का साथ। समाज की एक जरुरत श्री माहेश्वरी मेलापक के प्रकाशन से भी पूरी हुई, जिसे समाज ने हाथों हाथ लिया। इसके माध्यम से हर साल सैकड़ों वैवाहिक रिश्ते तय हो रहे हैं। इस मौके पर हम अपने पाठकों, विज्ञापनदाताओं और समाजजनों का आभार व्यक्त करते हुए यही अपेक्षा करते हैं कि आपका यह सहयोग सदैव ''श्री माहेश्वरी टाईम्स'' को मिलता रहेगा। यह वादा भी है कि हम इसे समाज की बुलंद आवाज बनाए रखेंगे निर्भिकता और निष्पक्षता के साथ।

यह अंक आपके हाथ में है, इसमें हमने आपको सेवापथ के अंतर्राष्ट्रीय संगठन लायंस में प्रांतपाल बने कोटा के बी.व्ही. माहेश्वरी से परिचित करवाने का प्रयास किया है। इसके साथ ही हमने आपको रूबरू करवाया है, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू के विचारों से भी अपनी प्रतिक्रिया से हमें अवश्य अवगत कराएं।

जय महेश।

पुष्कर बाहेती

'सुविधा' का नहीं 'श्रेष्ठ' का चयन करें

सीकर राजस्थान में 17 नवम्बर 1957 को स्व. श्री देवकीनंदन मंत्री के यहाँ जन्में व वर्तमान में किशनगंज (बिहार) में निवासरत श्री प्रदीप मंत्री समाजसेवा के क्षेत्र में समाज का एक जाना माना नाम हैं। वर्तमान में आप झारखंड-बिहार प्रादेशिक माहेश्वरी संगठन को प्रदेश मंत्री के रूप में अपनी सेवा दे रहे हैं। इसके साथ ही आप अ.भा. माहेश्वरी सभा से कार्यकारिणी सदस्य के रूप में भी सम्बद्ध हैं। अपनी दीर्घकालीन समाजसेवा के अंतर्गत आप स्थानीय युवा संगठन के अध्यक्ष भी रहे हैं। आप एक ऐसे समाज सेवी हैं, जिन्होंने बिना पद की लालसा के हमेशा ही समाज की सेवा की चाहे पद पर रहे या न रहे। अन्य समाजसेवी संगठनों के अंतर्गत लायंस क्लब में वर्ष 89-90 में सचिव रहे एवं मारवाड़ी युवा संगठन से भी सम्बद्ध है। बी.कॉम. तक शिक्षित होते हुए भी आपने अपने पैतृक व्यवसाय को ही महत्व देकर उसे ऊंचाई प्रदान की।

किसी भी समाज का संगठन समाज के विकास का दर्पण है। इसी के माध्यम से समाज अपने सर्वांगीण विकास के पथ पर अग्रसर होता है। इतना ही नहीं श्रेष्ठ संगठन समाज की प्रतिष्ठा भी होता है, वह इसलिये क्योंकि यह उसकी एकता व सामूहिक शक्ति का परिचायक होता है। यदि आज माहेश्वरी समाज सम्पूर्ण राष्ट्र ही नहीं बल्कि विश्व में सम्मानित है, तो इसके पीछे हमारे शीर्ष संगठन अ.भा. माहेश्वरी महासभा का बहुत बड़ा योगदान है। यह सौभाग्य रहा है कि इसे ऐसे निःस्वार्थ लोगों का नेतृत्व मिला, जिन्होंने इसे अपने खून-पसीने से सींचा और छोटे से पौधे से एक ऐसे वृहद वटवृक्ष का रूप दिया, जिसकी ठंडी छांव में हम गर्व व सुरक्षा महसूस कर रहे हैं।

लेकिन यह दुर्भाग्य है कि गत दो-ढाई वर्षों से महासभा थम सी गई है। इसे नेतृत्व प्रदान करने वाले "शिखर पुरुष" अपनी वाह-वाही और मान-सम्मान में ही निमग्न हैं। समाज की संस्कारों का क्षरण, बालिका भ्रूण हत्या, परिवार विग्रह आदि जैसी कई सामाजिक समस्याएं हैं, जो मुंह खोले खड़ी है, लेकिन किसी को सामाजिक मुद्दों पर चिंतन करने की भी फुर्सत नहीं है। कहीं पर मान-सम्मान का शौक आड़े आ गया, तो कहीं मतभेद और कहीं अस्वस्थता जैसी समस्या। वास्तव में संगठन किसी की व्यक्तिगत सम्पत्ति नहीं है, जो वह थम जाए, लेकिन ऐसा हुआ है। इन गत वर्षों में लगा कि संगठन लगभग 10 वर्ष पीछे चला गया है।

कारण कोई भी हो, लेकिन संगठन में यदि पद सौंपा गया है, तो दायित्व को पूरा करना भी संबंधित की ही जिम्मेदारी है। यदि कोई सिर्फ पद प्रतिष्ठा में खोकर अपने दायित्व की इतिश्री कर लेता है, तो यह एक बहुत बड़ा सामाजिक अपराध है। यह तो समाज के साथ विश्वासघात है। यदि पद पर हैं, तो काम तो हर हाल में करना ही है और अच्छे से अच्छा करना है। यदि इसमें किसी कारण से असमर्थ होते हैं, तो भी संबंधित का दायित्व है कि समाज हित को व्यक्तिगत सम्मान से ऊपर रखकर पद छोड दे, जिससे दूसरे किसी योग्य व्यक्ति को सेवा का अवसर मिले। यही तो समाज सेवा है, जिसमें समाज सर्वोपरी हो।

वैसे देखा जाऐ तो इन स्थितियों के लिये दोषी महासभा के वे सदस्य मतदाता भी हैं, जो कहीं न कहीं सही निर्णय करने में असफल रहे। अब फिर नये सत्र के चुनावों का आगाज होने वाला है। यह अवसर होगा अपनी गलतियों को सुधारने का। मेरा सभी से अनुरोध है कि चुनाव के समय किसी प्रलोभन या सुविधा के मोह में न फंसे व सिर्फ और सिर्फ योग्य का ही चयन करें। आपका मत मात्र एक मत नहीं होता बल्कि वह मत समाज के एक बहुत बड़े वर्ग का प्रतिनिधित्व भी करता है। आप समाज के प्रतिनिधि के रूप में मतदान करते हैं। अतः समाज के विश्वास पर खरा उतरते हुए योग्य का चयन करना भी आपका कर्तव्य है, जिसे आपको हर हाल में पूरा करना है। यदि ऐसा नहीं होता तो संगठन समाज का विश्वास खो देगा। इससे बड़ी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति क्या होगी? अतः मैं तो पुनः समाज संगठन से जुड़े समस्त पदाधिकारियों से अनुरोध करुंगा कि जो भी करें समाज हित में करें, क्योंकि समाज से ऊपर कोई नहीं है।

अंत में मैं श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार को उसकी 10 वीं वर्षगांठ की शुभकामनाऐं देता हूँ। साथ ही ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि श्री माहेश्वरी टाईम्स इसी तरह समाज की सेवा करती हुई शिखर को छूती रहे।

प्रदीप मंत्री
अतिथि सम्पादक

श्री भेंसादपाड़ा माताजी

श्री भेंसाद पाड़ा माताजी जिन्हें भेंसादश्री या भेंसाद माताजी भी कहा जाता है, माहेश्वरी समाज की आगीवाल आगाल खाँप एवं चन्द्रास गौत्र की कुलदेवी हैं।

इन्दौर-अजमेर अथवा रतलाम-अजमेर मार्ग के महत्वपूर्ण स्टेशन नीमच सिटी में स्टेशन से लगभग 4 किमी. की दूरी पर मीणा मोहल्ला में माताजी का मन्दिर स्थित है। ऐसी प्रचलित मान्यता है कि मन्दिर का निर्माण भी नीमच शहर के स्थापत्य काल का ही है। मान्यता के अनुसार माताजी की उत्पत्ति अक्टूबर 1984 में हुई थी। माहेश्वरी मोहल्ला, नीमच सिटी के नन्दलाल आगीवाल को भोरकाल में माताजी ने लाल वस्त्रों में दर्शन दिये और कहा था कि वे नीमच में प्रकट होंगी। नन्दलाल ने प्रातः ही अपना स्वप्न परिजनों व अन्य आगीवाल बन्धुओं तक पहुंचाया। मन्दिर जो मीणा मोहल्ला में स्थापित था जीर्णोद्धार की कार्य योजना निर्मित की जाने लगी। मात्र एक माह के पश्चात ही नवबंर 1984 में ही जीर्णोद्धार कार्य आरंभ हो गया। स्वप्न साकार हुआ व पत्थर की प्रतिमा के रूप में माँ भेंसाद श्री खुदाई के दौरान ही प्रकट हो गईं। आगीवाल बन्धुओं द्वारा फरवरी 1985 में ही मन्दिर का जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण कर लिया।

विशेष आयोजन

मन्दिर का वातावरण अत्यन्त सुरम्य है। आस्था व श्रद्धा के साथ स्थानीय लोग प्रतिदिन दर्शन, पूजन व आरती में भाग लेते हैं। दोनों नवरात्रि में नो दिनों तक घट स्थापना के पश्चात् विभिन्न पूजन तथा अष्टमी को हवन, धूप, भोग आदि कार्य नियमित आरती के साथ सम्पन्न होते हैं। एक अन्य जानकारी के अनुसार डीडवाना, खेजड़ला व पुरानी दिल्ली में भी माताजी का स्थान है। नीमच शहर में ठहरने के प्रत्येक स्तर के स्थान अनेक हैं।

कैसे पहुँचे

रतलाम (म.प्र.) से चित्तौड़गढ़(राज.) के मध्य पश्चिम रेल्वे के महत्वपूर्ण सीमावर्ती स्टेशन नीमच सिटी में स्टेशन से 4 किमी व बस स्टेण्ड से डेढ़ किमी की दूरी पर स्थित मंदिर के लिए दोनों स्थानों से ऑटो-रिक्शा व अन्य सुलभ साधन हैं। रतलाम व चित्तौड़गढ़ की ओर से सड़क मार्ग पर बस सुविधा हर समय उपलब्ध रहती है।

सेवा सदन कुंभ यात्रियों की सेवा के लिए तैयार

▶▶ आवास के साथ भोजन की भी रहेगी उत्कृष्ट व्यवस्था ▶▶ स्थानीय समाज भी देगा सहयोग

पुष्कर। श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन द्वारा नाशिक में लगने वाले महाकुंभ मेले को दृष्टिगत रखते हुए समाजबंधुओं के सेवार्थ तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। गत 6 जून को सेवा सदन के अध्यक्ष श्यामसुंदर बिड़ला, महामंत्री सुनीलकुमार मूंदड़ा, कोषाध्यक्ष कमलकिशोर चांडक व मंत्री अमृतलाल मूंदड़ा ने नाशिक पहुंचकर सेवा-सदन द्वारा नाशिक में कुंभ मेलान्तर्गत 21 अगस्त से 30 सितम्बर 2015 तक की जाने वाली आवास एवं भोजन व्यवस्थाओं पर स्थानीय समाजबंधुओं के साथ आवश्यक विचार-विमर्श किया। महामंत्री श्री मूंदड़ा ने बताया कि सुचारु व्यवस्थाओं हेतु नाशिक जिला माहेश्वरी सभा एवं राजाराम भांगड़िया, सठाणा के मार्गदर्शन में श्री महेश सेवा समिति, नाशिक रोड के अध्यक्ष अशोक तापड़िया, सचिव राधेश्याम बूब, सदस्य श्रीनिवास लोया, अनिल मालपाणी एवं श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन की प्रबंधकारिणी समिति सदस्यों सहित स्थानीय बंधुओं का सहयोग लिया जाएंगा। सुव्यवस्थित भोजन एवं आवास व्यवस्था हेतु श्रीमती मोहनाबाई नंदलाल राठी, ''माहेश्वरी भवन'' महेश नगर, आर्टिलरी सेंटर रोड, नाशिक रोड (महाराष्ट्र) लिया गया है। इसमें लगभग 400 यात्रियों के आवास एवं भोजन की व्यवस्था की जा सकती है। यह स्थान रेलवे स्टेशन एवं बस स्टैंड से लगभग 1 किमी की दूरी पर स्थित है।

पेयजल के लिये बोरिंग का भूमिपूजन

नाशिक में सेवा सदन के भूखंड पर सुचारु जल-व्यवस्था हेतु एक बोरिंग हेतु भूमि पूजन किया गया एवं रतनलाल भट्टड़, नाशिक के सहयोग से शीघ्र ही बोरिंग का कार्य सम्पन्न करवाया जाएगा। भूमि-पूजन के अवसर पर सेवा सदन के उपरोक्त पदाधिकारियों सहित राजाराम भांगड़िया, (सट्टाणा), अशोक तापड़िया, सुशील राठी, रमेश इनाणी, आर्किटेक्ट अरुण काबरा, गुणवन्त मणियार सहित नाशिक नगर के अनेक समाजबंधु उपस्थित थे। नाशिक स्थित सेवा सदन का भूखंड ग्रीन बेल्ट से येलो बेल्ट में रूपांतरित हो चुका है एवं कुंभ मेले के पश्चात आवश्यक कानूनी कार्रवाई के उपरांत शीघ्र ही भवन निर्माण कार्य प्रारंभ करवाया जायेगा।

कहां करें संपर्क

मेला अंतर्गत पधारने वाले समाजबंधु अपना अग्रिम पंजीयन प्रधान कार्यालय श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर-305022 जिला अजमेर (राज.) फोनः 0145-2772038, 2773451, मो.- 9828247741, 9829373731 पर करवा सकते हैं। इससे आवास एवं भोजन की व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित करने में सुविधा रहेगी।

बताए एक्युप्रेशर व रोग निदान के गुर

भीलवाड़ा। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य सम्मेलन की भीलवाड़ा जिला शाखा की महिला प्रकोष्ठ परिषद की ओर से वैश्य सम्मेलन की प्रदेश सचिव मधु जाजू के मुख्य आतिथ्य में एक्युप्रेशर एवं रोग निदान व समस्याओं पर गोष्ठी आयोजित की गई। जिला अध्यक्ष शोभा भदादा ने बताया कि इसमें आर.सी. व्यास कॉलोनी में एक्युप्रेशर एवं योग विशेषज्ञ जेठमल चौधरी के द्वारा एक्युप्रेशर पद्धति एवं योग से उपचार के तरीके बताये गये। जिसमें डायबिटिज, थाईराईड, बीपी, गठिया, कैल्शियन की कमी आदि का तुलसी, हल्दी, अजवाईन, मैथी, काली जीरी तथा अन्य बहुत सी घरेलु सामग्री द्वारा उपचार करना बताया गया। कार्यक्रम में लीला राठी, सुलोचना गर्ग, रूपा परसरामपुरिया, कुसुम पोखरना, सीमा भंडारी आदि कई सदस्याएं उपस्थित थी।

पुरुषोत्तम मास में रामायण पाठ

रतलाम। स्थानीय वृद्धाश्रम में पावन पुरुषोत्तम मास के अवसर के साथ चातुर्मास के अन्तर्गत रामायण कथा का आयोजन हुआ। वृद्धाश्रम के कर्मचारी, अधिकारी व व्यवस्था सहयोगी भी अपने कार्यों को विराम देकर इस आयोजन में उत्साह से शामिल हुए। इसमें माहेश्वरी समाज संगठनों के साथ ही अन्य संगठनों का भी योगदान रहा। ललिता सोमानी, सरिता झंवर, सुनीता चिचानी, मोहनलाल असावा, जितेंद्र तोषनीवाल, विजय सोमानी, मधुश्री बाहेती आदि की उपस्थिति रही।

> इच्छाओं को थोड़ा घटाकर देखिए
> खुशियों का संसार नजर आएगा।

बीस लाख से अधिक की छात्रवृत्ति वितरित

हैदराबाद। राजस्थानी स्नातक संघ ने इस वर्ष समाज के जरूरतमंद विद्यार्थियों को बीस लाख 60 हजार रूपयों की छात्रवृत्ति प्रदान की। उक्त जानकारी देते हुए संस्था के मंत्री विनोद बंग ने बताया कि गत 5 जुलाई को राजस्थानी स्नातक भवन आबिड्स में इण्टर डिग्री व अन्य उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे समाज के जरूरतमंद विद्यार्थियों को स-सम्मान शिक्षा प्राप्त कर रहे संस्थानों के नाम चेक प्रदान किये गये। साथ ही दसवीं, इण्टर व डिग्री में 90% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को विशेष छात्रवृत्ति प्रदान कर उनका अभिनन्दन किया गया। कार्यक्रम में संदीप कुमार अग्रवाल, श्यामसुन्दर बाहेती, कन्हैयालाल लोहिया, राजगोपाल परताणी, डॉ. आर. एम साबू सहित कई सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर निवर्तमान न्यास के चेयरमेन अशोक कोठारी ने सभी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएँ प्रदान की। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था अध्यक्ष गिरधारीलाल तोषणीवाल ने की।

51 लोगों ने किया रक्तदान

शुजालपुर। स्थानीय रक्तदान शिविर में प्लांट के 51 कर्मचारियों ने 51 यूनिट रक्तदान किया। मुख्य प्रबंधक के मार्गदर्शन में प्रातः 10 बजे से शुरू शिविर में सिविल हॉस्पिटल में जिला ब्लड बैंक अधिकारी ने ब्लड डोनेशन से संबंधित भ्रांतियों को दूर किया। शिविर में जिला चिकित्सालय, टीम एवं सिविल हॉस्पिटल शुजालपुर की जया माहेश्वरी (काउंसलर, आईसीटीसी) का सराहनीय योगदान रहा।

हेड़ा बने सी.टी.पी.ए. के सचिव

इन्दौर। संपूर्ण मध्यप्रदेश में वाणिज्यिक कर विभाग की अग्रणी संस्था कमर्शियल टेक्स प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन इन्दौर के निर्वाचन में इन्दौर के केदार हेड़ा को सचिव मनोनीत किया गया।

भूतड़ा अध्यक्ष-हेड़ा सचिव

अर्चना भूतड़ा

रश्मि हेड़ा

अजमेर। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल की नयी कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें अध्यक्ष अर्चना भूतड़ा, उपाध्यक्ष-ज्ञानधारा राठी, सचिव-रश्मि हेड़ा, उपसचिव-शोभा बाहेती, कोषाध्यक्ष-सुधा मालू व सहकोषाध्यक्ष-लता भूतड़ा चुनी गई।

मोरों की हत्या पर एफआईआर

भीलवाड़ा। पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने चुरू जिले के तारानगर-झाड़सर में 10 व जोधपुर के तिवरी तहसील के केलू गांव में भी 10 मोरों की हत्या की प्राथमिकी पुलिस अधीक्षक चुरू व जोधपुर को रजिस्टर्ड डाक व मेल से भेजकर दर्ज कराई है। श्री जाजू ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस व वन विभाग की लापरवाही व ढिलाई के चलते राजस्थान में प्रतिदिन 10 राष्ट्रीय पक्षी मोरों की हत्या शिकारियों द्वारा कर दी जाती है।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित...

सौ. ब्रजलता वि. मोहता

कापूस व धान्य अडते

कृषि उत्पन्न बाजार समिति, हिंगणघाट, जिला-वर्धा (महा.)

फोन : 07153-244686 (दु.),

मो. 094221-40826

नदी में पानी मीठा रहता है,
क्योंकि वो देती रहती है।
सागर का पानी खारा रहता है,
क्योंकि वो लेता रहता है।
अपना जीवन भी वैसा ही है
देते रहेंगे तो मीठे लगेंगे,
लेते रहेंगे तो खारे लगेंगे।

बागड़ी एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित

नागपुर। रोटरी क्लब ऑफ नागपुर ईलिट का तृतीय इंस्टालेशन कार्यक्रम गत दिनों सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ. निखिल किबे व विशेष अतिथि डॉ. सपना शर्मा थीं। इस कार्यक्रम में सतत समाज सेवा व इस क्षेत्र में योगदानों को लेकर शरद बागड़ी को "एक्सीलेंस अवार्ड" से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर क्लब के कई पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

झुंबरलाल राठी बने पाँचवी बार अध्यक्ष

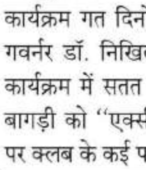

धामणगाँव। श्री गौरक्षण संस्था धामणगांव के चुनाव गत दिनों सम्पन्न हुए। इसमें निर्विरोध रूप से झुंबरलाल राठी-अध्यक्ष चुने गये। बृजमोहन फतेहलाल मूंदड़ा-उपाध्यक्ष, नदंकिशोर राठी-सचिव दिलीपकुमार भंडारी व संजय कुमार राठी-सहसचिव चुने गये। प्रदीप कुमार लुणावत, किशन पनपालिया, शरदकुमार अग्रवाल व रमेशचन्द्र चांडक ट्रस्टी चुने गये।

पंचायत बोर्ड ने मनाई महेश नवमी

ब्यावरा। श्री माहेश्वरी पंचायत बोर्ड के तत्वावधान में महेश नवमी महोत्सव माहेश्वरी छात्रावास, चांगचितार पर समारोह पूर्वक हुआ। प्रमुख संयोजक रमेश भराडिया ने बताया कि मुख्य अतिथि सुनील कुमार मूंदड़ा, महामंत्री श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर व विशिष्ट अतिथि उपसभापति नगर परिषद, ब्यावरा सुनील कुमार मूंदड़ा थे। अध्यक्ष सत्यनारायण झंवर, उपाध्यक्ष विष्णुगोपाल हेडा, मंत्री रमेश चितलांग्या आदि भी मंचासीन थे। प्रमुख संयोजक रमेश भराडिया ने सभी सहयोगियों का आभार प्रकट किया।

महेश सेवा संस्थान ने योग दिवस मनाया

उदयपुर। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाये गये योग दिवस के संदर्भ में ही उदयपुर के महेश सेवा संस्थान में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें योगविद् रतनलाल मिश्रा के सान्निध्य एवं राधाकृष्ण गट्टानी की अध्यक्षता तथा महेश सेवा समिति के डॉ. देवेंद्र अग्रवाल के विशेष आतिथ्य में योग प्रशिक्षण दिया गया।

> दोनों बहुत दुर्लभ है–
> एकमुखी रुद्राक्ष और एक मुखी इंसान।

पर्यावरण संरक्षण में आगे आया संगम ग्रुप

50 हजार पौधे व 2 हजार ट्री-गार्ड का निःशुल्क वितरण शुरू

भीलवाड़ा। शहर की हरियाली बढ़ाने व पर्यावरण संरक्षण के लिए संगम उद्योग समूह की महत्वाकांक्षी योजना का शुभारंभ गत दिनों हुआ। इसमें 5 हजार पौधे व 2 हजार ट्री गार्ड का वितरण होगा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर डॉ. टीना कुमार ने ट्री गार्ड व पौधों का निःशुल्क वितरण कर शुभारम्भ किया गया। डॉ. कुमार ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि संगम समूह द्वारा 50 हजार पौधे व 2 हजार ट्री गार्ड भीलवाड़ा को हराभरा व खुशहाल बनाने के लिए भेंट किए हैं। यह प्रयास प्रेरणादायी साबित होगा। नगर परिषद के सभापति अनिल बल्दवा कार्यक्रम में बतौर अध्यक्ष उपस्थित थे। श्री बल्दवा ने कहा कि संगम समूह के हरियाली बढ़ाने के कार्यक्रम का लाभ शहरवासियों को अधिक से अधिक मिल पायेगा। संगम समूह के चैयरमेन रामपाल सोनी ने शहरवासियों का आह्वान किया कि पर्यावरण के इस राष्ट्रीय कार्यक्रम में महिलाएं-पुरुष व बच्चे अधिक-से-अधिक पौधे लगा कर पौधों को पेड़ बनाने का संकल्प लें । संगम समूह शहरवासियों को जरूरत के अनुसार ट्रीगार्ड व पौधे उपलब्ध करायेगा। कार्यकारी निदेशक वी.के. सोडाणी ने बताया कि ट्रीगार्ड के लिए रतनलाल सामरिया व हिम्मत पारिक से आवेदन व पौधे प्राप्त करने के लिए गुमानसिंह पिपाड़ा, बी.एल. माहेश्वरी, विद्यासागर सुराणा व सुरेश सुराणा से प्रातः 8 बजे से 10 बजे तक संपर्क कर सकते हैं। कार्यक्रम में उद्योगपति आर.एल. नोलखा, रघुनाथ मित्तल, वी.एस. तिवाड़ी, आर.एन. गुप्ता, जे.सी. लड्डा, अनिल मानसिंहका सहित अनेक स्वयंसेवी संगठनों के पदाधिकारी व सैकड़ों की संख्या में ट्रीगार्ड व पौधे प्राप्त करने वाले नागरिक, महिलाएं व बच्चे उपस्थित थे।

प्रतिभाओं का किया सम्मान

कलकत्ता। पश्चिम बंगाल प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन, ताजा टी.वी. व संस्था ज्ञान मंच द्वारा गत 5 जुलाई को मेधा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें 12 वीं कक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र व मोमेस्टो देकर सम्मानित किया गया। राज्य के वरिष्ठ मंत्री साधन पाण्डेय, सम्मेलन के अध्यक्ष जगदीशचन्द्र एन. मून्दड़ा व ताजा टी.वी. के प्रमुख विशम्भर नेवर ने कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

Nandkishor S. Ladha 94229 16163
Sachin R. Ladha 94221 55691

NANDGOPAL DAL MILL

New Town, Badnera, Amravati (M.S.)-444701
Ph. 0721-2681511, 2684361, Fac : 07221-227061

Sister Concern :
» Siyaram Udyog » Nandkishor Shriballabhdas Laddha
Grain Merchant & Commission Agent
Badnera, Amravati (M.S.)

पुरुषोत्तम मास में धार्मिक आयोजन

वरंगल। राजस्थानी महिला मंडल द्वारा पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों का आयोजन किया गया। गत 11 जुलाई को स्थानीय श्री रंगमपेट हनुमान मंदिर में सामूहिक सुन्दरकाण्ड पारायण का आयोजन किया गया, तत्पश्चात् 33 जोड़े ब्राह्मणों को भोजन कराया गया। 16 जुलाई गुरूवार को मानसिक रूप से कमजोर एवं विकलांग पाठशाला के करीब 150 विद्यार्थियों को एवं नेत्रहीन बच्चों को मध्यान्ह भोजन कराया गया। सभी कार्यक्रमों में महिला मंडल की सभी सदस्याओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

सोश्यल ग्रुप की 'परिचय दर्पण' विमोचित

इन्दौर। माहेश्वरी सोशयल ग्रुप की तृतीय सभा मयंक ब्लू वॉटर पार्क में विभिन्न मनोरंजक कार्यक्रमों के साथ आयोजित हुई। कार्यक्रम के संयोजक सम्पत अनुराधा मालू, अशोक रमिला काकाणी एवं घनश्यामदास संगीता माहेश्वरी थे। इसके पश्चात् माहेश्वरी सोशयल ग्रुप के सदस्य दम्पत्ति के विवरण हेतु परिचय दर्पण 2015 पुस्तिका का विमोचन कमलनारायण भुराड़िया, लक्ष्मण माहेश्वरी, ईश्वर बाहेती, संतोष साबू, ग्रुप अध्यक्ष बालकिशन कृष्ण सोनी एवं संस्था सचिव मोहन नीना सोमानी के हाथों हुआ। इस परिचय दर्पण के संपादक दिनेश मधुबाला लखोटिया एवं बद्रीलाल कृष्णकांता झँवर हैं। उक्त जानकारी देते हुए संस्था उपाध्यक्ष संपतकुमार राधा साबू ने बताया कि संस्था सचिव सोमानी दम्पत्ति द्वारा सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया।

> हे स्वार्थ तेरा शुक्रिया !
> एक तू ही है जिसने लोगों को
> आपस में जोड़ रखा है।

आयोजित किया "बेटी-जंवाई" स्वागत समारोह

नाशिक। जिला माहेश्वरी सभा द्वारा "पुरूषोत्तम मास" के पावन अवसर पर एक अनूठा "बेटी-जंवाई स्वागत समारोह" गत 12 जुलाई को आयोजित किया गया। इस समारोह में जिले की सभी 17 तहसीलों की जिन बेटियों का विवाह गत पुरूषोत्तम मास (सन 2012) के पश्चात् हुआ, ऐसी बेटियों और जंवाईयों का "रजत की कोयरी (चोपड़), रजत का सिक्का और वस्त्र रूपी "अधिक मास वाण" देकर स्वागत किया गया। जिला माहेश्वरी सभा के भूतपूर्व जिलाध्यक्ष श्रीनिवास तापड़िया

सपत्नीक प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित थे। सबसे पहले सभी बेटी-जंवाईयों को जोड़े से बैठाकर चांदी की थालियों में भोजन कराया गया। अध्यक्ष प्रदीप बूब ने आगंतुकों का स्वागत किया। जिला महिला संगठन की अध्यक्ष शोभना बूब ने पुरूषोत्तम मास में बेटी-जंवाई को "वाण" देने के महत्व की जानकारी दी। निर्वमान अध्यक्ष राजाराम भांगडिया इस अनोखी संकल्पना के जनक थे। मानद मंत्री रमेश मालू, संगठन मंत्री सुशील राठी और कोषाध्यक्ष आशीष भंसाली को सपत्नीक मंत्र पठन के साथ संकल्प दिलाया गया। समारोह का संचालन मानद मंत्री रमेश मालू और नाशिक महानगर महिला संगठन की संस्थापक-अध्यक्षा चंद्रकला भूतड़ा ने किया। जिला युवा संगठन के अध्यक्ष सचिन मालपाणी ने आभार व्यक्त किया। रतनलाल भट्टड़, रामकिशन मूंदड़ा, जितेंन्द्र सोमाणी, नेमीचंद सोनी, ओमप्रकाश जाजू, दीपक भूतड़ा, राजगोपाल धूत आदि का विशेष सहयोग रहा।

विद्यार्थियों को आठ लाख की मदद

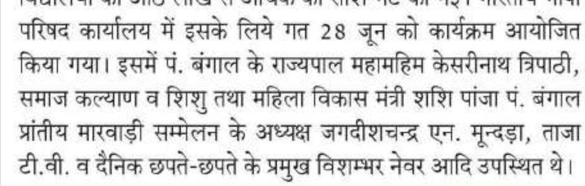

कलकत्ता। पं. बंगाल प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन शिक्षा कोष द्वारा 21 विद्यालयों के जरूरतमन्द छात्र-छात्राओं की फीस के लिए उनके विद्यालयों को आठ लाख से अधिक की राशि भेंट की गई। भारतीय भाषा परिषद कार्यालय में इसके लिये गत 28 जून को कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें पं. बंगाल के राज्यपाल महामहिम केसरीनाथ त्रिपाठी, समाज कल्याण व शिशु तथा महिला विकास मंत्री शशि पांजा पं. बंगाल प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष जगदीशचन्द्र एन. मून्दड़ा, ताजा टी.वी. व दैनिक छपते-छपते के प्रमुख विशम्भर नेवर आदि उपस्थित थे।

रायपुर सभा की आम सभा सम्पन्न

रायपुर (छत्ती.)। माहेश्वरी सभा रायपुर की आम सभा वृंदावन हाल सिविल लाईन में सम्पन्न हुई। महामंत्री सुरेश कुमार बागड़ी ने उपस्थित अतिथियों एवं समाज सदस्यों का स्वागत किया। अध्यक्ष विजय कुमार दम्मानी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में माहेश्वरी भवन निर्माण की प्रगति पर प्रकाश डाला। कोषाध्यक्ष गोपाल लाल राठी ने आय-व्यय पत्रक प्रस्तुत किया। महामंत्री सुरेश कुमार बागड़ी ने सत्र 2014-15 के कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला। बैठक में भवन निर्माण में तीन स्वयं सेवी संस्थाओं का सहयोग लेने का प्रस्ताव भी पारित किया गया।

एक दिवसीय औद्योगिक प्रदर्शनी

मूर्तीजापुर। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल की ओर से राधा मंगलम् हॉल में उडान 2015 के अंतर्गत एक दिवसीय औद्योगिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष सविता डागा की अध्यक्षता में गुजरात एक्सपोर्ट के अध्यक्ष ब्रिजमोहन चितलांगे एवं विधायक हरीश पिंपले के द्वारा इसका उद्घाटन किया गया। माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती डागा ने मेले की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। विधायक श्री पिंगले आदि ने भी महिला मंडल के इस उपक्रम की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन संध्या बियानी ने किया। आभार प्रदर्शन डॉ. सरिता सिकची ने किया। माला जाजू, सपना बाहेती, संगीता बंग, संदेश रांदड सहित समस्त सदस्यों का सहयोग रहा।

अधिकमास में करवाई गई यात्रा

छिन्दवाडा। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल की ओर से अधिक मास में समाज की महिलाओं को खापडखेडा दाउजी के मंदिर के दर्शन करवाये गये। वहाँ राजभोग मनोरथ कराया गया व भजन कीर्तन के पश्चात् सबने मिलकर प्रसादी ग्रहण की। इस पावन महीने में सबने पवित्र नदी नर्मदा में स्नान का आंनद भी लिया। बनखेडी में मदन मोहन जी की हवेली में सांझी के दर्शन का लाभ उठाया।

शोभायात्रा के साथ मंदिर पहुंचे ठाकुरजी

पिपरिया। शोभापुर में पुरुषोत्तममास के पावन अवसर पर संगीतमय श्रीराम कथा के आयोजन के पश्चात् सेठ बैजनाथजी मंदिर में ग्राम के मंदिरों के ठाकुरजी विशाल शोभायात्रा के साथ रथ व पालकी में विराजमान होकर पहुंचे। माहेश्वरी समाज द्वारा यह विशाल आयोजन किया गया। माहेश्वरी समाज के युवा संगठन के अध्यक्ष, सचिव, माहेश्वरी महिला परिषद् की अध्यक्ष व सचिव तथा समाज के पदाधिकारी ही नहीं हर वैष्णव ने सेवाभावना के साथ कार्यक्रम को अच्छे-से-अच्छा रूप देने में सहयोग दिया।

> अहंकार दिखा के किसी रिश्ते को
> तोड़ने से अच्छा है कि
> माफी मांगकर वो रिश्ता निभाया जाये।

मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फडनवीस
द्वारा सम्मानित होने पर
श्री शरद बागड़ी
को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

शुभेच्छु- रणछोड़दास बागड़ी, टीकमदास बागड़ी, कमलकिशोर बागड़ी, विमलकिशोर बागड़ी, कृष्णकुमार बागड़ी, विनोद बागड़ी, प्रफुल्ल बागड़ी (नागपुर), दिनेश दमानी, महेश दमानी (चैन्नई), गोकुलदास बागड़ी, श्रीकान्त बागड़ी (उज्जैन)

नगरागमन पर जाजू का किया अभिनंदन

अहमदनगर। नगरागमन पर अहमदाबाद जिला माहेश्वरी सभा की ओर से उपाध्यक्ष विट्ठलदास असावा, कोषाध्यक्ष महेश नावंदर तथा प्रसिद्धी प्रमुख अजय जाजू द्वारा भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्यामसुन्दर जाजू का अभिनंदन किया गया।

हेमसिंह मोहता बने सरकारी वकील

अकोला। सामाजिक कार्यकर्ता तथा महाराष्ट्र-गोवा बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष व वर्तमान सदस्य मोतीसिंह मोहता के सुपुत्र मोहश्वरी प्रगति मंडल के उपाध्यक्ष हेमसिंह मोहता की केंद्र सरकार के विधि एवं न्याय मंत्रालय ने मुंबई उच्च न्यायालय की नागपुर खंडपीठ में सरकारी वकील के रूप में नियुक्ति की है। वे कोर्ट में शासकीय प्रकरणों की पैरवी करेंगे।

जलगांव में युवक-युवती परिचय सम्मेलन

जलगांव। श्री जलगांव माहेश्वरी विवाह सहयोग समिति द्वारा अखिल भारतीय माहेश्वरी शिक्षित- उच्चशिक्षित युवक-युवती परिचय सम्मेलन 23 एवं 24 अगस्त को आयोजित हो रहा है। संस्था अध्यक्ष श्यामसुंदर झंवर ने समाज से अनुरोध किया कि अपने पाल्यों की प्रवेशिका यथाशीघ्र भरकर 15 अगस्त से पहले श्री जलगांव माहेश्वरी विवाह सहयोग समिति द्वारा 146, नवीपेठ, भारत दुग्धालय, जलगांव 42500 इस पते पर भेजें। प्रवेशिका के साथ बायोडाटा एवं पंजीयन शुल्क रूपए 700 का ड्राफ्ट या अकाउण्ट पेयी चेक श्री जलगांव माहेश्वरी विवाह सहयोग समिति के नाम से अवश्य भेजें। ऑन लाईन शुल्क विजया बैंक एकाउंट आरटीजीएस वीआईजेबी 0005037, 503701011001403 में जमा किया जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए सचिव सूरजमल सोमानी सहित विभिन्न पदाधिकारियों से सम्पर्क किया जा सकता है।

समाज की प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

नागौर। जिला माहेश्वरी सभा द्वारा आयोजित जिला स्तरीय 16 वां प्रतिभा सम्मान समारोह गत दिनों सम्पन्न हुआ। माहेश्वरी पंचायत पोल में आयोजित इस समारोह में विभिन्न क्षेत्र यथा प्रशासनिक सेवा, एम.बी.ए., पायलेट, डॉक्टर, इंजीनियर, आई.सी.डब्ल्यू.ए.,सी.ए. एवं बोर्ड परीक्षाओं में चयनित 450 प्रतिभाओं तथा खेल-कूद एवं अन्य विभिन्न क्षेत्र की प्रतिभाओं को सम्मान-पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। इनके साथ डॉ. विष्णु बजाज जयपुर, डॉ. पवन सारड़ा जोधपुर, डॉ. बी.एल. भूतड़ा व सुरेश राठी तथा रामदेव लड्ढा को उत्कृष्ट सेवाओं के तहत सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि रामकुमार भूतड़ा थे। कार्यक्रम संयोजक श्यामसुन्दर मंत्री थे। समारोह के विशिष्ट अतिथि अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन के अध्यक्ष श्यामसुन्दर बिड़ला व महासभा के संयुक्त मंत्री कमलकिशोर चाण्डक थे। कार्यक्रम में जिला मंत्री चंद्रप्रकाश बिड़ला, जिला कोषाध्यक्ष आनन्दीलाल लाहोटी, प्रदेश महिला संगठन मंत्री सुनिता रान्दड़, युवा संगठन के जिलाध्यक्ष महावीर प्रसाद झंवर, नगरपालिका परबतसर के चेयरमेन भगवान बंग, मंगलाना के कन्हैयालाल मून्दड़ा, गोपीकिशन बंग, रामस्वरूप झंवर परबतसर, देवकरण गग्गड़ भीलवाड़ा, सहित जिलासभा के पदाधिकारी व सभी तहसीलों के तहसील अध्यक्ष तथा मंत्री के साथ 650 लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन महेश अटल, मोनिका बंग, शोभा सारड़ा व कमल सोनी ने किया।

> “दुख घटाने का तरीका है औरों के दुःख में सहभागी बनना और सुख बढ़ाने का तरीका है अपने सुख में औरों को सहभागी बनाना।”

हार्दिक शुभकामनाओं सहित...

राजेन्द्र चांडक
99603-43399

चांडक प्लायवुड

प्लायवुड, लेमिनेट्स, किचन ट्रॉली, फैंसी हार्डवेयर, फैंसी डोअर्स, ग्लास एवं एल्युमिनियम फिटिंग के विक्रेता

कृष्णा चांडक
94045-46514

टिंबर मार्केट, परतवाड़ा, फोन : 07223-220670, (नि.) 220671

झारखण्ड-बिहार प्रदेश की बैठक सम्पन्न

राँची। गत 27-28 जून को माहेश्वरी सभा, राँची के सभागार में झारखण्ड-बिहार प्रदेश माहेश्वरी सभा के कार्यकारी मंडल व कार्यसमिति के सदस्यों की बैठक सम्पन्न हुई। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में महासभा के महामंत्री राम कुमार भूतड़ा तथा विशेष अतिथि के रूप में पूर्वांचलके उप सभापति श्यामसुन्दर झँवर बालासोर, उड़ीसा उपस्थित थे। अतिथि के साथ ही प्रदेश अध्यक्ष विनय कुमार माहेश्वरी स्वागताध्यक्ष मधुसूदन माहेश्वरी एवं राँची सभा के अध्यक्ष राजकुमार मारु ने कार्यक्रम की शुरुआत की। स्वागताध्यक्ष ने राँची के माहेश्वरी परिवारों के द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न प्रकल्पों पर प्रकाश डाला। राँची सभा अध्यक्ष श्री मारु ने माहेश्वरी भवन के विस्तार पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर राँची सभा के द्वारा अतिथियों का झारखण्ड का प्रतीक चिह्न प्रदेश सभा की ओर से महावीर प्रसाद सोमानी के द्वारा प्रदान किये गये। प्रदेश अध्यक्ष ने प्रदेश में ''कन्या रत्न'' सम्मान समारोह का श्रीगणेश भी किया।

अन्य गतिविधियों के साथ नेत्र परीक्षण शिविर सम्पन्न

उदयपुर। संस्था माहेश्वरी महिला गौरव द्वारा अध्यक्ष-सरिता न्याती, सचिव-आशा नारानीवाल के नेतृत्व में महिलाओं ने मुस्कान क्लब में वरिष्ठ नागरिकों के लिये नेत्र परीक्षण केम्प लगाया गया। इसमें आंखों की जाँच कर बीमारियों के बारे में जानकारी दी गई। मुस्कान क्लब में अन्तर्राष्ट्रीय योगा दिवस पर योगा अभ्यास कराया। कार्यक्रम की शृंखला में अधिक मास में भव्य सत्संग का आयोजन भी किया गया।

राठी दम्पत्ति का हुआ अभिनंदन

अहमदाबाद। ख्यात समाजसेवी रामनिवास राठी एवं उनकी धर्मपत्नी इन्द्रा राठी द्वारा लायन्स इमेरेगेशन सेन्टर के लिये दिग्विजय फाउन्डेशन को 51 लाख का अनुदान दिया गया। इस योगदान के लिये मुम्बई से आए इन्टरनेशनल बोर्ड के अप्वांईटी श्याम मालपानी व पूर्व इन्टर नेशनल डायरेक्टर प्रवीण छाजेड़ आदि द्वारा राठी दम्पत्ति का अभिनंदन किया गया।

MVPM स्कॉलर अवार्ड हेतु प्रविष्ठियाँ आमंत्रित

पुणे। अपनी 84 वर्ष की गौरवशाली परंपरा के अनुसार माहेश्वरी विद्या प्रचारक मंडल माहेश्वरी समाज के लिए शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सेवाएं प्रदान कर रहा है। इसके द्वारा महाराष्ट्र के पुणे, सोलापुर, अहमदनगर, मुंबई, प्रवरानगर जैसे शहरों में छात्रालय, विद्यालय एवं महाविद्यालय का संचालन किया जा रहा है। अपनी शैक्षणिक योग्यता तथा उच्चतम सुविधाओं के कारण यह न्यास लोकप्रियता के शिखर पर है। 2012 वर्ष से माहेश्वरी विद्या प्रचारक मंडल की व्यवस्थापन कमेटी ने छात्र वर्ग को प्रोत्साहन देने हेतु एक गौरवपूर्ण ठोस कदम उठाया है। इसके अंतर्गत माहेश्वरी समाज के विशेष प्रवीण्य प्राप्त छात्रों को एमव्हीपीएम स्कॉलर अवार्ड रुपए 50 हजार की राशि एवं योग्यता प्रमाणत्र से सम्मानित करने का संकल्प लिया है। एमव्हीपीएम स्कॉलर का चुनाव अभियांत्रिकी, वैद्यकीय, संगणक एवं व्यवस्थापन शाखा के स्नातक तथा स्नातकोत्तर विभाग एवं सी.ए., आई.सी.डब्ल्यू. ए. तथा पीएच.डी. (किसी भी शाखा में) के माहेश्वरी छात्रों में से किया जाता है। इस पुरस्कार के लिए बी.ई., बी.टेक, एम.ई., एम.टेक., एम.सी.ए., एम.बी.ए., पी.जी.डी.एम., एम.डी., एम.डी.एस, एम.बी.बी.एस., बी.डी.एस., पीएच.डी. (किसी भी शाखा में) वर्ष 1 अक्टूबर 2014 से 30 सितम्बर 2015 के बीच उत्तीर्ण छात्र आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने की अंतिम तारीख 30 सितम्बर 2015 है। आवेदन पत्र अंतिम दिनांक, अर्हता एवं प्रक्रिया आदि की विस्तृत जानकारी के लिये मंडल की वेबसाइट www.mvpm.org पर लॉग इन कर सकते हैं या Email : scholar@mvpm.org इस मेल पर या फोन नं. 020-25671090/91 पर भी संपर्क कर सकते हैं।

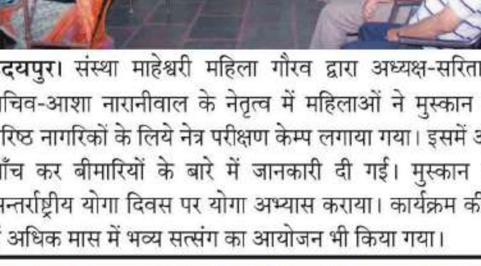

सामाजिक सेवा के लिए
ट्रांसपोर्ट मंत्री द्वारा सम्मानित होने पर
श्री शरद बागड़ी
को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

From- Lions : Rajesh Adiacha (Activiti Chairman), Rajesh Jindal, Surendra seksaria (RC), Laxmikant Deshpande (ZC).
Rotary : Lalit Loya, Prashant Pimpalwar, Chandrashekhar Lawtawar, Ramesh Sanghare. Vipin Kothari

भजन गायक मंत्री का स्वागत

देवास। स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा भजन गायक द्वारका मंत्री का माहेश्वरी भवन भैरूगढ़ के हाल में शाल, श्रीफल और सम्मान पत्र के साथ सम्मान किया गया। श्री मंत्री अपनी चिरपरिचित भजन गायन शैली के लिये विख्यात हैं। सन् 2001 में ''चांदी चांदी हो गई'' भजन एलबम के माध्यम से अपना भक्ति संगीत का सफर शुरू किया। आज वे लगभग 24 भक्ति संगीत के एलबम के साथ देशभर में होने वाले कार्यक्रमों से माहेश्वरी समाज का नाम गौरवान्वित कर रहे हैं। सम्मान समारोह के अवसर पर प्रकाश माहेश्वरी नागदा जंक्शन, गोपाल सिंगी सतवास, मुरलीधर मानधन्या जिला अध्यक्ष, ओमप्रकाश भूतड़ा अध्यक्ष देवास, नितेश लाठी अध्यक्ष युवा संगठन देवास सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

प्रादेशिक युवा संगठन के लिए विशेष समिति गठित

सूरत। अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन अध्यक्ष कमल भूतड़ा ने बताया कि पश्चिमांचल माहेश्वरी युवा संगठन को गत 4 मई को भंग कर दिया गया है। अतः अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन की योजनाओं, गतिविधियों एवं कार्यक्रमों के आयोजन एवं क्रियान्वयन हेतु एक विशेष समिति का गठन किया गया है। इस समिति में प्रदेश के लगभग सभी क्षेत्रों से सक्रिय साथियों का समावेश किया गया है तथा इसका उद्देश्य राष्ट्रीय संगठन की योजनाओं का अपने प्रदेश में प्रचार-प्रसार कर आयोजन करना होगा। इसमें समिति अध्यक्ष मधुसूदन भलिका मनोनीत किए गए। हर्ष राठी-इंदौर, जितेंद्र तोषनीवाल-अध्यक्ष जिला माहेश्वरी युवा संगठन, आशीष सारड़ा-निवृतमान अध्यक्ष-नीमच जिला माहेश्वरी युवा संगठन, विकास भूतड़ा-अध्यक्ष-देवास जिला माहेश्वरी युवा संगठन रितेश काबरा-अध्यक्ष-खंडवा जिला माहेश्वरी युवा संगठन, पवन मालानी अध्यक्ष-शाजापुर जिला माहेश्वरी युवा संगठन और भरत तोतला-सचिव- अन्नपूर्णा क्षेत्र माहेश्वरी युवा संगठन अपनी सेवा दे रहे हैं। इस समिति का गठन केवल नए प्रादेशिक चुनाव होने तक ही रहेगा।

चांडक जिलाध्यक्ष-बिहाणी सचिव

पीलीबंगा। हनुमानगढ़ जिला माहेश्वरी महिला संगठन की प्रथम कार्यकारिणी का गठन स्थानीय महेश भवन में उत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष किरण झंवर की उपस्थिति में किया गया। सर्वसम्मति से सम्पन्न चुनावों में हनुमानगढ़टाऊन निवासी चंदा चांडक अध्यक्ष, हनुमानगढ़ जंक्शन की सीमा बिहाणी सचिव, पीलीबंगा की निर्मला पेड़ीवाल कोषाध्यक्ष, नोहर की अरुणा राठी व जंक्शन की संजू बिहाणी उपाध्यक्ष, टाऊन की उषा तोतला व गोलूवाला की रजनी पेड़ीवाल सहसचिव व किरण कोठारी को संगठन मंत्री निर्वाचित किया गया।

राजकुमार राठी बने विधायक प्रतिनिधि

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के प्रवक्ता एवं छत्तीसगढ़ चैम्बर ऑफ कॉमर्स के उपाध्यक्ष राजकुमार राठी को रायपुर उत्तर के विधायक श्रीचंद सुंदरानी द्वारा उनकी सामाजिक व राजनैतिक सक्रियता को देखते हुए उत्तर विधानसभा के रेलवे स्टेशन वार्ड का विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया है।

वाटर कूलर का लोकार्पण

नोहर। स्थानीय पचिसिया अतिथि गृह के बाहरी भाग में जुगल किशोर कलाणी परिवार द्वारा प्रदत्त वाटर कूलर का गत दिनों निर्जला एकादशी को लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर पूर्व पालिकाध्यक्ष राजेन्द्र चाचाण, दुर्गादत्त करवा, सुरेश कालाणी आदि अतिथि के रूप में उपस्थित थे। माहेश्वरी सभा के जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र थिराणी व युवा संगठन अध्यक्ष नरेन्द्र चाण्डक ने उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

उत्तर राजस्थान की प्रथम बैठक सम्पन्न

बीकानेर। उत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन की प्रथम कार्यकारी मंडल की बैठक महेश भवन सभागार में अखिल भारतीय माहेश्वरी युवा संगठन के उपाध्यक्ष घनश्याम भट्टड़ की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में प्रदेश महामंत्री सुनील झंवर ने प्रथम सत्र की कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। कार्यकारिणी में पंकज भूतड़ा, उमेश सोनी पीलीबंगा व दीपक लाहोटी श्रीगंगानगर को उपाध्यक्ष, दिनेश मोहता कोषाध्यक्ष, आनंद पेड़ीवाल, विमल चाण्डक-रावतसर व सुचित कोठारी सहमंत्री, प्रीतम झंवर खेलमंत्री, श्रीरतन मोहता-बीकानेर सांस्कृतिक मंत्री, परमेश्वर लाल बिहानी संगठन मंत्री, कपिल करवा-संगरिया प्रचार मंत्री, संदीप तापड़िया आईटी हेड़ा पुनीत मोहता एमआईटीएफ हेड तथा अमित सोमानी को राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य मनोनीत किया गया। बीकानेर जिला माहेश्वरी युवा संगठन व बीकानेर माहेश्वरी युवा संगठन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में बीकानेर जिलाध्यक्ष जुगल राठी, जिला महामंत्री ताराचंद भूतड़ा, पूर्व जिलाध्यक्ष बाबूलाल मोहता, श्रीगंगानगर जिलाध्यक्ष आदित्य चितलांगिया, हनुमानगढ़जिलाध्यक्ष नौरंग सोमानी, कपिल करवा आदि ने सम्बोधित किया।

"श्रेय
मिले न मिले, अपना
श्रेष्ठ
देना कभी बंद न करें।"

सेवा के लिये लायंस से दो अवार्ड

नागपुर। समाजसेवी शरद-गोपीदास बागड़ी को उनकी सेवाओं के लिये लायंस क्लब नागपुर के इंस्टालेशन कार्यक्रम में दो अवार्ड से सम्मानित किया गया। उन्हें ये अवार्ड क्लब अध्यक्ष संतोष जेजाणी, सचिव मीना गुप्ता, मुधोजी भौंसले, सुरेंद्र सक्सेरिया, लक्ष्मीकांत देशपांडे आदि के करकमलों से प्रदान किये गये।

लड्ढा 'समाजभूषण' से सम्मानित

समाज के वरिष्ठ समाजसेवी श्रीनिवास लड्ढा को समाजभूषण पुरस्कार से महेश संदेश पत्रिका के द्वितीय वार्षिक उत्सव में समाज में उनके योगदान और कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में चिमुर के विधायक कीर्तिकुमार भांगडिया, माहेश्वरी पंचायत के अध्यक्ष सुभाष राठी, रंगनाथ चांडक, माहेश्वरी सेवा मंडल के अध्यक्ष मनोज राठी, सचिव महेंद्र बूब, श्यामसुंदर दम्माणी, शंकर भूतड़ा, डॉ. नंदकिशोर भूतड़ा आदि अतिथि के रूप उपस्थित थे। स्व. श्रीरंगजी चांडक की स्मृति में आयोजित इस कृतज्ञता समारोह में अखिल भारतीय एथेलिट प्रतियोगिता की गोल्डमेडल विजेता कु. श्रद्धा मूंधड़ा, स्वास्थ्य सेवा में उत्कृष्ट कार्य के लिये डॉ. नंदकिशोर मुरके, समाजसेवा क्षेत्र से डॉ. गोविंद कासट, उद्योग क्षेत्र से कमलेश डागा व व्यवसाय क्षेत्र से मंगल वस्त्रालय के प्रवीण मूंधडा का सत्कार किया गया। श्याम दम्माणी, कमलकिशोर राठी, चमक अटल, धीरज गांधी, सीमा राठी, रामप्रकाश गिलडा, भीकमचंद तापड़िया, वर्षा मालू आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम की प्रस्तावना नंदकुमार भूतड़ा ने रखी व संचालन ज्योति मूंधड़ा तथा अमित चांडक ने किया।

> जमीन अच्छी हो, खाद अच्छी हो,
> पर पानी यदि खारा हो
> तो फूल नहीं खिलते हैं।

माहेश्वरी बने प्रदेश महामंत्री

धार। वरिष्ठ कर सलाहकार एवं म. प्र. माहेश्वरी समाज पश्चिमांचल के सलाहकार मंडल के संरक्षक महेशचन्द्र माहेश्वरी को म. प्र. वैश्य महासम्मेलन का प्रदेश महामंत्री व धार संभाग प्रभारी बनाया गया है। यह घोषणा गत दिनों वैश्य परिचय सम्मेलन में प्रदेश अध्यक्ष एवं म. प्र. शासन के उच्च शिक्षा मंत्री उमाशंकर गुप्ता द्वारा की गई। कई समाजजनों व स्नेहीजनों ने इस नियुक्ति पर हर्ष व्यक्त किया।

प्रियदर्शनी अध्यक्ष, शिल्पी सचिव

प्रिदर्शनी नागौरी

शिल्पी भूतड़ा

ग्वालियर। बृहत्तर माहेश्वरी महिला मंडल के चुनाव माहेश्वरी महिला मंडल की पूर्व अध्यक्षा मनोरमा लड्ढा की देखरेख में सम्पन्न हुए। इसमें अध्यक्ष प्रिदर्शनी नागौरी, सचिव शिल्पी भूतड़ा, कोषाध्यक्ष रोमा सारड़ा, उपाध्यक्ष पूनम छापरवाल, संगठन मंत्री तृप्ति नागौरी और प्रचार-प्रसार मंत्री कुसुम कुइया को सर्वसम्मति से चुना गया। शपथग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में न्यायाधीश जस्टिज यू.सी. माहेश्वरी व विशिष्ट अतिथि के रूप में जीवाजी यूनिवर्सिटी की वाईस चॉसलर प्रोफेसर संगीता शुक्ला उपस्थित थीं। कार्यक्रम में समाज द्वारा प्रतिभाशाली छात्रों का भी सम्मान किया गया।

श्री चांडक बने अध्यक्ष

ईटारसी। स्थानीय माहेश्वरी समाज अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से रमेशचंद्र चांडक को निर्वाचित किया गया। श्री चांडक समाज में प्रति लंबे समय से सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं।

सारड़ा बने महासभा सदस्य

नागपुर। जिला माहेश्वरी सभा द्वारा अ.भा. माहेश्वरी महासभा के वर्तमान सत्र के लिये मधुसूदन सारड़ा को कार्यकारी मंडल सदस्य निर्वाचित किया गया है। इसके साथ ही नागपुर बारदान मर्चेंट एसोसिएशन के गत दिनों सम्पन्न चुनाव में भी श्री सारड़ा बहुमत से सचिव निर्वाचित हुए हैं।

ग्रीष्म कालीन अभिरुचि शिविर सम्पन्न

जोधपुर। श्री माहेश्वरी समाज समिति पश्चिमी क्षेत्र की कार्यक्रम आयोजन उपसमिति द्वारा 16 से 25 जून तक दस दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कुकिंग व क्रॉफ्ट का प्रशिक्षण दिया गया, जिससे 250 से अधिक महिलाएं लाभान्वित हुईं। संयोजिका आशा फोफलिया एवं सह संयोजिका अनिता कालानी ने बताया कि शिविर का समापन विजया माहेश्वरी द्वारा "लड़खडाते कदम सम्भालते हम" विषय पर बच्चों को सही मार्गदर्शन प्रदान कर किया गया। अंत में "भ्रूण हत्या" बंद करने के लिए रैली निकाली गई एवं महिलाओं ने सामूहिक शपथ ली। शिविर में उमा बिड़ला, रामेश्वरी भूतड़ा, प्रेरणा मंत्री, ज्योति बिड़ला, अल्का जौहरी, संतोष गांधी, मंजू मूंदड़ा, आशा चांडक, अंजू बूब आदि का सहयोग रहा।

इंदौर में होगा महिला महाधिवेशन

»अभा माहेश्वरी महिला संगठन ने किया कार्यक्रम तय
»9-11 जनवरी तक होगा आयोजन

इंदौर। अ.भा माहेश्वरी महिला संगठन की महाधिवेशन आयोजन की शृंखला में वर्तमान सत्र का त्रिदिवसीय महाधिवेशन इंदौर में होगा। इसका आयोजन आगामी 9 से 11 जनवरी 2016 तक होगा। इंदौर जिला माहेश्वरी महिला संगठन का अध्यक्ष वीणा सोमानी ने बताया कि महिला संगठन इंदौर जिला को आतिथ्य यह सुअवसर प्राप्त हुआ है। इस महाधिवेशन में बौद्धिक, आध्यात्मिक, रचनात्मक, व्यक्तित्व विकास से संबंधित कार्यशालाएं एवं प्रतियोगिताऐं आयोजित की जाएँगी। महिला संगठन इंदौर जिला की संगठन मंत्री सुमन सारड़ा ने बताया कि यह आयोजन महिलाओं की जागृति एवं एकता को दर्शायेगा। महाधिवेशन में 3 से 5 हजार महिलाएं पूरे भारत व पूरे मध्यप्रदेश से सम्मिलित होने की संभावना है। इनके आवास की समूचित व्यवस्था एवं अन्य तैयारियां शुरू हो गई हैं। संस्था सचिव प्रमिला भूतड़ा ने बताया कि इस अधिवेशन में औद्योगिक मेला भी लगाया जाएगा। महिला संगठन इंदौर जिला को इस महाधिवेशन के आतिथ्य का सुअवसर प्राप्त होने से जिला संगठन एवं क्षेत्रीय संगठनों की महिला कार्यकर्ता एवं सदस्यों में हर्ष व्याप्त है। यह आयोजन ऐतिहासिक होगा, ऐसी कामना है। संस्था अध्यक्ष श्रीमती सोमानी व उनकी टीम ने राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला काबरा का यह अवसर प्रदान करने के लिए आभार प्रकट किया।

माहेश्वरी के गीतों की एलबम का विमोचन

गंगटोक। देवराली स्थित शिव मंदिर में महेश नवमी बड़ी धूमधाम से मनाई गई। माहेश्वरी समाज के इतिहास में पहली बार माहेश्वरी के ऊपर गंगटोक निवासी राकेश सोमानी ने गीतों का एलबम बनाया है। श्री सोमानी की बनाई इस एलबम का विमोचन गंगटोक के पूर्व मेयर और एमएलए रह चुके स्व. श्री बालचंद सारड़ा की धर्मपत्नी विमला सारड़ा के करकमलों से हुआ।

> दरिया ने झरने से पूछा–
> तुझे समन्दर नहीं बनना है क्या ?
> झरने ने बड़ी नम्रता से कहा–
> बड़ा होकर खारा हो जाने से अच्छा है कि
> मैं छोटा रहकर मीठा रहूँ।

सारड़ा अध्यक्ष - तापड़िया सचिव

बसंतकुमार सारड़ा

निर्मल तापड़िया

भगवानदास लाहोटी

बैंगलोर। माहेश्वरी सभा बैंगलोर की 40वीं साधारण सभा की बैठक गत 21 जून को स्थानीय माहेश्वरी भवन में आयोजित हुई। इसमें चुनाव अधिकारी रमेशचंद्र लाहोटी के सान्निध्य में 15 सदस्यीय कार्य समिति का गठन किया गया। इसमें अध्यक्ष बसंत कुमार सारड़ा, सचिव निर्मल कुमार तापड़िया, उपाध्यक्ष गोपाल भूतड़ा, कोषाध्यक्ष भगवानदास लाहोटी, सहसचिव अजय राठी मनोनीत किये गये। इस अवसर पर पूर्व कार्य समिति द्वारा नवागत कार्य समिति का अभिनंदन कर उन्हें पदभार सौंपा गया।

'विचार एक प्रयास' ने मनाई वर्षगांठ

इंदौर। विचार एक प्रयास न्यूज़ एंड नेटवर्क द्वारा इंदौर से प्रकाशित समाचार पत्र 'विचार एक प्रयास' की सफलतम प्रथम वर्षगांठ पर गत 5 जुलाई को समूह द्वारा विचार गोष्ठी और मिलन समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि नोखा के युवा उद्योगपति सुरेन्द्र भट्टड़ थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामावतार जाजू ने की। विशेष अतिथि के रूप में भाजपा मीडिया प्रभारी गोविन्द मालू, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष किशोर गोयल, माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष रामेश्वरलाल असावा, वैश्य समाज अध्यक्ष अनिल खरिया, खजराना मंदिर के पुजारी सुमित भट्ट, वरिष्ठ पत्रकार और आरटीआई कार्यकर्ता राजेंद्र के. गुप्ता, सहारा समय के ब्यूरो चीफ सुदेश तिवारी, जनसम्पर्क विभाग के अधिकारी अरुण राठोड आदि उपस्थित थे। सभी अतिथियों का पुष्प माला और मोमेंटो से अभिवादन किया गया। परिचर्चा के मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार व कॉर्पोरेट इतिहासकार प्रकाश बियानी थे। स्वागत भाषण विचार एक प्रयास के संपादक भुवन तोषनीवाल ने दिया।

आदर्श विवाह के लिए बनाई आचार संहिता

इंदौर। जिला माहेश्वरी सभा द्वारा शादी-ब्याह में होने वाले अनावश्यक खर्च और आदर्श विवाह प्रणाली के संदर्भ में चर्चा हेतु समाज के गणमान्यजनों की बैठक का आयोजन किया गया। इसमें सभी क्षेत्रीय सभाओं और सहयोगी संस्थाओं की उपस्थिति में कुछ प्रस्ताव पारित किए गए। इसके अंतर्गत मांगलिक कार्यों की आमंत्रण पत्रिका बाय पोस्ट भेजी जाएगी (कुछ सगे-प्रसंगियों को छोड़कर) तथा पत्रिका के साथ किसी भी प्रकार की भेंट नहीं दी जाएगी। यदि परिवार सहमत हों तो आमंत्रण पत्रिका की जगह एसएमएस या व्हाट्सएप भी भेजे जा सकते हैं। विवाह आदि प्रसंगों में रोड के ऊपर नाचना पूर्णतय निषेध रहेगा। गीत-संगीत कार्यक्रम में सिर्फ परिवार के लोग ही सम्मिलित होंगे। समाज की संस्थाओं को भी आदर्श विवाह प्रणाली के अंतर्गत विवाह करने वाले बंधुओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रावधान रखने को कहा जाएगा। उक्त जानकारी जिला सभा अध्यक्ष विनीत काबरा ने दी।

नाराजगी में चुनाव का बहिष्कार

भीलवाड़ा । उपनगरपुर में माहेश्वरी पंचायती नोहरे के बाहर स्थित चबूतरों को नगर परिषद भीलवाड़ा द्वारा गत माह को ध्वस्त किया गया, जिसका मलबा नोहरे के बाहर अभी तक पड़ा हुआ है। उक्त मलबे के बहुत बड़े ढेर की वजह से समाजजन नोहरे का उपयोग करने से वंचित हो रहे हैं। इसे हटाने के लिये समाज के लोगों ने गत 14 मई एवं 25 मई को कलेक्टर को ज्ञापन दिये। जनसुनवाई में भी प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया तथा कई बार नगर परिषद प्रशासन से उक्त मलबे को हटाने के लिये निवेदन किया, किंतु प्रशासन द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। यहां के जनप्रतिनिधियों से भी अनुरोध किया गया, परंतु उनके द्वारा भी माहेश्वरी समाज की इस समस्या को जानबुझकर नजर अंदाज किया जा रहा है। इससे क्षुब्ध होकर माहेश्वरी समाज पुर ने नोहरे के बाहर से मलबा नहीं हटने की स्थिति में आगामी नगर परिषद के चुनावों का बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। साथ ही सम्पूर्ण भीलवाड़ा के माहेश्वरी समाज के लोगों से भी अपील की है कि इस अन्याय के विरोध में नगर परिषद के चुनावों का बहिष्कार करें।

भजन संध्या का किया आयोजन

बीकानेर। माहेश्वरी महिला समिति द्वारा अधिकमास पुरुषोत्तमास के मौके पर आनंद आश्रम अनाथालय में एक भजन संध्या का आयोजन किया गया। समिति अध्यक्ष रेखा लोहिया ने बताया कि इस अवसर पर समिति की ओर से अनाथाश्रम को एक वॉशिंग मशीन व एक कूलर भेंट किया गया। कार्यक्रम में कार्यकारिणी की लगभग सभी सदस्याएं उपस्थित थीं।

> मुस्कुराने की आदत भी
> बहुत महँगी पड़ी हमको
> भुला दिया सबने यह कहकर कि
> तुम तो अकेले ही खुश रह लेते हो।

सेवानिवृत्ति पर श्रीमती बोरदिया का सम्मान

रतलाम। कलावती बोरदिया ने श्री माहेश्वरी माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्जन किया, यहीं अध्यापन किया और सेवानिवृत्ति तक सेवा दी। गत 30 जून को माहेश्वरी विद्याप्रचार समिति द्वारा शाल, श्रीफल भेंटकर उनका अभिनंदन किया गया। जगदीश सोनी, सतीश बाहेती, जितेंद्र चिचानी आदि ने उनकी सेवाओं पर प्रकाश डाला। प्रहलाद मंडोवरा, ब्रजमोहन बोरदिया, कविता डारिया, अंजू राठी, सुधा डारिया, पंकज डारिया, हर्षित डारिया आदि उपस्थित थे। आशीष लोहिया ने कार्यक्रम का संचालन किया व गोविंद तोषनीवाल ने आभार माना।

स्वयंसिद्धा ने आयोजित किया चुनरी मनोरथ

अमरावती। स्वयंसिद्धा माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा 16 से 22 जून तक चुनरी मनोरथ का आयोजन किया गया। कुल 45 सदस्यों ने इसमें भाग लिया, जिनमें 41 महिलाएं एवं 4 बच्चे शामिल थे। इस यात्रा में मथुरा, गोकुल, वृंदावन, आगरा, फतेहपुर, सिकरी आदि का समावेश था। गिरिराज परिक्रमा जतिपुरा से शुरू की गई। परिक्रमा पश्चात गिरिराज की मुखारबिंद शीला पर दूध चढ़ाया गया तथा शुद्ध घी का 10,000 रुपये का कुणवाड़ा करवाया गया। गोकुल की गौशाला में 24 मन चारा दान किया। अधिकमास के प्रथम दिन का स्नान जमुना नदी में किया गया व कुल 71 चुनरी व साड़ियों से चुनरी मनोरथ किया गया। मंडल की अध्यक्षा संगीता राठी ने इस यात्रा की बागडोर संभाली।

को-ऑपरेटिव सोसायटी गठित

बैंगलोर। स्थानीय माहेश्वरी सभा द्वारा माहेश्वरी सौहार्द्र क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लि. का गठन किया गया। इसके अंतर्गत ग्यारह डाइरेक्टर की नियुक्ति भी आम सहमति से की गई। इनमें नंदकिशोर मालू, रमेशचंद लाहोटी, विष्णुकांत जाजू, श्रीराम चांडक, महेश रांदड़, नंदकिशोर राठी, ओमप्रकाश मंत्री, ओमप्रकाश लड्ढा, गौरीशंकर सारड़ा एवं चंद्रप्रकाश मालपानी शामिल हैं।

NEWS

काबरा प्रधान - तोषणीवाल मंत्री

ओमप्रकाश काबरा

वैभव तोषनीवाल

ब्यावरा। आर्य समाज ब्यावरा का वार्षिक अधिवेशन आर्य समाज मंदिर में ओमप्रकाश काबरा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। डॉ एलसी हेडा की देखरेख में वार्षिक चुनाव सम्पन्न हुए। इसमें सर्वसम्मति से माहेश्वरी समाज से प्रधान पद ओमप्रकाश काबरा, मंत्री वैभव तोषनीवाल, उपमंत्री संजय बाहेती व कोषाध्यक्ष सत्यनारायण मालानी व पुस्तकाध्यक्ष विनायक माहेश्वरी चुने गये।

जाजू ट्रस्ट से 7 लोगों की मदद की शुरुआत

सूरत। श्री कृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट द्वारा गत जून माह में समाज की 7 जरुरतमंद महिलाओं को मदद की शुरुआत की गई। इनमें राजस्थान प्रदेश में सीकर की सुधा सोमानी, जयपुर की विद्यादेवी हुरकट, बेरसिया (मप्र) की मीनाबाई चंद्रपुर (विदर्भ) की विमलाबाई बी. राठी तथा हिवरखेड (विदर्भ) की मंगला तापड़िया शामिल हैं। उक्त जानकारी देते हुए संस्था के मेनेजिंग ट्रस्टी एस.एल. सोमानी ने बताया कि इस अवधि में 6 लाख 79 हजार रुपये का फंड संग्रहण हुआ। इसमें माहेश्वरी मंडल दिल्ली का 10 हजार 500 रु. जगमोहनदास पलौड़ इंदौर का 15 हजार, अमित-जगदीश मूंदड़ा कोलकाता का 15 हजार, मधुसूदन बिहानी जयपुर का 15 हजार, सत्यनारायण कुवाल नागपुर का 10 हजार तथा नरेंद्र आर. साबू सूरत का 2400 रुपए का योगदान है।

समाज का परिचय कोष लोकार्पित

अमरावती। जिला माहेश्वरी संगठन द्वारा प्रकाशित माहेश्वरी परिचय कोष का लोकार्पण समारोह माहेश्वरी भवन में गत दिनों आयोजित हुआ। मंच पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कमलकिशोर राठी अध्यक्ष महेश सेवा समिति अमरावती ने की। कार्यक्रम के उद्घाटक सज्जनकुमार मोहता, अध्यक्ष विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी संगठन थे। प्रमुख रूप से मदन मालपाणी सचिव विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी संगठन, अशोक सोनी अध्यक्ष जिला संगठन, डॉ. विजय कुमार भराडिया सचिव जिला संगठन एवं बंकटलाल राठी संपादक परिचय कोष उपस्थित थे। इस अवसर पर 8 माह के परिश्रम से परिचय कोष निर्माण करने पर जिला संगठन की ओर से विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी संगठन अध्यक्ष श्री मोहता के द्वारा संपादक श्री राठी सहसंपादक झंवरलाल भूतड़ा एवं रमेशचंद्र दम्माणी को समाज गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

"हर एक चीज़ अपने कमाए हुए
पैसों से खरीदो,
शौक अपने आप कम हो जायेंगे।"

माहेश्वरी मेराथन का हुआ आयोजन

परवतपाटिया। माहेश्वरी सभा द्वारा पहली बार माहेश्वरी मेराथन 2015 का आयोजन किया गया। सुबह 7 बजे डूम्भाल नरेश मंदिर से माहेश्वरी सेवा सदन तक समाज के द्वारा दी गई टोपी और टी शर्ट पहन कर 300 से ज्यादा बच्चों और समाजजनों ने मेराथन में भाग लिया। सेवा सदन में शाम 4 बजे से महिलाओं के लिए महेंदी एवं थाली सजाओ प्रतियोगिता रखी गई। अतिथि रामरतन भूतड़ा, प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन पेड़ीवाल, सूरत जिला सभा अध्यक्ष विनित काबरा, मेघराज गांधी, तिलोकचंद गांधी, सत्यनारायण लाहोटी आदि थे।

विश्व योग दिवस का हुआ आयोजन

मेरठ। सेठ बी.के. माहेश्वरी बालिका इण्टर कॉलेज में समाज की संस्था माहेश्वरी मित्र मंडल, माहेश्वरी शिक्षा सहायता समिति व माहेश्वरी युवा संगठन के द्वारा योग शिविर का आयोजन किया गया। इसमें आर्ट ऑफ लिविंग की निर्देशक मीनाक्षी अरोड़ा ने योगाभ्यास कराया। अध्यक्षता प्रो. ब्रजभूषण ने की। संचालन संयोजक त्रिभुवन मूना ने किया। इस अवसर पर देवेंद्र माहेश्वरी, संजीव राठी, मनीष केला, प्रदीप टावरी, प्रमोद केला, कमल, शिवराज मूना, जी.डी. माहेश्वरी, विजय राठी, डॉ. विनोद राठी आदि कई सदस्य, वरिष्ठजन, महिलाएं व बच्चे शामिल थे।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

जो है बेहतर वही है हितकर

आराम तेल

चोट, मोच, सूजन, कमर दर्द, हाथ पैरों में जकड़न एवं वायु दर्दों को कहें ना.

चोट, कमर दर्द, मोच, सूजन, कान दर्द एवं वायु के दर्दों पर लाभप्रद।

अनुभूत एवं आयुर्वेदिक औषधियों के निर्माता

हितकर® आराम को कहें हाँ GMP CERTIFIED UNIT

www.hitkar.in

निर्माता : हितकर आयुर्वेद भवन

फैक्ट्री : सेल टैक्स ऑफिस के सामने, अजमेर रोड, भीलवाड़ा

फोन : 01482-220446, मो. : +91 94141 15002

E-mail : hitkarganeshram@gmail.com

कॅरियर मार्गदर्शन शिविर सम्पन्न

अमरावती। जिला माहेश्वरी संगठन की ओर से सभी जाति, धर्म, पंथ एवं माहेश्वरी युवाओं हेतु कॅरियर गाईड कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें छात्रों के साथ उनके परिजनों को भी निःशुल्क मार्गदर्शन दिया गया। करीब 600 अभिभावकों ने इस शिविर का लाभ लिया। शिविर में पुना से दिनेश भूतड़ा को इंजीनियरिंग, मेडिकल पैरामेडिकल क्षेत्र के मार्गदर्शन हेतु पुनीत बाफना को सीए, सीएस, एमबीए आदि वाणिज्य शाखाओं के मार्गदर्शन हेतु एवं योगेश्वर कस्तुरे को सर्व समावेशक विषयों पर मार्गदर्शन हेतु निमंत्रित किया।जिला अध्यक्ष अशोक सोनी, सचिव डॉ. सचिन भांगडिया व अभा कार्य समिति सदस्य राजेश चांडक उपस्थित थे। मंच संचालन डॉ सोनल चांडक द्वारा किया गया। आभार संगठन मंत्री बंकटलाल राठी ने माना।

महिला मंडल के चुनाव सम्पन्न

कुसुम सांवल

वीणा दुदानी

आगरा। माहेश्वरी महिला मंडल के चुनाव रमेश भट्टर, मनोज दुजारी व संदीप मालीवाल की उपस्थिति में सम्पन्न हुए। इसमें सर्वसम्मति से कुसुम सांवल अध्यक्ष, वीणा दुदानी मंत्री व बेला भट्टर कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुईं।

जिला माहेश्वरी युवा संगठन के चुनाव सम्पन्न

जयपुर। अखिल भारतीय माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष कमल भूतड़ा के निर्देशन में पालना में जयपुर जिला माहेश्वरी युवा संगठन का गठन निर्विरोध सम्पन्न हुआ। इसमें अध्यक्ष वैभव सोमानी, उपाध्यक्ष शैलेंद्र बाहेती, दिनेश गगरानी, गिरिजेश खटोड़ व पुरुषोत्तम सारड़ा (रेनवाल), सचिव अजय सारड़ा, कोषाध्यक्ष महेंद्र तापड़िया, संगठन मंत्री अमित लड्ढा, प्रचार मंत्री अमित बाहेती, सहसचिव आशीष मालपानी, नवनीत सोमानी, अमित सोमानी, आलोक कोठारी, सांस्कृतिक मंत्री संदीप कचोलिया, खेल मंत्री अमित मंत्री व कार्यालय सचिव आशीष बंग को मनोनीत किया गया।

"रिश्ते पैसों के मोहताज नहीं होते
क्योंकि कुछ रिश्ते मुनाफा नहीं देते हैं,
लेकिन जीवन अमीर जरूर बना देते हैं।"

श्रीमती किरण माहेश्वरी का अभिनंदन

जैसलमेर। श्री माहेश्वरी समाज जैसलमेर द्वारा स्थानीय माहेश्वरी भवन में किरण माहेश्वरी मंत्री जलदाय विभाग राजस्थान सरकार का हार्दिक अभिनंदन किया गया। समाज अध्यक्ष मदनलाल डांगरा द्वारा पुष्प गुलदस्ता एवं समाज के वरिष्ठ सदस्य कुंदनलाल राठी द्वारा लक्ष्मीनाथ की प्रतिमा का फोटो भेंट किया। महिला मंडल अध्यक्ष द्वारा शाल ओढ़ाकर स्वागत किया गया। स्थानीय विधायक, पोकरण विधायक, पूर्व विधायक तथा भाजपा जिला अध्यक्ष का भी समाज के प्रतिनिधियों द्वारा शाल एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। अध्यक्ष मदनलाल डांगरा द्वारा स्वागत भाषण में संस्था की सेवागतिवधियों की जानकारी दी गई।

> खरीद सकते उन्हें तो
> अपनी ज़िन्दगी बेचकर भी खरीद लाते
> लेकिन अफ़सोस कि कुछ लोग
> 'कीमत' चुकाने से नहीं 'किस्मत' से मिलते हैं।

योग के साथ-साथ निःशक्त सेवा

बीकानेर। गत 23 जून को दम्माणी धर्मशाला प्रांगण में इंडियन हैंडिकैप्ड सोसायटी द्वारा आमसभा व योग प्रशिक्षण के साथ ट्राईसाइकिलों, व्हील चैयर व बैसाखियों का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि किशनकुमार दम्माणी थे। अध्यक्षता सोसायटी अध्यक्ष मोहनलाल वर्मा ने की। इस अवसर पर सचिव रितेश पेड़ीवाल ने योग के महत्व पर प्रकाश डाला। सोसायटी सह सचिव व योग प्रशिक्षक राहुलराज चौधरी ने आगंतुकों, उनके सहयोगियों, विशिष्टजनों एवं दानदाताओं को योगाभ्यास करवाया। कार्यक्रम में विशिष्ट दानदाता हरिकिशन-विमलकुमार दम्माणी, सुरेश कुमार दम्माणी, किशन कुमार दम्माणी, मोहनलाल चाण्डक, सोहनलाल गट्टाणी, ओम करनाणी आदि ने निःशक्तों को ग्यारह ट्राईसाईकिलें प्रदान की। ब्रह्म प्रकाश गुप्ता ने एक व्हील चेयर प्रदान की। तीन जोड़ी बैसाखियों का भी वितरण किया गया।

|| जय महेश ||

महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी विवाह समिति की

वैवाहिक वेबसाईट

www.maheshwarivivahsamiti.com

अपने प्रत्याशी का ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन करें और घर बैठे देखें २००० रिश्ते

कांतीलाल राठी
प्रदेश अध्यक्ष

B.E.,MBA,C.A.,Doctor, ग्रॅज्युएट युवक-युवतियों के बायोडाटा

शुल्क रू.400 (एक वर्ष के लिए)

बँक अकाऊंट माहेश्वरी सोशल सर्व्हिसेस प्रा. लि.

• SBI A/C No. 34040329615 • BULDHANA URBAN : 21 / 722

कार्यालय : हिंगोली बँक के निचे, देवलगांव राजा रोड, जालना (महा.)
फोन : (02482) 231952, मो. 8007571564, 9422215214

साबू परिवार द्वारा छप्पन भोग का आयोजन

सूरत। छप्पन भोग का भव्य आयोजन वरिष्ठ समाजसेवी रामअवतार साबू एवं बिमलादेवी साबू ने अपने दाम्पत्य जीवन की स्वर्णजयंती के अवसर पर किया। इस अवसर पर अरविन्द साबू ने गीता के भक्ति योग पर प्रवचन दिया एवं नीरू साबू द्वारा "थाली भरकर लायी खीचड़ों" भजन पर नृत्य नाटिका प्रस्तुत की। लगभग 500 इष्ट मित्रों ने प्रसादी ग्रहण की।

कीचन का खजाना

ढोकला टिक्का

सामग्री - तैयार ढोकले, लाल-पीली-हरी तीनों रंगों की शिमला मिर्च, प्याज, टमाटर, नमक, चाट मसाला, तेल, हरी लाल चटनी, स्टिक।

विधि - प्याज, टमाटर, शिमला मिर्च तीनों को चौकोर टुकड़े में काटकर थोड़े से तेल में भुनकर उस पर नमक व चाट मसाला बुराका दें। अब स्टिक में शिमला मिर्च-टमाटर-प्याज के पीसेस लगाकर उसमें ढोकले का चौकोर पीस लगाके वापस मिर्च-प्याज टमाटर के पीसेस लगाये। फिर से ढोकला लगाकर रीपीट करें क्रमवार। नॉन स्टिक तवे पर थोड़ा सा तेल लगाकर उस पर ये स्टिक रखें और चारों तरफ से भून लें। चार मसाला स्प्रींकल करके चटनी सॉस के साथ पेश करें।

पूनम राठी
(नागपुर)
मो. 99700 57423

SMT हेल्पलाईन

'अपनों' की मदद के लिये आगे आए 'अपनों' का आभार

शाजापुर जिला माहेश्वरी समाज अध्यक्ष श्री सागरमल खटौड़, समाज सचिव जगदीश शाजापुर, पुष्कर बाहेती, जयप्रकाश माहेश्वरी एवं पदाधिकारीगण चैक प्रदान करते हुए

विगत दिनों शाजापुर में प्रतिष्ठित राठी परिवार के यहां भीषण आग लग गई थी। इसमें उनका मकान व व्यावसायिक प्रतिष्ठान सभी कुछ तबाह हो गये थे। इस विकट स्थिति में समाज के समर्थजनों व संगठनों से श्री माहेश्वरी टाईम्स ने मदद के लिये आगे आने की अपील की थी। इस अपील पर समाज के कई संगठन व समर्थजन मदद के लिए आगे आए। उन सभी का 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' आभार व्यक्त करती है। "श्री आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केंद्र" चैन्नई ने भी तत्काल प्रभावित परिवार को दो लाख रुपए का ऋण स्वीकृत किया। ऐसी विकट घड़ी में सहयोगी बने श्री आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केन्द्र की अध्यक्ष राजश्री बिड़ला, कार्याध्यक्ष पद्मश्री बंशीलाल राठी, महामंत्री कस्तूरचंद बाहेती तथा सभी पदाधिकारियों का श्री माहेश्वरी टाईम्स आभार व्यक्त करती है। इसके साथ ही प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सहयोगी बने सभी "अपनो" का भी आभार, जिन्होंने "अपनों को अपनों की मदद" की माहेश्वरी परम्परा का आदर्श रखा।

094234-55034

श्री जगदीश सुदा

(अमरावती) को "**श्री माहेश्वरी टाईम्स**"
परिवार की तरफ से
जन्मदिन (5 अगस्त) की
हार्दिक शुभकामनाएँ

चारभुजानाथ मंदिर में अन्नकूट महोत्सव

उज्जैन। माहेश्वरी थोक पंचायत उज्जैन द्वारा अधिकमास में चारभुजानाथ मंदिर गोली मंडी में अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें समाज के सभी बंधुओं की महाप्रसादी का आयोजन भी किया गया। मुख्य यजमान ट्रस्ट अध्यक्ष रामरतन लड्ढा थे। आयोजन को सफल बनाने में पंचायत अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण मूंदड़ा, सचिव अरुण भूतड़ा, मंदिर समिति के मुख्य संयोजक आनंदीलाल गांधी एवं अंकित मूंदड़ा का विशेष सहयोग रहा। इस आयोजन में समाज के सभी पदाधिकारी एवं समाज बंधुओं की सहभागिता विशेष रूप से रही।

वृंदावन में आयोजित होगा अ.भा. परिचय सम्मेलन

वृंदावन। गत 5 जुलाई को पूर्वी उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में मध्य पश्चिमी उत्तर प्रदेश माहेश्वरी सभा के सक्रिय सदस्यों की वृन्दावन में बैठक सम्पन्न हुई। इसमें आगामी 19-20 दिसम्बर को वृन्दावन की पावन भूमि पर अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवक-युवती परिचय सम्मलेन आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। इसके अंतर्गत 4 सत्रों में अलग-अलग वर्गों का परिचय सम्मलेन आयोजित किया जायेगा। उच्च शिक्षित, प्रोफेशनल प्रतिभागियों का सत्र रविवार 20 दिसम्बर को होगा। इसी दिन ग्रेजुएट,पोस्ट ग्रेजुएट, वर्ग का सत्र भी आयोजित किया जायेगा। इसके पूर्व दिवस 19 दिसम्बर को होने वाले सत्र में उद्घाटन एवं विशिष्ट प्रतिभागियों यथा विकलांग, शारीरिक दोष, विधुर, विधवा, 45 वर्ष तक की आयु, अल्प शिक्षित, ग्रामीण पृष्ठ भूमि व अन्य सभी वर्ग का परिचय सम्मेलन होगा। इसके संयोजक नन्द किशोर झंवर (वाराणसी) एवं सीए संजीव माहेश्वरी (सारडा) (आगरा) होंगे। बैठक में अजय काबरा (भदोई), लोकेन्द्र करवा (वाराणसी), वीरेन्द्र भुराड़िया, (वाराणसी), राकेश मोहता (अलीगढ), विनोद माहेश्वरी अध्यक्ष पूर्वी उत्तर प्रदेश माहेश्वरी सभा राजेश भुराड़िया - अध्यक्ष - मध्य उत्तर प्रदेश माहेश्वरी सभा, कौशल किशोर पलतानी (कासगंज) - अध्यक्ष पश्चिमी उत्तर प्रदेश माहेश्वरी सभा सहित कई पदाधिकारी व सदस्य मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन मनोज दुजारी (आगरा) ने किया।

गौरी कुंड माता मंदिर का निर्माण जारी

अजमेर। अजमेर से 24 कि.मी. की दूरी पर स्थिति ग्राम मकरोड़ा स्थित शक्तिपीठ में गौरी कुंड माता के मंदिर का निर्माण किया जा रहा है। इसके लिये वर्ष 1930 में शामलाल कमेटी ने भूमि खरीदी थी। तत्पश्चात नृसिंह मंदिर का निर्माण हुआ। अब गौरी कुंड माता मंदिर का निर्माण बाबा बालकदासजी के नेतृत्व में हो रहा है। इच्छुक श्रद्धालु अपना आर्थिक सहयोग महंत परसुराम दासजी को दे सकते हैं।

रामकुमार भूतड़ा का किया सम्मान

ब्यावरा। श्री माहेश्वरी पंचयत बोर्ड ब्यावरा द्वारा नगरागमन पर अ.भा. माहेश्वरी महासभा के महामंत्री रामकुमार भूतड़ा का अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। समारोह प्रभारी राजेंद्र काबरा ने बताया कि स्थानीय पाली बाजार स्थित माहेश्वरी भवन में माल्यार्पण कर श्री भूतड़ा का अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष सत्यनारायण झंवर, विष्णुगोपाल हेड़ा, रमेश चितलांग्या, रमेश भराड़िया, रमेश टवानी, राजेश झंवर, विट्ठल राठी, जुगल मनीहार, पुरुषोत्तम जाजू, अशोक नवाल सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

"कभी-भी तयशुदा निर्णय को लेने के लिए
एक बड़ा कदम उठाने में घबराना नहीं चाहिए
क्योंकि
हम किसी भी खाई को
दो छोटी छलाँगें लगाकर पार नहीं कर सकते।"

प्रतिभाओं का किया सम्मान

ब्यावरा। श्री माहेश्वरी पंचायत बोर्ड के तत्वावधान में महेश नवमी महोत्सव माहेश्वरी छात्रावास चांगचितार प्रमुख संयोजक रमेश भराडिया के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि सुनील कुमार मूंदड़ा महामंत्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर व विशिष्ठ अतिथि उपसभापति नगर परिषद ब्यावरा सुनील कुमार मूंदड़ा थे। सत्यनारायण झंवर, उपाध्यक्ष विष्णुगोपाल हेडा, मंत्री रमेश चितलांग्या आदि समापन समारोह में मंचासीन थे। इस अवसर पर राजेंद्र काबरा के संयोजन में सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। इसमें सर्वप्रथम रक्तदाताओं का सम्मान किया गया। इसके पश्चात शैक्षणिक प्रतिभाओं तथा खेल व सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

रामकथा के साथ 56 भोग का आयोजन

रतलाम। पिछले 30 वर्षों में पहली बार रतलाम के इतिहास में बड़ा धार्मिक आयोजन हुआ। इसमें रामोला परिसर में पंडित प्रदीप व्यास द्वारा रामकथा की गई। अंतिम दिवस 56 भोग का आयोजन हुआ। आयोजन में समाज अध्यक्ष माधव काकानी, उपाध्यक्ष डॉ. बी.एल. तापड़िया, सचिव नरेंद्र बाहेती, बाबूलाल राठी, संतोष काबरा, प्रहलाद मंडोवरा, ओम झंवर, रमेश डारिया, कैलाशचंद्र मालू, मोहनलाल तोषनीवाल, संतोष काकानी, मधु बाहेती, राजकुमारी काबरा, राजेश चौखड़ा, नयन डागा आदि का विशेष सहयोग रहा।

> कुछ भी नया करने में संकोच मत करो
> यह मत सोचो कि हार होगी
> हार तो किसी की भी नहीं होती
> या तो जीत होती है
> या सीख मिलती है।

देव प्रकाश माहेश्वरी का 82वें वर्ष में प्रवेश

दिल्ली। देहली प्रदेश माहेश्वरी सभा के संस्थापक संरक्षक देव प्रकाश माहेश्वरी गत 9 जुलाई को अपने जीवन के 82 वें वर्ष में प्रवेश कर चुके हैं। जन्म 9 जुलाई 1934 को हुआ था। श्री माहेश्वरी उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता होने के साथ-साथ अनेक सामाजिक संस्थानों से भी सम्बद्ध रहे हैं, जिनमें मुख्यतः अंतर्राष्ट्रीय संस्था "भारत विश्व सांस्कृतिक सहयोग संघ" जो अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में कार्य कर रही हैं, के भी संस्थापक अध्यक्ष हैं। विश्व बंधुत्व के नाते अनेक देशों में भ्रमण किया एवं अपने विचारों से युवा भारत के विकास में अपना योगदान दिया है। देहली में आयोजित अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के 1961 के अधिवेशन से सक्रिय रूप से राष्ट्रीय स्तर पर माहेश्वरी महासभा के कार्यों में लगे रहे और देहली प्रदेश माहेश्वरी सभा की स्थापना के पश्चात आप महासभा के 1976 नागपुर अधिवेशन में कार्यसमिति सदस्य चुने गये। वर्ष 1962 में अलीगढ़, 1985 में इंदौर और 1989 में त्रिरुपति अधिवेशन में लगातार तीन बार राष्ट्रीय उपसभापति पद पर सक्रिय दायित्व को निभाया। देहली प्रदेश की ओर से अध्यक्ष सुशील कुमार माहेश्वरी, उपाध्यक्ष मनीष कुमार भंसाली, महामंत्री अनूप माहेश्वरी सहित समस्त पदाधिकारियों व सदस्यों ने उन्हें सम्मानित किया।

Congratulations

Congrts to
Shri Sharad Bagdi
for receiving
Wealth creator of decade award
from
Motilal Oswal Sec Ltd..

Vinodkumar
Ranchoddas Mohota
(Hinghanghat)

Sohanlal, Daulal, Rajendrakumar, Shailesh, Srivardhan, Kapil, Anshuman, Koushik Mohta (Mumbai) & Lalitkumar Mohta (Kolkatta)

माहेश्वरी समाज भी डिजिटल इंडिया की ओर अग्रसर

जोधपुर। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विज़न को ध्यान में रखते हुए, स्थानीय माहेश्वरी समाज समिति ने समाज के व्यक्तियों को विश्व की गतिविधियों से जोड़ने हेतु गत 5 जुलाई को जोधपुर में Digital India Contest 2015 का आयोजन किया। इसमें प्रज्ञा चांडक को प्रथम पुरस्कार Laptop, रेणु धूत को द्वितीय पुरस्कार Tablet PC एवं बसंत अरुण राठी को तृतीय पुरस्कार स्वरूप मोबाइल फोन प्रदान किया गया। शेष 12 प्रतिभागियों को डिजिटल सांत्वना पुरस्कार प्रदान किये गए। कार्यक्रम का संचालन सीए योगेश बिड़ला ने किया। मुख्य अतिथि शहर के संसद सदस्य गजेन्द्र सिंह शेखावत थे। इस कार्यक्रम में ओम लाहोटी, दामोदर बंग, जे. एम. बूब, रामानन्द काबरा, रतनलाल दाग, ओमप्रकाश फोफलिया, सुरेश राठी, भगवती नारायण राठी, फूसराज पेड़ीवाल, अभिषेक भूतड़ा आदि कई सदस्य उपस्थित रहे।

भारतीय महिला मंडल के पदाधिकारियों का वरंगल दौरा

वरंगल। गत 19 जुलाई को अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला मंडल की पदाधिकारियों ने, राजस्थानी महिला मंडल मारवाड़ी समाज, माहेश्वरी समाज तथा समाज के समस्त महिला मंडलों को संगठित करने के लिए भारत भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत वरंगल का दौरा किया। इसमें आंध्र प्रदेशिक महिला मंडल की अध्यक्षा कलावती जाजू एवं मंत्री रेणु सारडा भी शामिल थीं। स्थानीय प्रगतिशील मारवाड़ी समाज भवन में राजस्थानी महिला मंडल के द्वारा सभा का आयोजन किया गया। अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्षा सुशीला काबरा व महामंत्री कल्पना गगरानी सहित उपस्थित आंध्र प्रादेशिक महिला मंडल के पदाधिकारियों का भी स्थानीय महिला मंडल की ओर से शाल, मेमोटो, श्रीफल व पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। वरंगल माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष प्रहलाद सोनी, जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश मूंदड़ा, प्रगतिशील मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष भगवानदास मांधनिया सहित कई सदस्य-सदस्याओं ने भाग लिया। स्थानीय महिला मंडल की अध्यक्षा चंदा सोनी, मंत्री मीना लाहोटी,पूर्व अध्यक्ष एवं मंडल के सभी पदाधिकारी उपस्थित थे। मंच संचालन कविता बल्दवा व पूनम शर्मा ने किया।

भीलवाड़ा (राज.) में ''श्री माहेश्वरी टाईम्स''

के लिए समाचार, विज्ञापन एवं सदस्यता के लिए संपर्क करें.

शंकर सोनी

क्षेत्रीय प्रतिनिधि (भीलवाड़ा)

मो- 098281-39404

हैदराबाद (आं.प्र.) में ''श्री माहेश्वरी टाईम्स''

के लिए समाचार, विज्ञापन एवं सदस्यता के लिए संपर्क करें.

लक्ष्मीनारायण काकाणी

क्षेत्रीय प्रतिनिधि (हैदराबाद)

मो- 093900-73380

"हर बेटी के भाग्य में पिता होता है
लेकिन
हर पिता के भाग्य में बेटी नहीं होती है।"

तोषनीवाल को 12वीं बार भामाशाह सम्मान

जयपुर। राजस्थान सरकार द्वारा उन दानदाताओं का प्रतिवर्ष भामाशाह अवार्ड से सम्मान किया जाता है, जो जनहित में विकास कार्यों में शासन के आर्थिक सहयोगी होते हैं। वर्तमान में कोलकाता में निवासरत ख्यात व्यवसायी व समाजसेवी नेमीचंद तोषनीवाल लगभग डेढ़दशक से विशेष रूप से शिक्षा व चिकित्सा में अपना योगदान दे रहे हैं। इसके अंतर्गत श्री तोषनीवाल जयपुर जिले में अभी तक कई शासकीय स्कूल व शासकीय चिकित्सालयों के भवन निर्माण में अपना आर्थिक सहयोग दे चुके है। इसके लिये राजस्थान शासन से वे गत वर्ष तक 11 बार भामाशाह सम्मान से सम्मानित हो चुके थे। गत 28 को बिड़ला ऑडिटोरियम, स्टेच्यु सर्किल जयपुर में 21 वां भामाशाह सम्मान समारोह आयोजित हुआ। इसमें श्री तोषणीवाल को तारानगर (चूरु) में स्थित राजकीय सीतादेवी तोषनीवाल उच्च प्राथमिक संस्कृत विद्यालय के शैक्षिण उन्नयन में योगदान के लिये 12 वीं बार प्रारंभिक शिक्षा विभाग द्वारा "भामाशाह सम्मान" से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान के राज्यपाल कल्याणसिंह व विशिष्ट अतिथि ग्रामीण विकास एवं पंचायती राजविभाग के मंत्री सुरेंद्र गोयल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राथमिक-माध्यमिक शिक्षा एवं भाषा विभाग के राज्यमंत्री प्रो. वासुदेव देवनानी ने की। प्रारंभिक शिक्षा विभाग के निदेशक बी.एल. मीना व शासन सचिव कुंजीलाल मीना सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय आयोजन में जगदीशचंद्र एस. मूंदड़ा

हैदराबाद। समाजसेवी जगदीशचंद्र एस. मूंदड़ा ने 17 से 19 जुलाई तक हैदराबाद में आयोजित इंटरनेशनल वैश्य फेडरेशन के आयोजन में विचार व्यक्त किये। इसमें विश्व के 10 देशों व भारत के 22 प्रांतों से आए 800 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। साथ ही सुधा मूंदड़ा ने भी भाग लिया।

"
काँच के दिल थे जिनके
उनके दिल टूट गये
हमारा दिल था मोम
जो पिघलता ही चला गया
"

महिला संगठन ने आयोजित किया "समृद्धि"

सूरत। गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा द्वि दिवसीय सावन मेला "समृद्धि 2015" का 10-11 जुलाई को आयोजन हुआ। इसका उद्घाटन 10 जुलाई को माहेश्वरी भवन सूरत में अ.भा.मा. युवा संगठन के अध्यक्ष कमल भूतड़ा के कर कमलों द्वारा हुआ। मुख्य अतिथि अ.भा.मा. महासभा के उपाध्यक्ष रामगोपाल मूंदड़ा, सम्माननीय अतिथि अ.भा.मा.म.सं. की पूर्व अध्यक्षा विमला साबू व विशेष अतिथि गु.प्रा.मा. सभा के अध्यक्ष मदनमोहन पेड़ीवाल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता उर्मिला कलंत्री अध्यक्षा गु.प्र.मा. म. सं. ने की। इस मेले में करीब 80 स्टॉल लगाये गये थे। विभिन्न प्रांतों की विशिष्ट कलाकृतियाँ, डिजाईनर साड़ियां, कुरतियाँ, गृह उपयोगी वस्तुओं आदि कई चीजों के स्टॉल लगाये गये थे। प्रादेशिक उपाध्यक्ष प्रतिभा मौलासरिया ने इसकी उपयोगिता पर रोशनी डाली। प्रा. सचिव उमा जाजू ने आभार व्यक्त किया।

मैत्री मंडल की बैठक सम्पन्न

सूरत। श्री जैसल मैत्री मंडल द्वारा गत 2 जुलाई को वार्षिक बैठक आयोजित की गई। सालभर में अध्यक्ष द्वारा स्वागत भाषण व आय-व्यय का ब्यौरा दिया गया। बैठक में ही टिवन हार्ट मेडिटेशन का कार्यक्रम प्रख्यात कौशिक महात्माजी द्वारा रखा गया। करीब 50 महिलायें उपस्थित रहीं। फिर हाउजी गैम्स भी खिलाये गये। कौशिक जी का परिचय बबीता सांवल ने दिया व अतिथि स्वागत अध्यक्ष सुनीता धीरन ने किया। मंच संचालन सचिव मीना बिसानी ने व आभार प्रदर्शन उपाध्यक्ष तरुणा राठी ने किया।

लालन मनोरथ का हुआ आयोजन

उदयपुर। गत 14 जुलाई को प्रभूलालन जी के नाथद्वारा से उदयपुर पधारने पर भव्य मनोरथ एवं शोभायात्रा का आयोजन हुआ। इसमें बडी संख्या में माहेश्वरी समाजजनों सहित जानकीलाल मूंदड़ा, मोहनलाल देवपुरा, मुरलीधर गट्टानी, श्यामलाल सोमानी, राधेश्याम तोषनीवाल आदि कई पदाधिकारी सम्मिलित थे। शोभा यात्रा मार्ग में माहेश्वरी युवा संगठन ने पेजयल व्यवस्था सम्भाली।

वर्षा के लिये किया गया दीपयज्ञ

उज्जैन। श्री माहेश्वरी मेवाड़ा थोक पंचायत महिला मंडल की अध्यक्ष पुष्पा मंत्री के नेतृत्व में गायत्री परिवार के सहयोग से गायत्री दीप यज्ञ का आयोजन अच्छी बारिश के लिये किया गया। साथ ही सिंहस्थ पर्व 2016 सफलता के साथ सम्पन्न हो जाय इसके लिये भी भगवान महाकाल से प्रार्थना की गई। आयोजन में संतोष सोड़ानी, हेमलता गांधी, उषा सोड़ानी, निर्मला देवपुरा, शांता मंडोवरा, तेजूदेवी तोषनीवाल, मनीषा राठी, उषा मूंदड़ा, सुधा बाहेती, आरती राठी, ज्योति राठी आदि उपस्थित थीं।

स्मारिका 'महेश संदेश' का विमोचन

रतलाम। स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा 200 से अधिक पृष्ठों की स्मारिका महेश संदेश का प्रकाशन किया गया। अतिथि के रूप में उपस्थित सुशीला काबरा (अध्यक्ष अ.भा. मा. महिला संगठन) एवं नवीन मूंदड़ा के कर कमलों से इसका विमोचन हुआ। डॉ. बी.एल. तापडिया, माधव काकानी, नरेंद्र बाहेती, बाबूलाल राठी, संतोष काबरा, प्रहलाद मंडोवरा, राजेश चौखड़ा, द्वारका भंसाली, सुनील लाठी, डॉ सतीश लड्ढा, डॉ. लक्ष्मण परवाल आदि उपस्थित थे। 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' ने अपनी ओर से स्मृति चिह्न भेंटकर अतिथियों का सम्मान किया।

सेवा में आगे आई महिला समिति

पुरूलिया (पं.बं.)। स्थानीय माहेश्वरी महिला समिति द्वारा गत माहों में रसगुल्ला एवं संदेश क्लास तथा केक क्लास आयोजित की गई। उक्त जानकारी देते हुए अध्यक्ष नीरा मल्ल व सचिव रेणु मूंदड़ा ने बताया कि नेपाल में आये भूकंप के लिये भी महिला समिति द्वारा पुरूलिया समाज से 21,000 रुपये की धन राशि जमा कर नेपाल माहेश्वरी संगठन को भेजी गई।

> भाव अच्छा हो, विचार भी अच्छा हो,
> मगर वाणी खराब हो
> तो संबंध नहीं टिकते हैं।

राठी को दाजीसाहेब पटवर्धन पुरस्कार

अमरावती। श्रद्धा आर्ट सोसायटी द्वारा सांईनगर क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक महोत्सव के अंतर्गत विविध क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवा देने वालों को सम्मानित किया गया। इसके अंतर्गत श्री बुलिदान राठी मूकबधीर विद्यालय अमरावती, आय.एम. जाजोदिया डी. एड. कॉलेज अमरावती एवं माहेश्वरी आधार समिति के सचिव तथा अमरावती जिला माहेश्वरी संगठन के संगठन मंत्री बंकटलाल राठी को अविरल अपंग सेवा कार्य हेतु प्रतिष्ठित दाजी साहेब पटवर्धन पुरस्कार से सम्मानित किया।उल्लेखनीय है कि श्री राठी अभी तक कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित हो चुके हैं।

मंत्री ने सराही योजना

ग्वालियर। माहेश्वरी मित्र मण्डल, ग्वालियर के प्रतिनिधि सुशील माहेश्वरी, अश्विनी कुमार सोमानी, माधव माहेश्वरी (सुरजन), राम मोहन राठी, महेन्द्र माहेश्वरी आदि ने गत 11 जून को महिला एवं बाल विकास मंत्री माया सिंह से भेंट की। इसमें संगठन द्वारा उन्हें समाज के कमजोर वर्गों के विकास हेतु किये जा रहे कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। श्रीमती सिंह ने योजना की सराहना की। इसके साथ ही उन्होंने सम्बन्धित सरकारी योजनाओं के बारे में भी विस्तृत जानकारी देते हुए मित्र मण्डल को आश्वासन दिया कि जब भी आपको किसी सरकारी योजना से सम्बन्धित पात्रता रखने वाला जरूरतमन्द परिवार मिले तो अवश्य हमें बतायें, उसे लाभ प्रदान करवाऐंगे।

अक्टूबर माह में परिचय सम्मेलन

इंदौर। संस्था जय महेश माहेश्वरी सेवा संस्थान इंदौर द्वारा आगामी 2 से 4 अक्टूबर तक विवाह योग्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार इसके अंतर्गत सामान्य युवक-युवती के अतिरिक्त प्रथक से विशिष्ट प्रत्याशियों का परिचय सम्मेलन भी आयोजित होगा। इसके आयोजन के लिये दस्तूर गार्डन,फूटी कोठी रोड स्थान निर्धारित किया गया है। पंजीयन की अंतिम तिथि 12 सितम्बर निर्धारित है।

NEWS

राठी की 'एक जिद्दी प्रयास' विमोचित

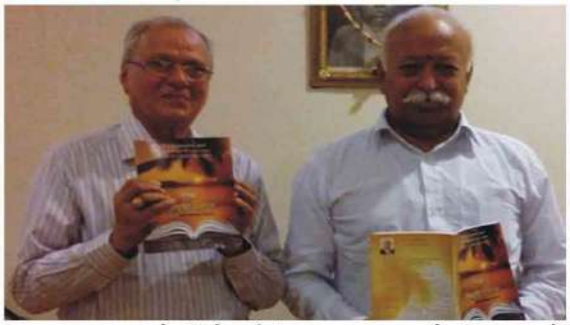

नागपुर। मुखपत्र 'माहेश्वरी' के पूर्व संचालक व अ.भा. माहेश्वरी महासभा के कार्यकारी मण्डल सदस्य 74 वर्षीय इंजीनियर व व्यवसायी श्याम राठी का जुनून था, अखबारों में छपे प्रमुख समाचार, आवश्यक जानकारी, कोटेशन आदि संग्रह करने का। लगभग 25 वर्षो से उनके संग्रह की यह यह यात्रा सतत रूप से चलती रही। उन्होंने इस जानकारी व अपनी सोच को पुस्तक का रूप दिया। फिर इसे प्रकाशित करवाया। गत दिनों राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के राष्ट्रीय प्रमुख डॉ. मोहन भागवत के हाथों इस पुस्तक का विमोचन हुआ। उल्लेखनीय है कि श्री राठी के माहेश्वरी के संचालक काल में 'माहेश्वरी' का कायाकल्प हुआ था। श्री राठी बहुआयामी व्यक्तित्व हैं। व्यावसायिक रूप से मोनार्क मार्केटिंग इंटरप्राइजेस व मोनार्क हार्टीकल्चर एण्ड एग्रोफारेस्ट्री के मेनेजिंग पार्टनर तथा मोनार्क कंसल्टेंट के मेनेजिंग डायरेक्टर हैं।

व्यंजनों की स्पर्धा हुई सम्पन्न

अहमदाबाद। माहेश्वरी सखी संगठन ने केक व कुकीज डेमोन्स्ट्रेंशन एवं चावल से बने व्यंजनों की प्रतियोगिता आयोजित की। इसमें रुचि अग्रवाल द्वारा जौ के आटे का केक, ओट्स से बने कुकीज तथा कप केक आईसिंग के साथ सिखाया गया। चावल से बने 34 व्यंजनों को प्रतियोगिता में रखा गया। प्रतियोगिता की जज ई-टी.वी. गुजराती के कुकरी क्लब की सदस्या प्रीती जी. ठक्कर एवं सखी की भूतपूर्व अध्यक्षा मधु नवाल थीं। इस अवसर पर गु.प्रा. मा. म.सं. की अध्यक्षा उर्मिला कलंत्री भी उपस्थित रही।

स्व. भूतड़ा की पुण्य स्मृति में नेत्र ऑपरेशन

बुलडाणा। खामगांव के ख्यात व्यापारी स्व. श्री घनश्याम भूतड़ा की प्रथम पुण्य स्मृति पर निशुल्क मोतिया बिंदू ऑपरेशन का आयोजन किया गया। इस शिविर में विभिन्न तहसीलों के 13 रोगियों के ऑपरेशन ख्यात चिकित्सकों द्वारा किये गये। उक्त जानकारी माहेश्वरी मंडल अध्यक्ष नवनीत राठी ने दी।

डॉ. रतनलाल राठी का सम्मान

तेलहारा (अकोला)। प्रतिष्ठित चिकित्सक डॉ. रतनलाल राठी का तेलहारा शहर की ओर से सम्मान पत्र भेंटकर सम्मान किया गया। उल्लेखनीय है कि डॉ. राठी ग्रामीण विभाग में पिछले 50 सालों से अपनी सेवा दे रहे हैं और अब उनका परिवार भी इसी राह पर है।

महिला संगठन ने आयोजित किया चुनड़ी मनोरथ

हैदराबाद। पुरुषोत्तम मास (अधिक मास) के उपलक्ष्य में आ.प्रा. माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा चुनड़ी मनोरथ कार्यक्रम का आयोजन बासर में किया गया। संगठन की प्रदेश अध्यक्षा कलावती जाजू के नेतृत्व में निजामाबाद महिला मंडल की अध्यक्षा मंजू सारड़ा एवं मंत्री कल्पना के अथक प्रयास से बासर की गंगा - गोदावरी के तट पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें निजामाबाद से लगभग 100, हैदराबाद से 40 एवं अन्य जिला से 40 महिलाओं ने भाग लिया। मंत्री श्रीमती सारड़ा ने बताया कि प्रातः गोदावरी नदी के तट पर 208 साड़ियों से इस छोर से उस छोर तक मनोरथ पूरा किया गया।कार्यक्रम में शकुंतला नावंदर, मंजू माहेश्वरी, प्रेमलता काकाणी, अनुराधा नावंदर, लीला बंग, अन्नपूर्णा राठी, सावित्री मणियार, सरला दरक, विमला तापड़िया आदि कई सदस्याओं ने हिस्सा लिया।

महिला मंडल के चुनाव सम्पन्न

बेरडी (छिंदवाड़ा)। राजस्थानी महिला मंडल बरेडी की नई कार्यकारिणी गठित की गई। इसमें अध्यक्ष पद पर मंजू-विजय कुमार सुदा का सर्वसम्मति से चयन किया गया।

> ऊँचा उठना है तो, अपने अंदर के अहंकार को निकालकर स्वयं को हल्का कीजिए क्योंकि ऊँचा वही उठता है जो हल्का होता है।

आकांक्षा-आशुतोष रहे टॉपर

आकांक्षा

आशुतोष

सूरत। जैसलमेर के लक्ष्मीनारायण एवं प्रेमबाई बिसानी के सुपौत्री-सुपौत्र व जितेन्द्र एवं लता बिसानी के पुत्री-पुत्र आकांक्षा बिसानी व आशुतोष बिसानी ने कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। इसमें आकांक्षा ने 95.8% अंकों के साथ सूरत शहर में 7वीं रैंक प्राप्त की। आकांक्षा के जुड़वाँ भाई आशुतोष ने भी अपनी बहिन का साथ देते हुए 87.8% अंक प्राप्त किये। अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमल भूतड़ा सहित कई स्नेहीजनों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया।

शुभम गग्गड़ बने सी.ए.

भीलवाड़ा। महासभा के निवर्तमान संयुक्त मंत्री एवं वरिष्ठ समाजसेवी देवकरण गग्गड़ तथा अयोध्यादेवी के सुपौत्र तथा विनोद एवं पूर्णिमा गग्गड़ के सुपुत्र शुभम ने 66.4% अंकों के साथ राष्ट्रीय स्तर पर 33वीं रेंक प्राप्त करते हुए सी.ए. की परीक्षा में सफलता प्राप्त की। शुभम ने सी.पी.टी.व आई.पी.सी.सी. के साथ सी.एस. में भी राष्ट्रीय स्तर पर मेरिट प्रमाण पत्र प्राप्त किया है।

वेदांत को 9.6 सीजीपीए अंक

संगमनेर। समाज सदस्य डॉ. संजय कुमार बांगड के सुपुत्र वेदांत ने सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा 9.6 सीजीपीए अंकों से उत्तीर्ण की। वेदांत स्वर्गीय श्री बिहारीलाल बांगड के पौत्र हैं।

विनायक को 94% अंक

उज्जैन। विनायक टवाणी-सुपुत्र महेश टवाणी व सुपौत्र कृष्णचन्द्र टवानी ने 12वीं कामर्स की परीक्षा में 93.85% अंक अर्जित कर महाराष्ट्र स्टेट बोर्ड में पांचवा स्थान प्राप्त किया। साथ ही सीए परीक्षा में भी 84.5% अंक अर्जित किये।

पलक को सीए में 46वीं रेंक

रायपुर। समाज सदस्य सुरेश कुमार व पूनम राठी की सुपुत्री पलक ने सीए की परीक्षा में ऑल इंडिया में 46वीं रेंक व रायपुर में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

अदिति को 94% अंक

अमलनेर (जलगांव)। स्थानीय मंडल के संस्थापक अध्यक्ष गिरधरलाल बल्दवा की सुपौत्री एवं माहेश्वरी मंडल के कार्यकारिणी सदस्य राकेश बल्दवा की सुपुत्री अदिति बल्दवा ने कक्षा 10वीं की परीक्षा नासिक बोर्ड में 94 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण की। अदिति ने अपने स्कूल में लड़कियों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

रूपेश मूंदड़ा सी.ए. बने

धामनोद (धार)। आई.सी.ए. आई. द्वारा मई 2015 में आयोजित सी.ए. फायनल की परीक्षा उत्तीर्ण कर मून्दड़ा परिवार को और समाज को गौरवान्वित किया है। श्री मून्दड़ा ने विषम परिस्थितियों से दृढ़ता पूर्वक जूझते हुए सर्वोच्च लक्ष्य को प्राप्त कर प्रेरणास्पद मिसाल कायम कर प्रतिष्ठित स्थान प्राप्त किया। आपकी सफलता पर भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं स्नेहीजनों ने बधाई दी।

अक्षिता को 97 प्रतिशत अंक

अकोला। समाज के कर्मठ वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता शंकरलाल बियाणी की सुपौत्री उद्यमी पंकज बियाणी की सुपुत्री अक्षिता ने 10वीं बोर्ड की परीक्षा 97.4% अंकों से उत्तीर्ण की।

आदित्य को 96 प्रतिशत अंक

परभणी। सामाजिक कार्यकर्ता सत्यनारायण अजमेरा के सुपौत्र एवं ग्रेन ब्रोकर संजय अजमेरा के सुपुत्र आदित्य अजमेरा ने 10वीं बोर्ड परीक्षा 95 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की।

अनिता स्वीटजरलैंड रवाना

बुलढाना। माटरगांव के मोहनकुमार व चंद्रकांता गांधी की सुपुत्री अनिता गांधी सीनियर सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर पुणे में कार्यरत हैं। अनिता को कंपनी की ओर से बेस्ट एम्पलाईज अवार्ड दिया गया और उन्हें स्वीट्जरलैंड पहुंचाया गया।

पूर्णिमा को 88 प्रतिशत अंक

मूर्तीजापुर। समाज सदस्य शरद तथा सरिता बंग की सुपुत्री पूर्णिमा ने हायर सेकंडरी की परीक्षा 88 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की। आगे वह मेडिकल की तैयारी करना चाहती हैं।

तुलसी कॉलेज में टॉप

मुम्बई। तुलसी टवानी सुपुत्री महेश टवानी व सुपौत्री कृष्णचन्द्र टवानी ने द्वितीय वर्ष होम साईंस में 81% अंक अर्जित किये, तुलसी मुम्बई के एक ख्यात कॉलेज से न्यूट्रिशियन-डाइटिशियन कोर्स कर रही हैं। अपने कॉलेज में उन्होंने सर्वाधिक अंक अर्जित किये हैं।

ऋषभ को सीए में 30 वीं रेंक

भटिण्डा। समाज के वरिष्ठ शिवभगवान व सावित्रीदेवी साबू के सुपौत्र तथा सुधीर-अनिता साबू के सुपुत्र ऋषभ साबू ने सीए की परीक्षा देश में 30 वीं रेंक के साथ उत्तीर्ण की। माहेश्वरी सभा भटिण्डा सहित स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

रोहित राठी बने सीए

मोदीनगर। माहेश्वरी समाज, बेगमाबाद के पूर्व कोषाध्यक्ष डॉ. संजय कुमार एवं भावना राठी के सुपुत्र रोहित राठी ने अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रतिभा का परिचय देते हुए 22 वर्ष की अवस्था के पूर्व ही सीए फाइनल की परीक्षा उत्तम अंकों से उत्तीर्ण की।

वंशिका को 95 प्रतिशत अंक

मालेगांव। शहर के प्रतिष्ठित व्यवसायी मांगीलाल काबरा की सुपुत्री वंशिका काबरा ने 10वीं कक्षा की परीक्षा 95 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की। इसमें गणित विषय में वंशिका ने शत-प्रतिशत अंक प्राप्त किये।

ऋषिकेश सीईटी में चयनित

सोलापुर। गत दिनों हुई सीईटी परीक्षा में सोलापुर के चिकित्सक डॉ. गिरिष हरकुट के सुपुत्र ऋषिकेश ने 200 में से 187 अंक प्राप्त कर महाराष्ट्र राज्य में 278 वां स्थान हासिल किया। इसके आधार पर उन्हें पुणे के बी.जे. शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय में प्रवेश प्राप्त हुआ है। ऋषिकेश श्रीमती पद्मावती व स्व. डॉ. राजगोपाल हरकुट के सुपौत्र हैं।

अभिषेक को 9.6 सीजीपीए

मुजफ्फर नगर। महासभा कार्यकारी मंडल सदस्य संजय माहेश्वरी देहरादून के सुपुत्र व रामस्वरूप माहेश्वरी भूतपूर्व अध्यक्ष हरिद्वार सभा के पौत्र अभिषेक ने सीबीएसई बोर्ड की 10वीं की परीक्षा में 9.6 सीजीपीए अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण की।

निखिल को 85 प्रतिशत अंक

अकोला। सामाजिक कार्यकर्ता एवं अकोला जिला माहेश्वरी युवा संगठन के प्रचार मंत्री डॉ. नंदकिशोर अजमेरा के सुपुत्र निखिल अजमेरा ने 12वीं बोर्ड की वाणिज्य शाखा की परीक्षा 85 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की।

रितु को 94 प्रतिशत अंक

दांडली। समाज सदस्य गोपाल माहेश्वरी की सुपौत्री रितु ने पीयूसी द्वितीय वर्ष की परीक्षा विज्ञान संकाय के साथ 94 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण की। इसमें रितु ने दांडली में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

सोनाक्षी को 94 प्रतिशत अंक

रतलाम। समाज सदस्य अजय-संजना डाढ़ की सुपुत्री सोनाक्षी ने सीबीएसई की 12 वीं की परीक्षा 94.4 अंकों के साथ उत्तीर्ण की। इस सफलता का श्रेय वह दादा शांतिलाल डाढ़, दादी गीतादेवी, बड़ी माँ संगीता व माता पिता सभी को देती हैं।

डॉ. प्रिया को एम.डी. में गोल्ड मेडल

उज्जैन। समाज की प्रतिभा डॉ. प्रिया राठी ने कस्तूरबा कॉलेज मणिपाल (कर्नाटक) से एम.डी. (डॉक्टरेट इन मेडिसिन) में प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल हासिल किया। उन्होंने एम.बी.बी.एस. की परीक्षा आर.डी. गार्डी कॉलेज उज्जैन से उत्तीर्ण की थी। डॉ. प्रिया नर्मदापारा निवासी श्यामसुंदर राठी एवं चंदा राठी की सुपुत्री व चैम्बर ऑफ कॉमर्स के उपाध्यक्ष राजकुमार राठी की भतीजी हैं।

हिमानी काबरा को उपाधि

उदयपुर। भारतीय प्रबंध संस्थान कोषिक्कोड़ से समाज की प्रतिभा हिमानी काबरा ने पोस्ट ग्रेज्युएट डिप्लोमा इन मेनेजमेंट की परीक्षा उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि पर दीक्षांत समारोह में हिमानी को उपाधि से नवाजा गया।

कुश व निशांत का आईआईएम में चयन

कुश

निशांत

इंदौर। समाज की प्रतिभा कुश-गोविन्द मालू एवं निशांत-हरि मालू का चयन देश के प्रसिद्ध भारतीय प्रबंध संस्थान (IIM) में तिरुचिरापल्ली एवं उदयपुर में क्रमशः हुआ। मालू परिवार के कुश ने केट (CAT) में 99 परसेंटाइल व निशांत ने 97 परसेंटाइल अंक अर्जित किये थे। दोनों ही इंजीनियर हैं।

स्वप्निल को 93 प्रतिशत अंक

जानेफल (बुलडाणा)। समाज सदस्य स्वरूप लाहोटी के सुपुत्र स्वप्निल लाहोटी ने सीबीएसई की 10 की परीक्षा 93.67 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण की। स्कूल प्रशासन द्वारा भी इस उपलब्धि पर स्वप्निल का सम्मान किया गया।

उत्सव को 92 प्रतिशत अंक

रायपुर। समाज के वरिष्ठ केदारनाथ राठी के पौत्र व जिंदल स्टील एण्ड पावर लि. के डीजीएम कृष्ण कुमार राठी के सुपुत्र उत्सव ने सीबीएसई की कॉमर्स संकाय से 12वीं की परीक्षा 92.2% अंकों से उत्तीर्ण की। इस परीक्षा में उत्सव ने अकाउण्टेंसी में 99 अंक प्राप्त किये। इनका चयन देश की एक ख्यात संस्था में बी. कॉम. (ऑनर्स) के लिये हुआ है।

महिला मंडल की बैठक सम्पन्न

सौंसर (छिंदवाड़ा)। माहेश्वरी महिला संगठन की बैठक चौराई में हुई। इसमें छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, बैतुल के जिला संगठनों के पदाधिकारी शामिल हुए। अध्यक्षता मंजू चांडक ने की। बैठक में समाज को संगठित कर प्रोत्साहित करने के लिए महिला जागृति अभियान, माहेश्वरी प्रतिभा सम्मान, माहेश्वरी विशिष्ट सम्मान, निबंध प्रतियोगिता आदि कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। बैठक में मालती डांगरा, कुंजवाला काबरा, कमला राठी, संगीता राठी, रेणु चांडक, पुष्पा जेठा, मनोरमा गोदानी, सविता चांडक, सुरेखा डागा, किरण चांडक सहित कई सदस्याएं उपस्थित थीं।

परिचय सम्मेलन व सामूहिक विवाह की तैयारी

कोटा। श्री माहेश्वरी समाज कोटा का प्रकल्प मैरिज ब्यूरो प्रत्येक माह के द्वितीय रविवार को अनवरत मासिक परिचय सम्मेलन आयोजित कर रहा है तथा विवरणिका प्रकाशित कर मात्र 100 रुपए शुल्क में छह माह तक घर पहुंचा भी रहा है। मुख्य संयोजक रामस्वरूप गग्गड़ व संयोजक सत्यनारायण चांडक ने बताया कि माहेश्वरी विवाह सहयोग समिति जलगांव द्वारा आगामी 23-24 अगस्त 2015 को परिचय सम्मेलन व सामूहिक विवाह 13 फरवरी को आयोजित किया जायेगा।

With Best Compliments from

Somani
Ispat Private Limited

Ashok Somani
98490-16065

Sanjay Somani
92465-34957

Sudhir Somani
98490-24065

11-6-27/1, 2&3, Opp. IDPL Factory, Balanagar, Hyderabad-500037
Ph. : 23777078, 23778375, 23772411, Resi. 27903868
E-mail : somaniispat@sify.com, contact@somanisteel.com

Authorised Dealer of :
SAIL, VSP, JINDAL & LLOYD, JSW

HR Coll/TMT De-colling Unit & Godown at

Decolling Facility for 2-6 MTS to 25mm thick upto 2.5 mtr. width

Survey No. 76/2, Gondlapocharripally, Near Kompally, Hyderabad
Ph. : 23464041/2, Cell : 077022-66065

Branch : **Somani Ispat Pvt. Ltd.**
Plot No. 198/2, Block-D, Auto Nagar, Visakhapatnam (A.P.)-530012,
E-mail : vizag@somanisteel.com
Dinesh Gaggar (90003-04044)

ISI &ISO Approved HDG Partner Maker

Maheshwari Fasteners & Bright Pvt. Ltd.

Mahender Rathi (92468-87753)
Plot No. 152, 154, Medchal Estate-501401,
Ph. : 08418-224066, Fax : 08418-224443

Manufactured of MS & HDG Fasteners

'मानवाधिकार समाज रत्न' अवार्ड से सम्मानित होने पर

श्री शरद बागड़ी

को

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

शुभेच्छु-
- अजय गोपालदासजी बागड़ी, नरेन्द्र लाहोटी, अरुण तुलसीदासजी बागड़ी, मनोज जाजू, अतुल नबीरा.
- भारत विकास परिषद् : अनिल पतकी, विपीन वैद्य, अरुणसिंह, जयन्त देशपाण्डे, चन्द्रशेखर घुसे.
- गिरीश वझलवार (सीए), मुकुन्द पापीनवार, अमर वझलवार (सारथी), डॉ. गिरधर हेड़ा.

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

सीए **आदित्य खटोड़** (मोनू माहेश्वरी)
ने प्रथम प्रयास में ही सीए फायनल में सफलता प्राप्त करने एवं
हर्षित खटोड़ (सोनू माहेश्वरी)
ने प्रथम प्रयास में बीई (सीएस) में सफलता प्राप्त करने पर

हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य के लिए मंगलकामनाएँ

शुभेच्छु- **दादाजी : बद्रीलाल खटोड़** (कनेरा), मो. 94610-25721, **मम्मी-पापा : सौ. माया-श्रीनिवास खटोड़** (नीमच), मो. 94253-68612
अंकल-अंटी : सौ. अनिता-सचिन खटोड़ (कनेरा), **मामाजी : सुनील, मुकेश व दीपक चेचाणी** (विजयपुर)
भुआजी : अनुराधा (उदयपुर), **सौ. अर्चना-दामोदर मण्डोवरा** (रतनगढ़), **सौ. सारिका-भरत सोढ़ानी** (सूरत) एवं समस्त **खटोड़ परिवार, कनेरा**

आपकी प्रिय मासिक पत्रिका ''श्री माहेश्वरी टाईम्स'' अपनी एक दशक की शिखर यात्रा तय कर 10वीं वर्षगाँठ मना रही है। इसका श्रेय है उन समस्त पाठकों को, जिनके स्नेह ने इसे समाज की हर दिल अजीज बना दिया और आज है यह देश की शीर्ष लोकप्रिय सामाजिक पत्रिकाओं में से एक। आइये डालें एक नजर आपकी प्रिय ''श्री माहेश्वरी टाईम्स'' की इस एक दशक की यात्रा पर।

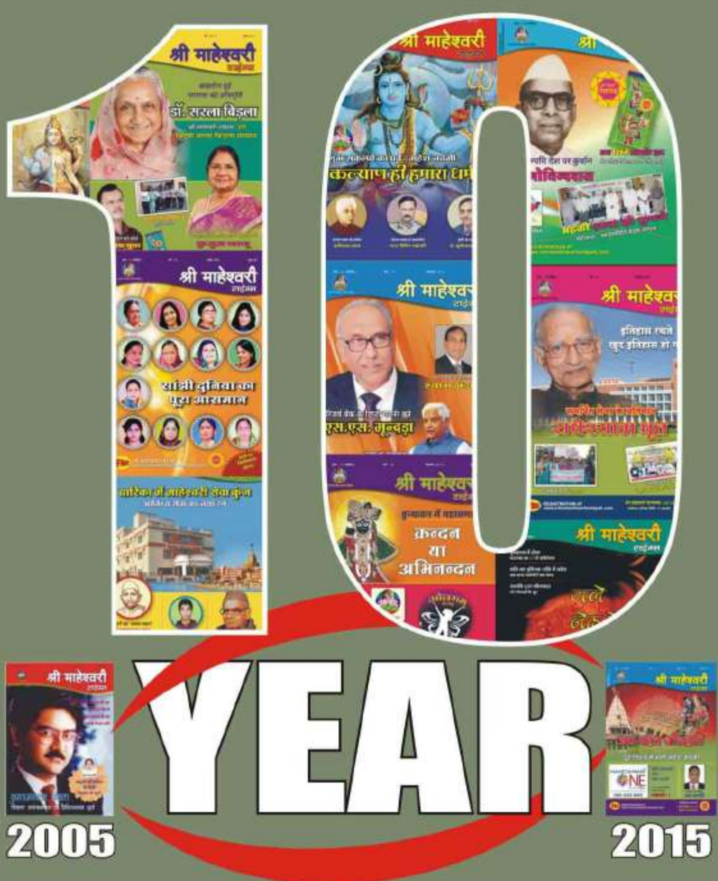

वर्तमान में ''श्री माहेश्वरी टाईम्स'' का अर्थ ही है समाज की बुलंद आवाज। यह तीन लाख से अधिक पाठकों की चहेती होकर उनकी आवाज को समाज के नेतृत्व तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनी हुई है। मात्र 10 वर्ष की अल्प अवधि में शून्य से शिखर की इस सफलता का सफर वास्तव में ऐतिहासिक ही है। देश में ऐसी बहुत कम गिनी-चुनी मासिक सामाजिक पत्रिकाऐं होगी, जिन्होंने इतने कम समय में सफलता का यह कीर्तिमान स्थापित किया गया। पत्रिका अपनी स्तरीय सामग्री व उत्कृष्ट सम्पादन को लेकर तो अपने आप में किस तरह बेजोड़ है, इसे समाज ही नहीं बल्कि देश के कई बुद्धिजीवी भी स्वीकार करते हैं। अपने आकर्षक बहुरंगी कलेवर व विशिष्ट पठनीय तथ्यपूर्ण व रोचक सामग्री ने इसे बनाया, हर दिल अजीज।

वास्तव में देखा जाए तो हर प्रजातांत्रिक व्यवस्था में मीडिया का कर्तव्य चतुर्थ स्तम्भ की भूमिका का निर्वहन करना है। इसके लिए वह यदि सही निर्णय व कार्यप्रणाली की प्रशंसा करता है, तो कमियों और गलतियों की ओर उंगली भी उठाने से भी नहीं चुकता। माहेश्वरी समाज में श्री माहेश्वरी टाईम्स ने इन आदर्शों का पूरी ईमानदारी, निष्पक्षता तथा निर्भिकता के साथ निर्वहन किया। चाहे इसके लिये धमकियाँ मिली लेकिन फिर भी श्री माहेश्वरी टाईम्स अपने कर्तव्यों से कभी विमुख नहीं हुआ।

श्री माहेश्वरी टाईम्स ने पूर्ण किया शिखर-यात्रा का एक दशक

प्रतिष्ठित प्रकाशन समूह का प्रकाशन

भगवान् श्री महाकालेश्वर की नगरी उज्जैन (म.प्र.) में प्रकाशक पुष्कर बाहेती के नेतृत्व में एक प्रख्यात प्रकाशन समूह "ऋषि-मुनि प्रकाशन" का संचालन होता है। लगभग 30 वर्षों से संचालित इस समूह ने कई ख्यात पुस्तकों का प्रकाशन किया। इसी के प्रकाशन "श्री विक्रमादित्य पंचांग" व "श्री अवंतिका पंचांग" भी अपनी लोकप्रियता से इसकी सफलता की कहानी कहते हैं। "साप्ताहिक ऋषि-मुनि" समाचार पत्र का प्रकाशन भी किया जा रहा है। " ऋषि-मुनि प्रकाशन" द्वारा ही श्री माहेश्वरी टाईम्स के प्रकाशन की शुरूआत की गई और इसे सम्पादक के रूप में नेतृत्व भी इसी समूह के प्रमुख पुष्कर बाहेती प्रदान कर रहे हैं।

ऐसे हुई थी शुरूआत

व्यावसायिक व्यस्तता और समाजजनों के देश-विदेश के विभिन्न भागों में स्थापित हो जाने से उनके बीच सम्पर्क की कमी आ गई थी। जीवंत सम्पर्क ही समाज की संस्कृति के संरक्षण के साथ-साथ, समाज को एक सूत्र में बांधने का कार्य करते हैं। इस समस्या पर "ऋषि-मुनि प्रकाशन" ने कई बुद्धिजीवियों से विचार-विमर्श किया और निष्कर्ष के रूप में ख्यात समाजसेवी स्व. श्री बंशीलाल बाहेती की प्रेरणा से समाज के सेतु के रूप में एक मासिक सामाजिक पत्रिका का प्रकाशन सामने आया। इसे अमली जामा पहनाते हुए समस्त कानूनी प्रक्रिया पूर्ण कर 5 अगस्त, 2005 को तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री बाबूलाल गौर के करकमलों से माण्डू में विमोचन के साथ "श्री माहेश्वरी टाईम्स" की शुरुआत की गई। द्वितीय अंक का अकोला में बिड़ला समूह की प्रमुख राजश्री बिड़ला के हाथों विमोचन हुआ।

लक्ष्य यही था कि देश-विदेश के कोने-कोने में बसे समाजजनों व संगठनों की गतिविधियों को सम्पूर्ण समाज के सामने लाना। इसके साथ ही समाज के विकास के लिए प्रेरक व कई ऐसी तथ्य परक जानकारियों के आलेख प्रकाशित करना, जिससे समाज का सर्वांगीण विकास हो सके। शुरुआत तो एक छोटे से पौधे की तरह हुई, लेकिन पाठकों ने ऐसा स्नेह दिया कि इसे एक वृहद वटवृक्ष बनने में समय न लगा।

कुशल मार्गदर्शकों का साथ

श्री माहेश्वरी टाईम्स का यह सौभाग्य रहा कि प्रारम्भ से ही इसे अत्यंत कुशल मार्गदर्शकों का साथ मिला। इसकी शुरूआत की नींव में दैनिक भास्कर समूह के मार्गदर्शक रहे जीवन प्रबंधन समूह के गुरु पं. विजय शंकर मेहता का मार्गदर्शन मिला कि यह हीरे की तरह तराशी जाकर निखर गई। वर्तमान में भी आप मार्गदर्शक के रूप में अपना आशीर्वाद प्रदान कर रहे हैं। इनके साथ ही सौभाग्य से दैनिक भास्कर के ही ख्यात स्तम्भकार प्रकाश बियानी का भी मार्गदर्शन मिला, जिन्होंने पाठकों की रुचि के अनुरूप स्तम्भों को संजोने में अहम् भूमिका का निर्वहन किया। प्रख्यात चित्रकार अक्षय आमेरिया ने डिजाईन कर आकर्षक स्वरूप में सजाया। इनके साथ और भी कई ऐसे प्रबुद्ध मार्गदर्शक थे, जो "श्री माहेश्वरी टाईम्स' की कल्पना को साकार करने में नींव के पत्थर बने।

ये बने सहयोगी

श्री माहेश्वरी टाईम्स के प्रकाशन की शुरूआत ऋषि-मुनि प्रकाशन के प्रकाशक पुष्कर बाहेती के कुशल संपादन व सरिता बाहेती के प्रबंध संपादन में हुई। इसे संरक्षक के रूप में पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई) व स्व. श्री मदनलाल पलौड़ (उज्जैन) जैसी हस्तियों का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। कला निदेशक के रूप में ख्यात चित्रकार अक्षय आमेरिया का साथ मिला। इसके पश्चात संरक्षक के रूप में महासभा के वर्तमान सभापति जोधराज लड्ढा (कोलकाता), बनवारीलाल जाजू (इंदौर) व नेमीचंद तोषनीवाल (कोलकाता) तथा संपादकीय सलाहकार के रूप में गोविंद मालू (इंदौर), बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा) तथा बंशीलाल भूतड़ा "किरण" (इंदौर), प्रो. शैलेन्द्र पाराशर, डॉ. नारायण तिवारी, प्रमोद मंत्री, शैलेष राठी, अशोक माहेश्वरी, पं. अखिलेश शर्मा का साथ मिला। दिनेश भूतड़ा (माहेश्वरी) व घनश्याम करनानी (कोलकाता) परामर्शदाता व एडवोकेट राजेंद्र ईनानी (बागली) विधि सलाहकार के रूप में श्री माहेश्वरी टाईम्स को अपनी सेवा दे रहे हैं।

प्रेरणा की बनी स्त्रोत

प्रारंभ से ही श्री माहेश्वरी टाईम्स द्वारा अपने स्थायी स्तम्भ शून्य से शिखर व प्रेरक व्यक्तित्व के अंतर्गत समाज की ऐसी विभूतियों के आलेख प्रकाशित किये जाते हैं, जो समाज की भावी पीढ़ियों के लिये मार्गदर्शक होते हैं। इसमें अभी तक समाजसेवा, उद्योग, व्यवसाय, चिकित्सा, शिक्षा आदि कई क्षेत्रों की शीर्ष हस्तियों की शिखर यात्रा को पाठकों के सामने रखा गया है।

समाज को आईना दिखाता इतिहास का झरोखा

श्री माहेश्वरी टाईम्स का एक स्तम्भ "इतिहास का झरोखा" समाज के स्वर्णिम इतिहास का आईना है। वर्तमान में जब युवा पीढ़ी समाज की मुख्यधारा से दूर जा रही है, ऐसे में यह स्तम्भ संपूर्ण समाज को उसके गौरवशाली अतीत से परिचित करवाता है। इसके पीछे लक्ष्य यही है कि समाजजन अपने आपको जाने और गर्व से कह सकें, "हम हैं माहेश्वरी"।

आपकी कुलदेवी आप तक

वर्तमान में व्यस्तताओं के कारण यह स्थिति हो चुकी है कि कई समाजजनों को अपनी कुलदेवी तथा उनके स्थान तक की जानकारी नहीं है। परिवार में बुजुर्ग भी नहीं रहे, जो उन्हें जानकारी दे सके। इस समस्या को देखते हुए श्री माहेश्वरी टाईम्स ने अथक प्रयासों से समाज की विभिन्न खापों की कुलदेवियों की जानकारी एकत्र की और इन्हें प्रारंभ से ही पत्रिका के सर्वप्रथम स्तम्भ के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत कुलदेवी से संबंधित खाप, मंदिर की जानकारी, कैसे पहुंचे और कहां ठहरें आदि सम्पूर्ण जानकारी उपलब्ध करवाई जाती हैं।

अपनों को अपनी मदद ''एसएमटी हेल्पलाईन''

अपने समाज सेवा के अभियान के रूप में लगभग 6 वर्ष पूर्व श्री माहेश्वरी टाईम्स ने एक अनूठे स्तम्भ ''एसएमटी हेल्पलाईन'' की शुरुआत की थी। इसके पीछे लक्ष्य यही रहा कि कोई भी ''अपना'' अर्थ की कमी से चिकित्सा, शिक्षा या रोटी आदि से दूर न रहे। इसके अंतर्गत जिन जरुरतमंदों के आवेदन प्राप्त होते हैं, उनकी जानकारी इस स्तंभ में प्रकाशित कर समाज की संस्थाओं व समर्थजनों तक जानकारी पहुंचाई जाती है, जिससे वे ''अपने अपनों'' की मदद के लिये आगे आ सके। अभी तक यह स्तम्भ समाज के कई ''अपनो को अपनों से मदद'' उपलब्ध करवा कर अंधेरे में आशा की किरण बन चुका है।

समाज के गौरव को दिलाया ''गौरव''

समाज का उत्पत्ति स्थल 'लोहार्गल' हमारे लिये किसी तीर्थ से कम नहीं है। इसके बावजूद यह उपेक्षा का शिकार होकर दयनीय स्थिति में था। कई समाजजनों को तो इसकी जानकारी तक नहीं थी। श्री माहेश्वरी टाईम्स ने इसे गौरव प्रदान करने का बीड़ा उठाया और इसके विकास के लिए जनजागरण प्रारंभ किया, जिसका नाम था, ''लोहार्गल अभियान''। इसका परिणाम यह हुआ कि आम समाजजनों में तो इसके प्रति जागृति उत्पन्न हुई ही, साथ ही ''अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन'' ने इसके पुनरुत्थान की पहल भी की। वर्तमान में स्थिति यह है कि लोहार्गल में युवा संगठन द्वारा भव्य भवन का निर्माण करवाया जा रहा है। इसके साथ ही इसे गौरव प्रदान करने के लिये भवन निर्माण समिति के प्रमुख प्रदीप बाहेती (जयपुर) ''लोहार्गल यात्रा'' का भी प्रतिवर्ष आयोजन करते हैं।

जानकारियों का खजाना

इसके अतिरिक्त संस्था परिचय में समाज की विभिन्न संस्थाओं, उनकी गतिविधियों तथा समाजहित में संचालित उनकी योजनाओं की जानकारियां प्रकाशित की जाती हैं, जिसे समाजजन इनका लाभ ले सकें, और अन्य संस्थाएं भी प्रेरित हों। इसके साथ ही वास्तु, कॅरियर, स्वास्थ्य, ज्योतिष सहित कई स्तम्भों में ऐसी तथ्यपूर्ण जानकारियां प्रकाशित की जाती हैं, जो समाज के सर्वांगीण विकास में सहयोगी हो सकें।

कड़े संघर्षों से हुई शुरूआत

आर्थिक संकट का दौर......

श्री माहेश्वरी टाईम्स के सम्पादक पुष्कर बाहेती बताते हैं कि इसकी शुरूआत अत्यंत कड़े संघर्षों से हुई। इसकी शुरूआत एक निर्धारित फण्ड से की गई थी। प्रारम्भ में विज्ञापन भी गिने-चुने थे, जिनसे खर्च नहीं पूरा होता नहीं था। ऐसे में कई लोगों ने कयास लगाये कि यह 2-3 महिने में बंद हो जाऐगी। लेकिन हमारा दृढ़ संकल्प था कि हम उद्देश्य में खरे उतरेंगे। वास्तव में 2-3 महिने में पत्रिका पर आर्थिक संकट भी गहरा गया। ऐसे में हमने अपनी मशीनों से प्रिन्टिंग जॉब वर्क कर खर्च निकाला। लेकिन किसी भी स्थिति में स्तर से समझौता नही किया। वर्तमान में तो विज्ञापनदाताओं का आर्थिक सहयोग प्राप्त हो रहा है। हम उन सभी के आभारी हैं।

ईश्वर बना सहयोगी

प्रारम्भ में सबसे बड़ी समस्या मैटर के संग्रह को लेकर भी आती थी। हम प्रथम अंक से ही स्तम्भ ''कुलदेवी'' के अन्तर्गत समाज की विभिन्न खांपों की कुलदेवियों की जानकारी प्रकाशित करते आ रहे हैं। इसे प्राप्त करने में कितनी परेशानी आती थी, इसकी कल्पना भी नहीं की सकती। पत्रिका के तृतीय अंक के लिये ''कुलदेवी'' का आर्टिकल तैयार नहीं था और जानकारी भी नहीं थी। हमें आशा थी कि एक सज्जन से आशापुरा माताजी की जानकारी प्राप्त हो जाऐगी। यह एक पावन कार्य होने के बावजूद वे सज्जन कई दिनों तक टालते रहे और पत्रिका प्रकाशन का समय भी आ गया। हमारी चिंता चरम पर थी। मैंने पुनः उनसे विनती करने के लिये फोन लगाया। डायल करने में एक नम्बर गलत लग गया। सामने वाले सज्जन तो कोई और थे लेकिन सामने से उत्तर मिला मैं आशापुरा माता मंदिर से ही बोल रहा हूँ और मैं आपको फोटो सहित पूरी जानकारी दूँगा। मेरे लिये यह किसी करिश्मे से कम नहीं था। तत्काल जानकारी मिली और अंक तैयार हो गया। ठीक इसी तरह ईश्वर न जाने किस-किस विषम स्थिति में सहयोगी बने और ''श्री माहेश्वरी टाईम्स'' का यह सफर चलता रहा अनवरत।

'शिखर' के सम्मान का आयाम ....

माहेश्वरी संस्कृति को समर्पित

'श्री माहेश्वरी टाईम्स' की शुरूआत ही माहेश्वरी संस्कृति व उसके आदर्शों के संरक्षण के मूल उद्देश्यों को लेकर हुई है। अतः इसके लिये विशेषांकों के प्रकाशन की शृखंला में सर्वप्रथम ''महेश नवमी विशेषांक'' के प्रकाशन की शुरूआत की गई। अंक की लोकप्रियता के पश्चात् विभिन्न पर्व जैसे दीपावली, होली, तीज, त्योहार आदि की भी शुरूआत होती गई।

अब विदुषी सरला बिड़ला सम्मान की शुरूआत

समाज की शीर्ष लोकप्रिय पत्रिका ''श्री माहेश्वरी टाईम्स'' आगामी वर्ष से समाज की विशिष्ट महिलाओं को 'विदुषी सरला बिड़ला सम्मान' से नवाजेगी। इनका चयन राष्ट्र स्तरीय समिति करेगी। स्व. श्रीमती सरला बिड़ला समाज की एक ऐसी विदुषी नारी थीं, जिनका डी.लिट्. की मानद उपाधि से सम्मान कर मोहनलाल सुखाड़िया युनिवर्सिटी, उदयपुर गौरवान्वित हुई थीं। चीन अकादमी ताइवान द्वारा भी श्रीमती बिड़ला को देश के सर्वश्रेष्ठ 'शिक्षाविद्' सम्मान से सम्मानित किया गया था। इसके अतिरिक्त कई अन्य राष्ट्रीय व अन्तराष्ट्रीय संस्थाओं ने भी स्व. श्रीमती बिड़ला का विभिन्न शीर्ष उपाधियों से सम्मान किया था। स्व. श्रीमती बिड़ला को शृद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी पुण्य स्मृति में आगामी वर्ष से अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर समाज की शीर्ष महिलाओं को ''श्री माहेश्वरी टाईम्स'' द्वारा ''विदुषी सरला बिड़ला सम्मान'' से सम्मानित करने का निर्णय किया गया है। इसके लिये समाज के प्रबुद्धजनों की एक राष्ट्र स्तरीय समिति बनाई जाऐगी, जो इसके लिये निष्पक्षता से चयन करेगी।

नारी शक्ति को भी नमन

विश्व महिला दिवस के अवसर पर समाज की नारी शक्ति को समर्पित ''महिला विशेषांक'' का प्रकाशन किया जाता है। इसके माध्यम से समाज की विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दे रही महिलाओं के व्यक्तित्व का प्रकाशन किया जाता है। इसका उद्देश्य उन्हें सम्मान देना तो है ही, साथ ही समाज की दूसरी महिलाओं को भी प्रेरणा प्रदान करना है। इसमें अभी तक समाज की ऐसी सैकड़ों महिलाओं के व्यक्तित्व का प्रकाशन किया जा चुका है।

सहयोगी आयाम

'श्री माहेश्वरी मेलापक'

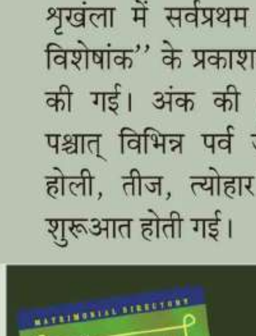

समाजसेवा के अपने अभियान की शृंखला में श्री माहेश्वरी टाईम्स द्वारा 4 वर्ष पूर्व समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों की जानकारी से युक्त वैवाहिक डायरेक्ट्री ''श्री माहेश्वरी मेलापक'' का प्रकाशन प्रारम्भ किया गया। प्रारम्भ में इसका प्रकाशन वार्षिक था, जो समाजजनों की मांग पर अब अर्द्धवार्षिक रूप में वर्ष में दो बार हो रहा है। इसमें एक अभिनव पहल के रूप में समाज की बेटियों के लिये स्नेह स्वरूप संचालित है, योजना ''आपकी बेटी हमारी बेटी''। इसके अंतर्गत बेटियों के बॉयोडाटा का नि:शुल्क प्रकाशन किया जाता है।

माहेश्वरी ऑफ द ईयर अवार्ड

श्री माहेश्वरी टाईम्स का लक्ष्य है, समाज की ऐसी शीर्ष विभूतियों का सम्मान करना जो समाज को गौरवान्वित कर रहे हैं, और जिनका व्यक्तित्व समाज के लिये प्रेरक हो सके। इसके लिये अपने गौरवशाली सहकार के अन्तर्गत प्रतिवर्ष प्रदान किया जाता है, "माहेश्वरी ऑफ द ईयर अवार्ड"। इसमें सेवा के विभिन्न क्षेत्रों की विभूतियों में से शीर्ष विभूति का चयन किया जाता है। प्रारंभ से यह अवार्ड समाज की केवल एक विभूति को ही प्रदान किया जाता था। प्रबुद्धजनों की सलाह से इसमें वर्ष 2013 के "माहेश्वरी ऑफ द ईयर अवार्ड" से परिवर्तन किया गया और यह दिया जाने लगा एक से अधिक हस्तियों को। अभी तक देश की कई शीर्ष हस्तियों को श्री माहेश्वरी टाईम्स द्वारा इस सम्मान से नवाजा जा चुका है।

वरिष्ठों का भी सम्मान

वरिष्ठजन समाज की अनमोल धरोहर होते हैं। उनके दीर्घ जीवन का अनुभव जीवन की विषमताओं में दीपक की तरह मार्गदर्शित करता है। अतः श्री माहेश्वरी टाईम्स ने अपने अभिनव प्रयास के अन्तर्गत गत कुछ वर्षो से प्रतिवर्ष "वरिष्ठजन विशेषांक" के प्रकाशन की शुरूआत की गई। इसमें अभी तक ऐसे कई वरिष्ठों के परिचय का प्रकाशन हो चुका है, जिनका व्यक्तित्व युवा पीढ़ी के लिये मार्गदर्शक हो सकता है। इनमें से कई वरिष्ठजन अपनी वयोवृद्धावस्था के बावजूद भी सतत् गतिशील रहकर अपनी सेवाओं से सम्पूर्ण समाज के लिये आदर्श बने हुए हैं।

ये भी रहे शिखर यात्रा के साथी

श्री माहेश्वरी टाईम्स के देश-विदेश में 200 से अधिक प्रतिनिधि हैं। इनमें से कुछ प्रमुख प्रतिनिधियों का सहयोग आवश्यक है। इसमें शंकर सोनी-भीलवाड़ा, जगदीश सुदा-अमरावती, स्व. श्री सतीश सुदा-अमरावती, रामनिवास झंवर-उज्जैन, राजेंद्र काबरा-ब्यावर (राज.), प्रमोद माहेश्वरी-भटिण्डा, प्रहलाद मंडोवरा-रतलाम, सी.एम. सारड़ा-जयपुर, अचलदास डांगरा-जैसलमेर, अम्बरीश जाखोटिया-कासगंज, मनीष लड्ढा-सूरत, राधेश्याम राठी-सांवनेर (महाराष्ट्र), लक्ष्मीनारायण काकाणी-हैदराबाद, शीला सोमानी-अहमदाबाद, धर्मेन्द्र लोहिया-जामनगर, ममता मूंदड़ा-अमरावती, मुरलीधर गट्टानी-उदयपुर, प्रदीप मंत्री-किशनगंज, देवकिशन बाहेती-अकोला आदि प्रमुख हैं। लेखक के रूप में हरिप्रकाश राठी-जोधपुर, ख्यात कवि हेमन्त श्रीमाल, स्वाति जैसलमेरिया- जोधपुर, पं. महेश शर्मा-जयपुर, पं. विनोद रावल-उज्जैन आदि के साथ ही ख्यात कार्टुनिस्ट देवेन्द्र शर्मा का भी विशिष्ट योगदान रहा है। जिनके सक्रिय व समर्पित सहयोग ने पत्रिका को सम्बल दिया।

अब 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' भी होगी ऑनलाइन

इस डिजिटल युग में आपकी 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' भी डिजिटल रूप में ऑनलाइन उपलब्ध होगी। अतः दुनिया के किसी भी कोने में बसे समाजजन मात्र एक "क्लिक" पर पहुँचेंगे, 'श्री माहेश्वरी टाईम्स' तक। इसके साथ ही वैवाहिक डायरेक्ट्री 'श्री माहेश्वरी मेलापक' को भी ऑनलाइन किया जा रहा है। शीघ्र ही ये दोनों डिजिटल रूप में ऑनलाइन होंगी पाठकों के सामने।

अब माहेश्वरी टाईम्स बनेगी आपके अनुरूप

आपको यह जानकर हर्ष होगा कि आप सभी के स्नेह व प्रोत्साहन से "श्री माहेश्वरी टाईम्स" अपने सफल 10 वर्ष पूर्ण कर चुकी है। आपके द्वारा प्रदान किये गये इस सम्बल के हम आभारी है। अब इस दसवीं वर्षगांठ के अवसर पर हम आपकी "श्री माहेश्वरी टाईम्स" को देना चाहते हैं, एक नया "लुक"। इस नये "लुक" को तय करेंगे आप।

इसके लिये समस्त प्रबुद्ध पाठकों से सुझाव आमंत्रित हैं। अनुरोध है कि वर्तमान में श्री माहेश्वरी टाईम्स कैसी लग रही है, यह व्यक्त करते हुए इसमें किये जाने योग्य परिवर्तनों के सुझाव प्रदान कर हमें मार्गदर्शित करेंगे। इससे हम "श्री माहेश्वरी टाईम्स" को कर सकेंगे और भी बेहतर। हमें इंतजार है, आपके बेशकीमती सुझावों का जिससे हम बना सकें "श्री माहेश्वरी टाईम्स को आपके अनुरूप।

हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएँ

बाबूजी पद्मश्री बंशीलालजी राठी (चैन्नई)

पूर्व सभापति, अ.भा. माहेश्वरी महासभा
के जन्म दिवस (14 अगस्त) के अवसर पर
भगवान् श्री महाकालेश्वर से उत्तम स्वास्थ्य एवं शतायु होने की मंगलकामना.

श्री महाकाल महेश सेवा ट्रस्ट परिवार,
उज्जैन (म.प्र.)

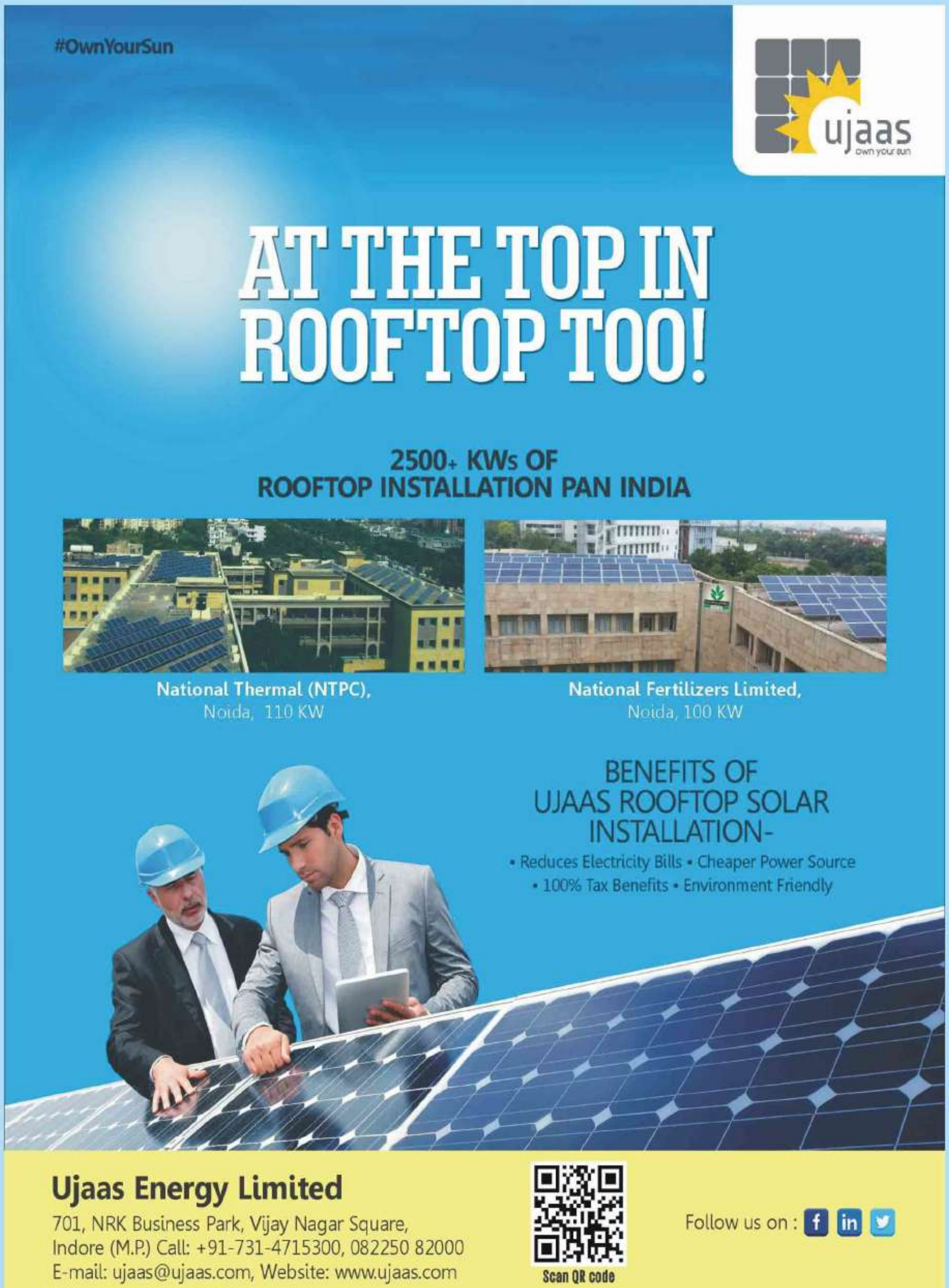
#OwnYourSun
ujaas
own your sun
AT THE TOP IN ROOFTOP TOO!
2500+ KWs OF ROOFTOP INSTALLATION PAN INDIA
National Thermal (NTPC), Noida, 110 KW
National Fertilizers Limited, Noida, 100 KW
BENEFITS OF UJAAS ROOFTOP SOLAR INSTALLATION-
• Reduces Electricity Bills • Cheaper Power Source
• 100% Tax Benefits • Environment Friendly
Ujaas Energy Limited
701, NRK Business Park, Vijay Nagar Square,
Indore (M.P.) Call: +91-731-4715300, 082250 82000
E-mail: ujaas@ujaas.com, Website: www.ujaas.com
Scan QR code
Follow us on :

संकल्प वह शक्तिपुंज है, जिसके सामने कोई बाधा नहीं टिकती। इसी के जीवंत आदर्श हैं, भारत सरकार से पद्मश्री सम्मान से सम्मानित चैन्नई निवासी प्रख्यात समाजसेवी महासभा के पूर्व सभापति बंशीलाल राठी। आगामी 14 अगस्त को उम्र के 82 वर्ष पूर्ण कर चुके हैं, अस्वस्थता भी ऐसी की अक्सर व्हील चेयर का ही सहारा लेना पड़ता है, लेकिन जज्बा है श्री आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केंद्र को आकाश की ऊँचाई देने का और वे इसमें हमेशा उम्मीद से भी अधिक ही खरे उतरे हैं।

संकल्पों के महापुरुष
पद्मश्री बंशीलाल राठी

पद्मश्री बंशीलाल राठी समाजसेवा के क्षितिज पर चमकता हुआ एक ऐसा नाम है, जिनसे न सिर्फ देश बल्कि लगभग संपूर्ण विश्व के माहेश्वरी अच्छी तरह परिचित हैं। समाज का शायद ही ऐसा कोई समाज सेवी हो जो उनके समाजसेवा के जज्बे के प्रति नतमस्तक न हो। उम्र के 82 पड़ाव पार कर चुके होने पर भी उनका जज्बा किसी युवा से भी 100 कदम आगे है। उनके पास यदि किसी भी संगठन के पदाधिकारी किसी मदद के लिये पहुंचते हैं, तो उनकी वह मदद करने में उन्हें मात्र चंद घंटे लगते हैं। जबकि वे लोग सभी मिलकर भी प्रयास करें तो उसे करने में महीनों लग जाएँ। बस, यह दृढ़ संकल्प और जज्बे का अंतर होता है।

समाज के विकास का सपना

वर्तमान में श्री आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केंद्र समाज के आर्थिक विकास की धुरी बन चुका है। इसकी स्थापना श्री राठी के अ.भा. माहेश्वरी महासभा के सभापतित्वकाल में वर्ष 1997 में हुई थी। इसके पश्चात यह बिड़ला उद्योग समूह की चेयरपर्सन राजश्री बिड़ला की अध्यक्षता में सतत रूप से कार्य कर रहा है। प्रारंभ से ही श्रीमती बिड़ला ने श्री राठी को इस संस्था का नेतृत्व कार्याध्यक्ष के रूप में सौंप दिया था। तब से ही इसे शून्य से शिखर की ऊंचाई देने में श्री राठी के नेतृत्व का बहुत बड़ा योगदान है। इसे उनका जज्बा ही कहा जाए कि इस वर्ष के लिये संस्था द्वारा 2.5 करोड़ रुपए के कोष संग्रहण का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन श्री राठी ने व्यक्तिगत स्तर पर इसे इससे भी आगे 3.5 करोड़ पर पहुंचाने का संकल्प लिया है। बढ़ती उम्र की परेशानी व अस्वस्थता के बावजूद हर किसी को विश्वास है कि बाबूजी श्री राठी अपने इस लक्ष्य को अवश्य ही पूरा कर लेंगे, क्योंकि उन्होंने कभी असफलता देखी ही नहीं।

जीवेत् शरदः शतम् ।

श्रद्धेय पद्मश्री बंशीलाल राठी

को जन्म दिवस (१४ अगस्त) की
हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाऐं
एवं
इनके मंगलमय दीर्घायुष्य की कामना।

श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार

एक अद्भुत प्रेरक व्यक्तित्व

14 अगस्त 1933 को नागौर (राजस्थान) के खींवसर ग्राम में सेठ श्री गंगाधर राठी के यहां जन्मे बंशीलाल राठी वास्तव में एक अद्भुत व्यक्तित्व हैं। मात्र प्रायमरी स्तर तक शिक्षा ग्रहण करने के बावजूद उन्होंने शून्य से अपने व्यवसाय की शुरूआत की और आज शिखर की ऊँचाई पर हैं। वर्तमान में स्टील फायनेंस, एक्सपोर्ट आदि कई व्यवसाय व उद्योगों का संचालन कर रहे हैं। समाजसेवा के अंतर्गत अ.भा. माहेश्वरी महासभा के सभापति जैसे शीर्ष पद की जिम्मेदारी भी निभाई। समाज की कई संस्थाओं व ट्रस्टों के लिये तो आप जीवनदाता ही रहे। जाजू ट्रस्ट के कायाकल्प व रामगोपाल माहेश्वरी ट्रस्ट के विकास के मूल में आपका अभूतपूर्व योगदान है। उन्होंने समाज को राह दिखाई कि सिर्फ संस्था बना कर छोड़ देना तो वैसा ही है, जैसे पौधा रोपकर उसे प्यासा छोड़ देना,उसकी देखरेख कर उसे बड़ा करना भी हमारा कर्त्तव्य होता है। ऐसी अनगिनत संस्थाएं हैं, जिनमें प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से बाबूजी सहयोगी बने हुए हैं।

सभी माहेश्वरी बन्धुओं को
महेश नवमी पर्व की
हार्दिक मंगलकामनाएँ एवं बधाई

आर.डी. बाहेती
प्रदीप बाहेती

With Best Compliments From...

R.D. Baheti **RDB GROUP** Pradeep Baheti

RDB GROUP

HOTEL ★★★
RDB PALACE 3 Star Facility
SD-4 A, Kabir Marg, Bani Park, Jaipur-16. Ph. 2208536/7

TATA
RDB Highway Services (P) Ltd.
Telco Authorised Service Station
25 km. N.H. 8, Hardhyanpura Bagru, Jaipur

RDB LAND DEVELOPERS (P) LTD.
Group Housing, Commercial, Residential Plot & Flats
RDB House, KE-9, Kabir Marg, Bani Park, Jaipur-16

HP **Petrol Pumps At:**
• Amer Road, Jaipur # 2635796
• 25 km. N.H. 8, Bagru, Jaipur # 2865196
• Surya Nagar, Tonk Road, Jaipur # 2722970

Regd. Off. : RDB House, KE-9, Kabir Marg, Bani Park, Jaipur - 302016. Ph. No. 2201249, 2202664, 2202798, 2203678, 2206435 • Fax : 0141-2203630, 2207537
E-mail : rdbjpr@datainfosys.net, rdbcars@sify.com • Work Shop : RDB Auto Complex, Bagru N.H. 8, Jaipur. Ph. 2865222, 2865244

Volkswagen. Das Auto.

Volkswagen Ajmer
36, Near Fire Station, Opp. Birla City Water Park, NH - 8, Sanderiya, Ajmer - 305001
Phone: 0145 - 2695186 • Fax: 0145 - 2695286 • Mobile: 9782880000 • Email: sales@vw-rdbcars.co.in

Grand Nissan
70/1, Basni Baghela, NH-65, Pali Road, Jodhpur - 342005.
Tel.: 0291-2729888, 9782001750
E-mail : sales@grandnissan.co.in

• Ashok Baheti • Sanjay Baheti • Aditya Baheti • Arjun Baheti • Aayush Baheti

अंतर्राष्ट्रीय सेवा संस्था लायंस में कोटा के समाजसेवी बी. विशाल माहेश्वरी डिस्ट्रीक्ट 323 ई-2 गवर्नर (प्रांतपाल) चुने गये हैं। अब उनके नेतृत्व में क्षेत्र में 10 सूत्रीय गतिविधि के साथ विभिन्न सहयोगी क्लबों की स्थापना भी होगी।

''सेवा करेंगे करुणा से...।''

श्री माहेश्वरी के नेतृत्व में प्रांत 323 ई-2 की प्रथम केबिनेट सभा एवं पद स्थापना समारोह गत 19 जुलाई को आहुत की गई। इस सभा में प्रांत द्वारा सत्र पर्यन्त सेवा एवं प्रशासनिक कार्यों के लक्ष्य निर्धारित किये गये तथा 1 जुलाई से अब तक किये गये सेवा कार्यों की समीक्षा की गई। इसमें श्री माहेश्वरी की कार्य योजना से सभी केबिनेट सदस्यों को अवगत कराया गया तथा सेवा कार्यों के नये आयाम स्थापित करने का संकल्प दोहराया गया। सदन ने सम्पादित कार्यों की प्रशंसा की तथा प्रस्तुत प्रस्ताव को ध्वनिमत से पारित किया। सम्माननीय प्रान्तपाल ने सदन को सत्र 2015-2016 में अर्गीकृत दस सूत्रीय सेवा कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की तथा रीजन चेयरपर्सन एवं जोन चेयर पर्सन से समर्पित भाव से जुट जाने का आह्वान किया।

डिस्ट्रीक्ट 323 ई-2 के गवर्नर बने

MJF लायन बी. विशाल माहेश्वरी

एक परिचय : प्रांतपाल बी. विशाल माहेश्वरी

प्रतिष्ठित व्यवसायी दुर्गालाल माहेश्वरी व समाजसेवी कौशल्या देवी माहेश्वरी के यहां 11 जुलाई 1957 को जन्में बी.व्ही. माहेश्वरी व्यवसाय से चार्टर्डअकाउंटेंट है। आपने बी.कॉम व एफसीए (चार्टर्डअकाउंटेंट) की परीक्षाऐं उत्तीर्ण की है। वर्ष 1982 में आशा माहेश्वरी के साथ परिणय सूत्र में बंध गये। वर्तमान में आपके परिवार में दो पुत्र- ज्येष्ठ पुत्र अनीश बी.कॉम., एफ.सी.ए., डी.आई.एस.ए. व सी.ओ.एन.सी. तक शिक्षित तथा कनिष्ठ पुत्र अनुज आईआईटी मुंबई से बी.टेक हैं। पुत्रवधू श्वेता टेक्सटाइल डिजाइनर एवं रोहिता फैशन डिजाइनर हैं। परिवार में 5 वर्षीय पौत्री अनिका भी है।

क्या है दस सूत्रीय कार्यक्रम

श्री माहेश्वरी ने अपने कार्यकाल के लिए ध्येय वाक्य दिया है, ''सेवा करेंगे करुणा से...।'' इसके लिए 10 सूत्रीय कार्यक्रम तय हैं। इन दस सूत्रीय सेवा गतिविधियों में स्वच्छ सुंदर एवं सुव्यवस्थित शहर, रक्तदान करें और करवाऐं, चिकित्सा का स्वास्थ्य सुविधाऐं, सेवा हेतु, स्थाई निर्माण एवं स्थाई सेवा, जागृति शिक्षा एवं महिला सशक्तिकरण, नेत्रदान व देहदान, सेवा का एक प्रमुख प्रोजेक्ट, हर हाथ सेवा में साथ, लायंस क्वेस्ट के साथ बच्चों को दिशा और नवयुवकों को अवसर तथा प्रत्येक जरूरतमंद को सहायता (विशेष रूप से गौ सेवा) शामिल है। मोदीजी के राष्ट्रीय कार्यक्रम ''क्लीन एण्ड ग्रीन सिटी'' तथा 100 शौचालय बनाने का संकल्प लिया। उक्त जानकारी देते हुए प्रान्तपाल श्री माहेश्वरी ने बताया कि वर्तमान में प्रांत में 131 क्लब है। 40 लायनेस व 10 लियो क्लब कार्यरत हैं। वर्तमान में 300 नये सदस्य बनाये जा चुके हैं और 8 नये क्लब खोले गये हैं। सभी क्लबों को 13 रीजन तथा 40 जोन में बांटा गया है। बैठक में प्रांतपाल श्री माहेश्वरी ने सदस्यों को होनोलूलू में आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय अधिवेशन की जानकारी भी दी।

होनोलूलू अमेरिका में आयोजित शपथ समारोह

30 वर्षों से लायंस को समर्पित

श्री माहेश्वरी वर्ष 1985 में लायंस क्लब कोटा से सम्बद्ध हुए। वर्ष 2001-02 में क्लब अध्यक्ष, 1993-94 में डिस्ट्रिक्ट केबिनेट ट्रेजरर, वर्ष 2013 से 15 तक दो बार क्रमशः VDG-2, तथा VDG-1 रहे। अपने इस दीर्घकालीन सेवा के दौरान कई बार डिस्ट्रिक्ट केबिनेट सदस्य रहे। सेवाओं के लिये उन्हें अभी तक लायंस ऑफ द ईयर से वर्ष 2001-02 में सम्मानित किया गया। वर्ष 2006-07 में मुंबई में वर्ष 2013 ISSAME में तथा हेमबर्ग (जर्मनी) में आयोजित इंटरनेशनल कन्वेंशन में भी भाग लिया।

व्यवसाय में भी शिखर पुरुष

श्री माहेश्वरी कोटा में आपने चार्टर्ड अकाउंटेंट के ऑफिस के साथ ही झालावाड़, बूंदी व जयपुर में ऑफिस का संचालन कर रहे हैं। इसके साथ ही आप वेयर हाउस, स्टोरेज, होस्टल्स, ऑटो मोबाइल्स, बिल्डर्स, डिवलपर्स व कृषि आदि व्यवसायों का भी कोटा, बारां, बूंदी, हिंडोली व जयपुर में सफलतापूर्वक संचालन कर रहे हैं। आईसीएआई कोटा व टैक्स बार एसोसिएशन कोटा के सचिव तथा ऑल इंडिया टैक्स प्रेक्टिशनर्स आदि कई प्रतिष्ठित संगठनों को भी महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवा दे रहे हैं। माहेश्वरी समाज व माहेश्वरी पब्लिक स्कूल कोटा को अध्यक्ष के रूप में अपनी तमाम व्यस्तताओं के बावजूद सेवा दे रहे हैं।

परिवार के साथ श्री माहेश्वरी

धर्मपत्नी भी सेवापथ की साथी

श्री माहेश्वरी की धर्मपत्नी आशा माहेश्वरी भी समाज सेवा से सतत सम्बद्ध है। उनका इस क्षेत्र में विशेष रूझान माहेश्वरी समाज है। सन् 1993 में माहेश्वरी महिला मंडल कोटा की सदस्या बनीं, उसी वर्ष उन्हें उनकी सक्रियता के लिये कार्यसमिति में लिया गया। वर्ष 1995-97 में माहेश्वरी महिला मंडल कोटा की सहसचिव, 1997-99 में सचिव, 1999-2001 में अध्यक्ष माहेश्वरी महिला मंडल कोटा, 2002-2005 में राजस्थान प्रदेश महिला संगठन की सचिव व वर्ष 2005- 2009 तक प्रदेश अध्यक्ष रही। कोटा का आनन्द मेला स्थानीय संगठन में श्रीमती माहेश्वरी के कार्यकाल से ही शुरू हुआ था। यह आज संस्था का मुख्य कार्यक्रम एवं आय का जरिया भी है। इसके अलावा बाल संस्कार शिविर, महिला स्वाध्याय शिविर, आजादी बचाओ आन्दोलन, हार्ट चैक अप कैम्प, गरीब बस्तियों में मेडिकल केम्प लगाये गये। राष्ट्रीय कार्यक्रमों में भी आपने उपलब्धियां हासिल की। उनके कार्यकाल में आयोजित 2 बड़े राष्ट्रीय कार्यक्रम **आपणी** धारा-2007, एवं उदयपुर का राष्ट्रीय अधिवेशन शिखर की ओर सृजन -2008, सिंगापुर, मलेशिया एवं चीन हांगकांग की विदेश यात्राओं में भी राजस्थान प्रदेश से सबसे ज्यादा जोड़ों ने भाग लिया। आपको राष्ट्रीय स्तर पर माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा 'बेस्ट प्रेसीडेंट' एवं 'बेस्ट सेक्रेटरी' का अवार्ड से सम्मानित किया गया। वर्तमान में आप अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन को उपाध्यक्ष के रूप में सेवा दे रही हैं। लायंस क्लब में भी आपका सतत योगदान है।

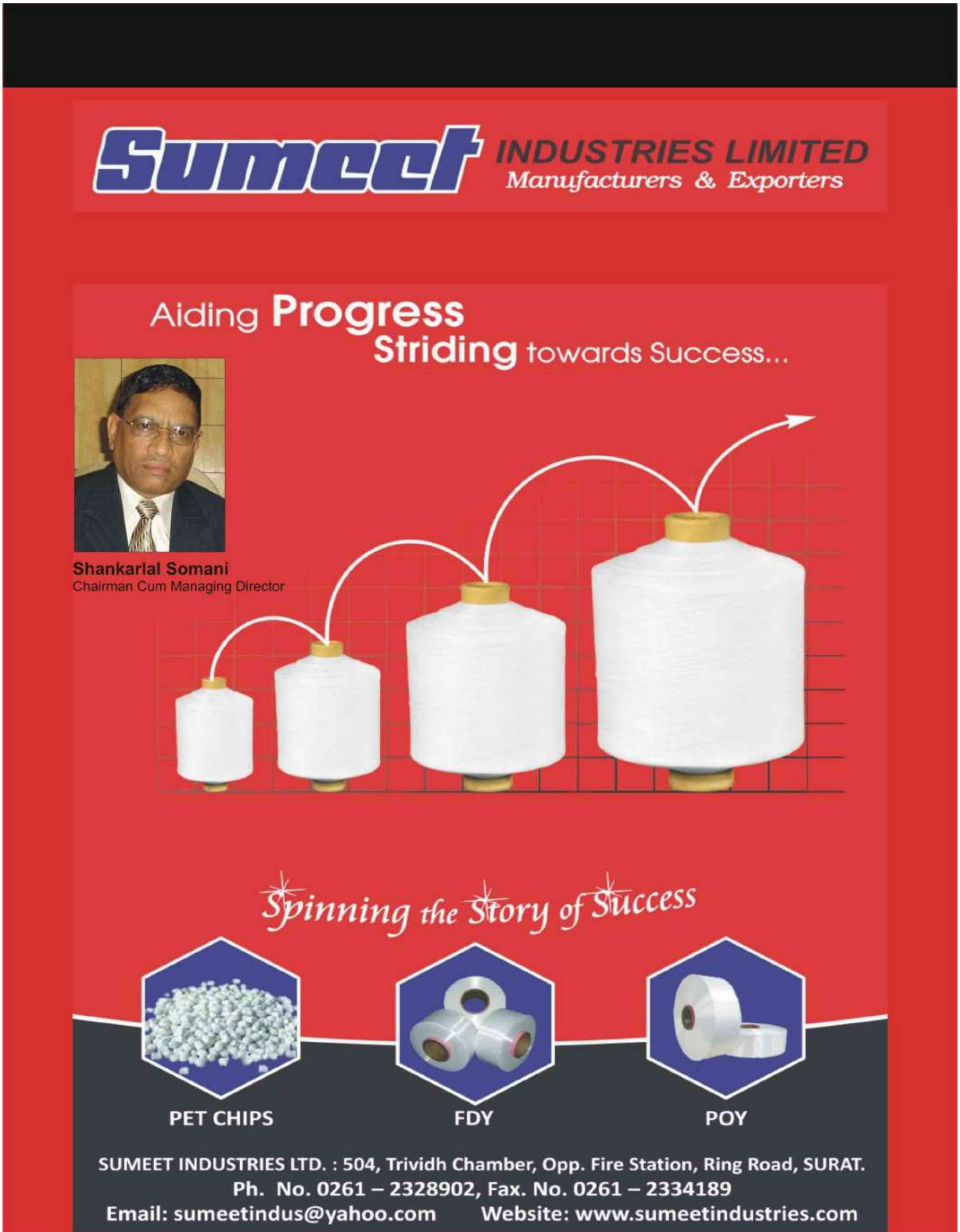
Sumeet INDUSTRIES LIMITED
Manufacturers & Exporters
Aiding Progress
Striding towards Success...
Shankarlal Somani
Chairman Cum Managing Director
Spinning the Story of Success
PET CHIPS
FDY
POY
SUMEET INDUSTRIES LTD. : 504, Trividh Chamber, Opp. Fire Station, Ring Road, SURAT.
Ph. No. 0261 – 2328902, Fax. No. 0261 – 2334189
Email: sumeetindus@yahoo.com
Website: www.sumeetindustries.com

घर से दूर... घर का एहसास

भगवान् श्री महाकालेश्वर की नगरी उज्जैन (म.प्र.) में

होटल माहेश्वरी एवेन्यू

■ 28-ए सी सुपर डिलक्स रूम ■ कॉन्फ्रेंस हॉल ■ रेस्टोरेंट सुविधा उपलब्ध

उपलब्ध सुविधाएँ

- 28 कमरे सुसज्जित फर्नीचर सहित.
- गरम एवं ठण्डे पानी की सुविधा.
- सभी कमरों में सेटेलाइट केबल नेटवर्क.
- शुद्ध शाकाहारी भोजन रूम पार्सल सुविधा.
- डॉक्टर, कार, टेक्सी, टिकिट आदि सुविधा.
- लॉण्ड्री सर्विस एवं नाश्ता व खाना पार्सल सुविधा.
- 24 घण्टे सुविधायुक्त रूम सर्विस.
- टेलीफोन एवं रिमोट सहित एलसीडी टीवी सहित लॉकर्स सुविधा.
- पार्किंग के लिए उचित व्यवस्था.
- होटल द्वारा स्टेशन एवं इन्दौर एयरपोर्ट से पिकअप की व्यवस्था.

श्री महाकालेश्वर मन्दिर के सामने, उज्जैन (म.प्र.)

दूरभाष : 0734-2557774, मोबाइल : 98272 74745, 89892 21605-606-607

E-mail : **hotelmaheshwariavenue@gmail.com** Visit us : **www.hotelmaheshwariavenue.com**

अवंतिका के महाकालेश्वर 12 ज्योर्तिलिंग में से एक हैं। सम्पूर्ण उज्जैन नगर (अवंतिका) का ये राजा के रूप में पालन करते हैं। धार्मिक मान्यता है कि महाकालेश्वर ज्योर्तिलिंग के दर्शन मात्र से अकाल मृत्यु तो पास भी नहीं फटकती।

कालों के काल हैं भूतभावन भगवान् महाकालेश्वर

मध्यप्रदेश के उज्जैन नगर (प्राचीन अवंतिका) में स्थित है, भूतभावन भगवान महाकालेश्वर का मंदिर । भारत के बारह ज्योतिर्लिंगों में महाकाल की प्रमुख रूप से प्रतिष्ठा है। सौराष्ट्र में सोमनाथ, श्रीशैल पर मल्लिकार्जुन, उज्जैन में महाकाल, डाकिनी में भीमशंकर, परली में वैद्यनाथ, ओंकार में ममलेश्वर, सेतुबन्ध पर रामेश्वर, दारूकावन में नागेश, वाराणसी में विश्वनाथ, गोमती के तट पर त्रयम्बक, हिमालय पर केदार और शिवालय में घृष्णेश्वर। भगवान महाकालेश्वर को अपमृत्यु जैसे दुर्योगों का नाशक माना जाता है। आम मान्यता है-

अकाल मृत्यु वो मरे जो काम करे चाण्डाल का।
काल उसका क्या करे, जो भक्त हो महाकाल का।

आदिकालीन है मंदिर

उज्जयिनी का महाकालेश्वर मन्दिर सर्वप्रथम कब निर्मित हुआ था, यह कहना कठिन है। निश्चित ही यह धर्मस्थल प्रागैतिहासिक देन है। पुराणों में संदर्भ आये हैं कि इसकी स्थापना प्रजापति ब्रह्माजी के द्वारा की गई थी। हमें संदर्भ प्राप्त होते हैं कि छठी सदी में उज्जैन के एक वीर शासक चण्डप्रद्योत ने महाकालेश्वर परिसर की व्यवस्था के लिये अपने पुत्र कुमार सेन को नियुक्त किया था। उज्जयिनी के चौथी-तीसरी सदी ई.पू. के कतिपय प्राप्त सिक्कों पर महाकाल की प्रतिमा का अंकन हुआ है। अनेक प्राचीन काव्य ग्रंथों में महाकालेश्वर मन्दिर का उल्लेख आया है। चाहे बाण हो या पद्मगुप्त, राजशेखर हो अथवा श्री हर्ष अथवा तुलसीदास सभी ने इनका वर्णन किया। बाणभट्ट के प्रमाण से ज्ञात होता है कि महात्मा बुद्ध के समकालीन उज्जैन के राजा प्रद्योत के समय महाकाल का मन्दिर विद्यमान था। कालिदास के द्वारा भी मन्दिर का उल्लेख किया गया। पंचतंत्र, कथासरित्सागर, आदि से भी इस मन्दिर की पुष्टि होती है। समय-समय पर इस मन्दिर का जीर्णोद्धार होता रहा होगा, क्योंकि इस परिसर से ईसवी पूर्व द्वितीय शताब्दी के भी अवशेष प्राप्त होते हैं।

इतिहास में महाकालेश्वर मंदिर

गुप्त काल में तो इसका उल्लेख है ही, इस के उपरांत अनेक राजवंशों ने उज्जयिनी की धरती का स्पर्श किया। इन राजनीतिक शक्तियों में उत्तर गुप्त, कलचुरी, पुष्यभूति, गुर्जर-प्रतिहार, राष्ट्रकूट आदि के नाम उल्लेखनीय हैं। सबने भगवान महाकाल के सम्मुख अपना शीश झुकाया और यहाँ प्रभूत दान-दक्षिणा प्रदान की। दसवीं शती के राजशेखर, ग्यारहवीं शती के राजा भोज आदि ने न केवल महाकाल का सादर स्मरण किया, अपितु भोजदेव ने तो महाकाल मन्दिर को पंचदेवाय्रान से सम्पन्न भी कर दिया था। उनके वंशज नर वर्मा ने महाकाल की प्रशस्त प्रशस्ति वहीं शिला पर उत्कीर्ण करवाई थी। परमार राजवंश की कालावधि में 1235 ई. में इल्तुतमिश ने महाकाल के

आरती का समय

▸▸ भस्मार्ती	- प्रातः 4 बजे से सूर्योदय तक (श्रावण में एक घंटा पूर्व)
▸▸ प्रातःकाल	- प्रातः 7 से 7.30 बजे
▸▸ मध्याह्वान आरती	- प्रातः10 से 10.30 बजे
▸▸ संध्या आरती	- शाम 5 से 5.30 बजे
▸▸ रात्रि आरती	- 7 से 7.30 बजे।

दर्शन किये थे। 18 वीं सदी के पूर्वार्द्ध में राणोजी सिन्धिया के मंत्री रामचन्द्रराव शेणवे ने वर्तमान महाकाल का भव्य मंदिर पुनर्निर्मित करवाया, जो वर्तमान में भी मौजूद है।

काष्ट स्तम्भों पर आधारित था प्राचीन मंदिर

गुप्त काल के पूर्व मन्दिर पर कोई शिखर नहीं होते थे, अतः छत सपाट होती रही। संभवतः इसी कारण रघुवंश में महाकवि कालिदास ने इसे निकेतन की संज्ञा दी है। इसी निकेतन से दूर राजमहल था। कालिदास के पूर्व मेघ में आये उज्जयिनी के विवरण से भी तत्कालीन महाकालेश्वर मन्दिर का मनोहारी विवरण प्राप्त होता है। ऐसा लगता है कि महाकाल चण्डीश्वर का यह मन्दिर तत्कालीन कलाबोध का अद्भुत उदाहरण रहा होगा। मन्दिर कंगूरेनुमा प्रकार व विशाल द्वारों से युक्त रहा होगा। संध्या काल में वहाँ दीप झिलमिलाते थे। विविध वाद्ययंत्रों की ध्वनि से मन्दिर परिसर गूंजता रहता था। सांध्य आरती का दृश्य अत्यंत मनोरम होता था। अलंकृत नर्तकियों के नर्तन से उपजी नूपुर-ध्वनि सारे वातावरण को सौन्दर्य एवं कलाबोध से भर देती थीं। मन्दिर प्रांगण में भक्तों की भीड़ महाकाल की जयकार करती थी। पुजारियों के दल पूजा-उपासना में व्यस्त रहा करते थे। कर्णप्रिय वेद-मंत्र एवं स्तुतियों से वातावरण गुंजित रहता था। चित्रित एवं आकर्षक प्रतिमाएँ इस सार्वभौम नगरी के कलात्मक वैभव को सहज ही प्रकट कर देती थीं।

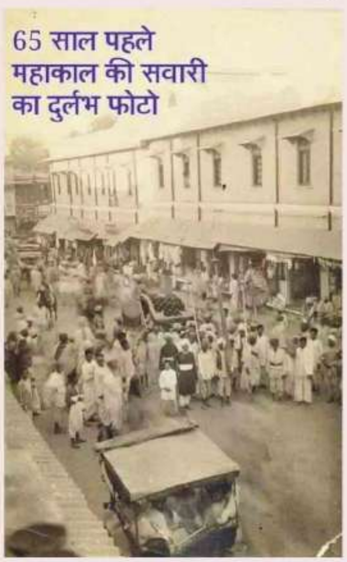

65 साल पहले महाकाल की सवारी का दुर्लभ फोटो

वर्तमान में अत्यंत भव्य स्वरूप

महाकालेश्वर का विश्व-विख्यात मन्दिर पुराण-प्रसिद्ध नगरों के सप्तसागरों में से एक रूद्र सागर के पश्चिम में प्राचीन महाकाल वन में स्थित है। महाशक्ति हरसिद्धि माता का मन्दिर इस सागर के पूर्व में स्थित रहा है, आज भी है। महाकालेश्वर मन्दिर के परिसर में अवस्थित है, कोटि तीर्थ। सदियों से पुण्य-सलिला शिप्रा, पवित्र रूद्र सागर एवं पावन कोटि तीर्थ के जल से भूतभावन भगवान महाकालेश्वर के विशाल ज्योतिर्लिंग का अभिषेक होता रहा है। पौराणिक मान्यता है कि अवन्तिका में महाकाल रूप में विचरण करते समय यह तीर्थ भगवान की कोटि व पाँव के अंगूठे से असंख्य मन्दिरों के साथ उत्पन्न हुआ। वर्तमान में विशाल क्षेत्र में निर्मित भव्य मंदिर स्वर्ण जड़ित शिखर से युक्त है। आम दिनों में भी प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु दर्शन करने देश-विदेश से आते हैं। यहाँ विशेष दर्शन पास तथा महाकाल प्रसादी की व्यवस्था मंदिर समिति की ओर से है। भस्मार्ती में शामिल होने के लिये मंदिर की वेबसाइट पर आनलाईन पंजीयन करवाया जा सकता है। मंदिर समिति द्वारा संचालित धर्मशालाऐं भी है, जिनमें ठहरने के लिये ऑनलाईन कमरे बुक करवाये जा सकते हैं। अपनी इच्छानुसार मंदिर में विद्वान पंडितों से अभिषेक भी करवाया जा सकता है।

100 वर्ष प्राचीन महाकालेश्वर मन्दिर का दुर्लभ चित्र

नगर भ्रमण पर निकलेंगे भूतभावन महाकाल

परम्परानुसार प्रतिवर्ष भव्य श्रावण सवारी के रूप में भूतभावन भगवान महाकालेश्वर हर सोमवार शाम को भ्रमण पर निकलते हैं। इसी के अन्तर्गत अगस्त माह में दिनांक 3,10,17,24,31 को परम्परानुसार तथा 7 सितम्बर को लगभग 2-3 किलोमीटर लम्बी अन्तिम व भव्य शाही सवारी निकलेगी। इस शाही सवारी में देश के कोने-कोने के साथ विदेशों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं।

लड़के–लड़कियों के रिश्ते ढूँढ़ना हुआ बेहद आसान
हमारी Website है इसका सही समाधान

High Status, Middle Status
NRI, Manglik, Non Manglik
Bio-Data MBA, MCA, Doctor,
Eng. Bio-Data CA, CS,
ICWA Bio-Data

Graduate,
Post Graduate Bio-Data
Professional Bio-Data
Businessman Bio-Data
Service Class Bio-Data

माहेश्वरी समाज के लिए 60,000 से अधिक
जैन समाज के 70,000 से अधिक
अग्रवाल समाज के 1,00,000 से अधिक

Registration Free

Website:
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agarwal2agarwal.org

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110 060
Phones: 011-25746867, 09312946867

स्वर्ण श्रीयंत्र

श्रीयंत्र अर्थात् **श्री (लक्ष्मी) का यंत्र**। **श्रीयंत्र** में साक्षात् माँ लक्ष्मी निवास करती है। पौराणिक शास्त्रों के अनुसार- आर्थिक उन्नति, व्यापार वृद्धि तथा भौतिक सुख-संपदा के लिए **श्रीयंत्र** से बढ़कर कोई यंत्र संसार में नहीं है। **श्रीयंत्र** व्यापार-पेशे मे निरंतर वृद्धि करता है। साथ ही सकारात्मकता, शाँति एवं आरोग्य प्रदान करता है। वास्तु दोषों को भी **श्रीयंत्र** की स्थापना मात्र से दूर किया जा सकता है। **जहाँ भी यह यंत्र रहता है, वहाँ अनायास ही लक्ष्मीं की कृपा होने लगती है एवं अनुकूल परिणाम मिलने लगते है।**

विभिन्न पौराणिक शास्त्रों के अध्ययन एवं अनेक श्रीविद्या गुरूओं से परामर्श के बाद **स्वर्ण श्रीयंत्र** को कुल पाँच धातुओं (24 कैरेट सोने की परत, चाँदी, ताँबा, जस्ता एवं निकल) से बनाया गया है। • सटीक संरचना • उपयुक्त वज़न • सकारात्मक धातु और रंग • अंतर्राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्ता • बेहतरीन फिनिश की लकड़ी का आधार • पौराणिक शास्त्रों के साक्ष्य के आधार पर– इसे पूर्ण प्रमाणिक एवं आदर्श **श्रीयंत्र** बनाते हैं। **इसकी डिज़ाइन पेंटेंट ऑफिस द्वारा पंजीकृत है।**

स्वर्ण श्रीयंत्र निम्न तीन आकार में उपलब्ध है।

उंचाई	उपयोग की न्यूनतम अनुशंसा-
छोटा (S)- 81mm	पूजा गृह, स्टडी एवं आफिस टेबल तथा कारों, बसों एवं ट्रकों में स्थापित करने हेतु।
बड़ा (L)- 108mm	3000 वर्गफुट से कम के घर, दुकान, ऑफिस, उद्योग आदि एवं वहाँ के लोगों को उर्जावान करने हेतु एवं आफिस के मुखिया की टेबल व कारों, बसों एवं ट्रकों पर स्थापित करने हेतु।
सबसे बड़ा (EL)-243mm	3000 वर्ग फुट से बड़े घर, दुकान, ऑफिस, उद्योग, मॉल, अस्पताल आदि एवं वहाँ के लोगों को उर्जावान करने हेतु।

•**श्रीयंत्र** के दर्शनमात्र से सौ यज्ञ, 16 महादान, और 1.5 करोड़ तीर्थो में स्नान करने के पुण्यों की प्राप्ति होती है। **(रूद्रयामलम् ग्रंथ)**

•**श्री दामोदर दास जी मूंदड़ा, राजनांदगांव स्वर्ण श्रीयंत्र कि अनुशंसा करते है। उन्होने इसे स्थापित कर फायदा पाया है।**

आर्डर हेतु संपर्क करे- **रेडियस कार्पोरेशन लिमि.**

57-58, वर्धमान नगर, जी.ई. रोड, राजनांदगांव छत्तीसगढ़-491441 (भारत), Phone-07744-402345

Email-anurag@radiusindia.net/mangal@radiusindia.net, Web-www.shreeyantraindia.com

डीलर की आवश्यकता है

अध्यात्म में विश्वास रखने वाले, उद्यमी, उत्साही, जो पेटेंटेड उत्पाद की बिक्री के प्रति समर्पित हो। जिनके संपन्न सामाजिक लोगों से व्यापक संपर्क हो, जो पूँजी निवेश एवं नीति से कार्य करने में रूचि रखते हों, जिनका मौजूदा व्यवसाय ऐसे ही अन्य क्षेत्र में हो, जिनका गुरूओं/ज्योतिष/वास्तु विशेषज्ञ/पंडित/आदि से व्यापक संपर्क हो।

डीलर बनने हेत संपर्क करें- श्याम मो.- 094252 40789. Email-ali@radiusindia.net / radius@ksoni.com

जिस स्थान पर श्रीयंत्र स्थापित किया जाता है, वहाँ साक्षात् माँ लक्ष्मी निवास करती है, ऐसी पौराणिक मान्यता है। आर्थिक उन्नति, व्यापार वृद्धि व भौतिक सुख-संपदा के लिए इससे बढ़कर कोई यंत्र संसार में नहीं है। लेकिन इसके लिये जरूरी है कि श्री यंत्र प्रमाणित हो, अन्यथा अनिष्टकारी भी हो सकता है।

माता लक्ष्मी की कृपा का माध्यम है स्वर्ण श्रीयन्त्र

महालक्ष्मी का स्मरण कर सुख, सौभाग्य और समृद्धि की कामना पूर्ति हेतु श्रीयंत्र की स्थापना व पूजा की जाती है। श्रीयंत्र में शिव-शक्ति, विष्णु-लक्ष्मी, गायत्री, दुर्गा, माँ ललिता, त्रिपुर सुन्दरी एवं अनेकों दिव्य शक्तियों का निवास है। आध्यात्मिक एवं वास्तु के दृष्टिकोण से भी श्रीयंत्र को सर्वश्रेष्ठ यंत्र माना गया है। इसीलिए शास्त्रों में श्रीयंत्र को यंत्रराज अथवा यंत्र शिरोमणि भी कहा गया है। श्रीयंत्र ब्रह्माण्ड से ब्रह्माण्डीय उर्जा को आकर्षित करता है एवं निरंतर दिव्य उर्जा प्राप्त कर अपने चारों ओर फैलाता रहता है। जो भी श्री यंत्र के आभा मण्डल में आता है, उसे इसके दिव्य प्रभाव से शान्ति, स्वास्थ्य, सफलता एवं संपन्नता मिलने लगती है। श्रीयंत्र की जिस स्थान पर स्थापना की जाती है , वह उस स्थान को सकारात्मक ऊर्जा से भरकर, पवित्र करना शुरू कर देता है, जिससे वास्तु, भूमि व गृह दोष भी दूर हो जाते हैं। श्रद्धापूर्वक इसके दर्शन मात्र से भी अनेक पुण्य प्राप्त होते हैं। इसकी प्रमाणिकता वैज्ञानिक भी स्वीकारते हैं।

आठ प्रामाणिकताएँ हैं सही की पहचान

▸▸ सही श्रीयंत्र में सभी त्रिकोण समवर्ती तथा संकेन्द्रित होते हैं।

▸▸ सही श्रीयंत्र के नौ स्तरों की उंचाई में एकरूपता होनी चाहिये। ऊँचाई में एकरूपता होने से ही श्रीयंत्र में समरूपता होती है।

श्रीयंत्र के नौ स्तर-1.बिन्दु, 2.त्रिकोण,3. अष्टार (आठ त्रिकोण),4.अंतर्दशार (दस त्रिकोण), 5 बाह्यदशार (दस त्रिकोण), 6. चतुर्दशार (चौदह त्रिकोण), 7.अष्टदलकमल (आठ कमल की पंखुड़ियाँ), 8.षोडशदलकमल (सोहल कमल के पंखुड़ियाँ) एवं 9.तीन वृत हैं।

▸▸ सही श्रीयंत्र के नौ स्तरों के नीचे का आधार (तीन रेखाओं वाले चार विशेष आकृति के आधार) का सही बना होना जरूरी है। बाजार में उपलब्ध अधिकांश भी श्रीयंत्र में यह सही नहीं पाया जाता है।

▸▸ श्रीयंत्र का भीतरी क्षेत्र खाली हो। इसकी संरचना भी बाहरी संरचना जैसी ही होनी चाहिये अर्थात् जो अंदर से ऊपर तक खाली हो। यह ब्रह्माण्डीय ऊर्जा को आकर्षित करने हेतु अनिवार्य है।

▸▸ पौराणिक शास्त्र सौभाग्यलक्ष्युपनिषद् के अनुसार श्रीयंत्र का वजन 160 माशे (154 ग्राम) या उससे अधिक का उत्तम तथा जितना अधिक बड़ा हो उतना ही अधिक प्रभावी माना जाता है।

▸▸ पौराणिक शास्त्रों तंत्रराज तंत्रम् तथा दक्षिणामूर्ति संहिता में कहा गया है कि सोना, चाँदी, तांबा धातुओं से निर्मित श्रीयंत्र का पूजन करने से लक्ष्मी, कान्ति, यश, पुत्र, धन तथा आरोग्य की प्राप्ति होती है।

"रत्न हेमनि रूप्ये च ताम्रे दृषदि च क्रमात् ।
कृत्वा श्रीचक्रनिर्माणं स्थापयेत् पूजयेदपि।।
लक्ष्मीकान्तियशः पुत्रधनारोग्यादिसिद्धये।"

पौराणिक शास्त्र लक्षसागर में भी कहा गया है कि-सोना, चांदी एवं तांबा से निर्मित श्रीयंत्र सभी सिद्धियों का दाता होता है।

"सुवर्णरचितं यन्त्रं सर्वराजवशङ्करम्।
रजतेन कृतं यन्त्रमायुरारोगयकान्तिदम् ।
ताम्रैस्तु रचितं यन्त्रं सर्वैश्वर्यप्रदं मतम्।
लोहत्रयोद्भवं यन्त्रं सर्वसिद्धिकरं मतम् ।"

पौराणिक शास्त्र तंत्रराजतंत्रम् में सीसा एवं काँसे से बने श्रीयंत्र को विपरीत फलदायक माना गया है। प्रायः बाजारमें उपलब्ध श्रीयंत्र निषिद्ध धातुओं, ब्रास अथवा काँसे आदि से ही बनाये जाते हैं।

"सीसकांस्यादिषु पुनः पूर्वोक्तविपरीतकृत फलकायां पटे भित्तौ स्थापयेन्न कदाचन।

स्थापितं यदि लोभेन मोहेनाज्ञानतोऽपि वा। कुलवित्तमपत्यं च निर्मूलयति सर्वथा ।।"

पौराणिक शास्त्र सौभाग्यलक्ष्युनिषद् में लक्ष्मी प्राप्ति के लिए पीला श्रीयंत्र उत्तम माना गया है।

एक अनुपम भेंट स्वर्ण श्रीयंत्र

रेडियस कॉर्पोरेशन लि. के चीफ कैलाश सोनी ने इसी आवश्यकता को ध्यान में रख बनाया है, 'स्वर्ण श्रीयंत्र'। इसके निर्माण में उपरोक्त सभी आठ प्रामाणिक अनिवार्यताओं का ध्यान रखा गया है। इसे कुल पाँच धातुओं से बनाया गया है। सटीक संरचना, उपयुक्त वजन, सकारात्मक धातु और रंग के साथ पौराणिक शास्त्रों के साक्ष्य के आधार पर पूर्ण प्रमाणिक एवं आदर्श श्रीयंत्र जनहित में बनाये हैं। इसकी संरचना अंतर्राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्ता के साथ की गयी है। बेहतरीन फिनिया की लकड़ी से इसका आधार बनाया गया। इसकी डिजाइन पेंटेंट ऑफिस द्वारा पंजीकृत भी है।

सत्यमेव जयते

"सत्य परेशाँ हो सकता है पराजित नहीं"

महेश नवमी की सभी सामाजिक बन्धुओं को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

नन्दकिशोर लखोटिया

प्रदेश अध्यक्ष,

कोलकाता माहेश्वरी सभा

मोबाइल - 098301-50693

493/सी/ए, जी.टी. रोड (साउथ)
विवेक विहार, व्ही-ब्लॉक-22, फ्लैट नं. 4-डी, हावड़ा-711102

सबका साथ - सबका विश्वास

सुख-सौभाग्य व धन के प्रदाता बृहस्पति राशि परिवर्तन कर चुके हैं। गत 14 जुलाई को प्रातः 6.25 बजे से कर्क राशि से ये सिंह में प्रवेश कर चुके हैं। इसमें बृहस्पति लगभग 13 माह तक रहेंगे। आइये देखें कितना शुभाशुभ होगा बृहस्पति का यह मंगल प्रवेश।

बृहस्पति का सिंह राशि में प्रवेश.........

विकास को देगा नया आकाश बृहस्पति

फलित ज्योतिष में गुरु ग्रह का अहम् स्थान है। गुरु शिक्षा, पाण्डित्य, संतति, विवाह एवं धन आदि का कारक ग्रह है। स्त्री की कुण्डली में तो वह साक्षात् उसका पति ही है। अनेक दुर्योगों को गुरु अकेला ही ध्वस्त करने की क्षमता रखता है। राज्यकृपा, पदोन्नति में भी गुरु का विशेष महत्व है। कालिदास रचित 'उत्तर कालामृत' ग्रंथ का एक प्रसिद्ध श्लोक 'किं कुर्वंति सर्वेग्रहा यस्य केन्द्रे बृहस्पति' अर्थात् सारे ग्रह मिलकर भी उस जातक का क्या बिगाड़ लेंगे, जिसके केन्द्र में बृहस्पति है, इस संदर्भ में प्रासंगिक है।

भविष्य निर्धारण में क्यों अहम्

केन्द्रस्थ बृहस्पति जातक को लौकिक-परलौकिक दोनों सुखों से नवाजता है। केन्द्र में स्वगृही अथवा उच्चस्थ बृहस्पति एक अद्भुत महापुरुष योग 'हंस योग' का भी सृजन करता है। हंस योग वाला जातक मात्र अपने ज्ञान की शक्ति से समाज में अहम् स्थान बना लेता है। मेष एवं कर्क लग्न में तो बृहस्पति विशेष कारक ग्रह होता है। लग्नस्थ बृहस्पति वाले जातकों का यश दिन-प्रतिदिन ऐसे निखरता है, जैसे शुक्ल पक्ष का चन्द्र। धन-प्रदाता ग्रहों में भी बृहस्पति का अहम् स्थान है, विशेष कोष की वृद्धि तो बृहस्पति की कृपा के बिना कठिन है। यही कारण है कि जिस जातक के भी बृहस्पति द्वितीय स्थान में हो अथवा इस स्थान को देखता हो उसका धन-कोष अनुदिन बढ़ता है। स्त्रियों के सुख-सौभाग्य का सर्वाधिक कारक बृहस्पति ही है। स्त्री की कुण्डली में अन्य ग्रह कितने ही विच्छेदात्मक क्यों न हों, अगर बृहस्पति सप्तम अर्थात उसके पति स्थान में हैं या वहाँ दृष्टि भी करता है, तो उसके सभी दुर्योग यूँ नष्ट हो जाते हैं, जैसे अकेले सूर्य के उदय होने पर जगत का समस्त अंधकार चला जाता है।

सभी सुखों का कारक

बृहस्पति की इसी महत्ता के चलते राशिचक्र में बृहस्पति का भ्रमण जातक, समाज एवं राष्ट्रों के भविष्य निर्धारण में अहम् भूमिका अदा करता है। राशि चक्र भ्रमण में दीर्घावधि स्तर पर भाग्य निर्धारण में वैसे तो शनि एवं राहू भी महत्वपूर्ण हैं, पर अपनी नैसर्गिक शुभता एवं फलदायक होने के कारण बृहस्पति फल देने में इन दोनों ग्रहों से आगे निकल जाते हैं। जहां अनुकूल शनि एवं राहू कष्ट निवारण करते है, बृहस्पति फुहार की तरह सौभाग्य बरसाते हैं। शनि करीब ढाई वर्ष तक एक राशि में रहते हैं, राहू अठारह माह तो बृहस्पति तेरह माह एक राशि में रहते हैं। मंगल पचास रोज एवं सूर्य, बुध, शुक्र करीब एक माह रहते हैं। चन्द्रमा सबसे तीव्र गति से अर्थात् मात्र ढाई दिन में राशि बदल लेता है। दैनिक स्तर पर भाग्य निर्धारण में इसीलिए चन्द्र का सर्वाधिक महत्व है। 'चन्द्रमा मनसो जातः' अर्थात् चन्द्रमा मन की गति से चलता है एवं उतना ही चंचल एवं उच्छृंखल भी है। ऐसे सौम्य, परमकृपालु बृहस्पति दिनांक 14 जुलाई 2015 सुबह 6:25 बजे कर्क राशि से सिंह राशि में प्रवेश कर चुके हैं।

हरिप्रकाश राठी
जोधपुर
मो. 094141-32483

विकास के नये द्वार खुलेंगे

हमारे देश की मूल कुण्डली में वृषभ लग्न एवं कर्क राशी है। तद्नुसार गुरू का सिंह में गोचर मूलतः तो इस बात पर निर्भर करेगा कि वे कब-कब किस ग्रह से युति कर रहे है। प्रारंभ में अगर वे शुक्र से युति कर रहे है तो देश में आनंद का मौहाल रहेगा। मानसून औसत से ऊपर रहेगा। इसी तरह बृहस्पति अन्य ग्रहों से युति कर उस ग्रह की प्रकृति अनुसार माहौल बनायेंगे। बृहस्पति के षष्ठम शत्रुस्थान पर पंचम दृष्टि पड़ौसियों से सुमधुर संबंध बनाने में अहम् भूमिका अदा करेगी। हमारे पारंपरिक शत्रु, भारत की रीति-नीतियों, आर्थिक विकास का लोहा मानेंगे एवं तद्नुसार भारत से बैर भाव छोड़ने में अपनी भलाई समझेंगे। बृहस्पति की मित्र शनि की कुंभ राशि पर सप्तम दृष्टि देश में अध्यात्मकता-योग का नव शंखनाद करेगी। विश्व हमारी पुरानी थाती का लोहा मानेगा। बृहस्पति की रोजगार स्थान पर मित्र दृष्टि असंख्य नये पदों का सृजन कर बेरोजगारी की समस्या से पीड़ित युवाओं को फुहार की तरह राहत दिलायेगी। इस दरम्यान जमीन मार्केट में मंदी रहेगी, लेकिन शेयर बाजार नये आयाम छुऐगा। अनेक सरकारी कंपनियों में पूंजी विनिवेश की स्थितियां बनेंगी। बृहस्पति के सिंह राशी में रहने तक शनि की तीसरी दृष्टि, सातवे रोजगार के क्षेत्र में एक अभिनव क्रांति की स्थितियां बनायेंगी। हमारी युवाशक्ति एवं उनका टैलेंट जगजाहिर होगा तथा पुनः बड़े-बड़े पैकेजेस् के दिन लौटेंगे।

बारह राशियों पर प्रभाव

किवदंति है कि जब भी गुरु सूर्य की राशि में जाते हैं अथवा फिर सूर्य गुरू की धनु एवं मीन राशि में आते हैं, तब विवाह निषेध होते हैं। पर अब यह बात सिरे से खारिज कर दी गई है क्योंकि हर शास्त्र को काल के अनुकूल ढलना होता है एवं इसी के चलते तमाम विसंगतियों व बहसों के बीच भी विवाह होते रहेंगे।

मेष: बृहस्पति की भाग्य एवं आय स्थान पर दृष्टि भाग्य एवं आय को नये आयाम देगी। संतति वांछित फल प्राप्त करेंगी। रोग, ऋण से मुक्ति मिलेगी। स्वास्थ्य बेहतर बनेगा।

वृषभ: नौकरी में पदोन्नति के योग बने है। मन का झुकाव इन दिनों आध्यात्म, संतजनों की ओर बढ़ेगा। विदेश भ्रमण के योग भी बने हैं। अष्टमेश के सुख स्थान में आने से मित्र, रिश्तेदारों से मनमुटाव हो सकता है। जमीन जायदाद के झगड़ों, प्रपंचों की स्थितियां बन सकती हैं।

मिथुन: आय के स्त्रोतों में अप्रत्याशित बढ़ोतरी होगी। घर में मांगलिक प्रसंग बनेंगे। पदोन्नति के योग है। पराक्रम बढ़ेगा एवं लोग आपकी रीति-नीतियों, विद्वता का लोहा मानेंगे।

कर्क: दूसरे घर आने वाला वृहस्पति कोष में वृद्धि करेगा, कुटुबजनों के मध्य सौहार्द्रपूर्ण संबंध भी बनायेगा। रोग, ऋण, रिपु ध्वस्त होंगे। रोजगार में पदोन्नति, वेतन बढ़ोत्तरी के भी योग बने है। इष्टबल बनाये रखें।

सिंह: संतति मनोनुकूल सफलता प्राप्त करेगी। दाम्पत्य जीवन में प्रेम स्नेह बढेगा। बडे भाई-बहनों की मदद से भाग्य नई दिशा लेगा। घर में विवाह, मांगलिक प्रसंग बनेंगे।

कन्या: नये गृहप्रवेश, जमीन-जायदाद की खरीद के योग बने हैं। ऋण एवं शारीरिक कष्टों से राहत मिलेगी। दूरस्थ धार्मिक यात्राओं के भी योग बने हैं। यह समय फुहार की तरह गत 2-3 वर्षों से चली आ रही पीड़ाओं को नेस्तनाबूत करेगा। ।

तुला: उतरती साढे साती में बृहस्पति का परिवर्तन तपती में फुहार की तरह होगा। यह कष्टों पर मरहम की तरह होगा। संतति के मनोनुकूल कार्य सिद्ध होंगे। घर में मांगलिक कार्य बनेंगे। खोया पराक्रम लौटेगा।

वृश्चिक: अभी चढ़ती साढे साती है। बृहस्पति संपति के बंटवारे में सहायक होकर कोष की प्रतिकूल स्थितियां कम करेगा। जमीन जायदाद के झगड़ों का अनुकूल फैसला होगा। रोग, ऋण, शत्रुओं से राहत मिलेगी।

धनु: सिंहस्थ बृहस्पति लग्न को देखकर गत एक वर्ष के प्रतिकूल समय में एक नयी आशा का संचार करेगा। आपके भाग्य, पराक्रम में आशातीत वृद्धि होगी। शिक्षा के क्षेत्र में भी संतति के अभिष्ट सिद्ध होंगे।

मकर: पदोन्नति, विदेश यात्रा के योग बने हैं। आपकी आय-कोष में बढोतरी होगी। माता के स्वास्थ्य में मनोनुकूल सुधार होगा। रोग, ऋण, रिपु ध्वस्त होगें। नये भूमि भवन के योग बने हैं।

कुंभ: कुटुंबीजनों से स्नेह बढ़ेगा एवं आपकी स्थायी आय में भी बढ़ोतरी होगी। जीवन साथी से संबंध और सुमधुर होंगे।

मीन: रोग, ऋण रिपु के षष्टम घर में आकर वृहस्पति इन सबसे राहत दिलायेगा। नौकरी, रोजगार, व्यवसाय में आशातीत सफलता मिलेगी। निश्चित पदोन्नति के योग हैं। विदेश यात्राऐं होंगी एवं आपके खोये शुभचिंतक आपके पास पुनः लौट आयेंगे।

एक शाम रिश्तों के नाम

श्री हनुमानचालीसा के सवा करोड़ पाठ का अनूठा आयोजन

जीवन प्रबंधन गुरु पूज्य पं. विजयशंकर मेहता का 'किष्किंधा कांड के हनुमानजी और हमारी सामाजिक-राष्ट्रीय समस्याओं का समाधान' विषय पर व्याख्यान

अनूठा आह्वान माताएँ-बहनें हनुमानजी को राखी अवश्य बांधें/चढ़ाएं

हमारे हनुमान

इस दिव्य कार्यक्रम में आप सपरिवार आमंत्रित हैं

रक्षाबंधन की पूर्व संध्या

28 अगस्त, 2015 शुक्रवार

सायं 6.30 से 8.00

मुख्य कार्यक्रम रवीन्द्र नाट्यगृह, आरएनटी मार्ग, इंदौर (म.प्र.) में होगा

प्रेरणा स्त्रोत
पूज्य पं. विजयशंकर मेहता

सीधा प्रसारण देखें - आस्था चैनल पर

प्रेरणास्रोत

Late Shri Gopidasji Govardhandasji Bagdi

Late Smt Keshardevi Bagdi

Hon'ble **C M Shri Devendra Fadnvis** felicitating **Sharad Bagdi**

Rotary DG district Governor **Dr. Nikhil Kibe** giving award to **Rtn Sharad Bagdi** on 12 July15.

Hon'ble **Mah Transport Minister Shri Raote** felicitating **Sharad Bagdi** in Rotary, Wockhardt

Sharad Bagdi receiving "**WEALTH CREATOR OF THE DECADE**" Award from **Motilal Oswal Securities Ltd.**

Sharad Bagdi

M. 093256-56776

- Bharat Vikas Parishad (Group Leader)
- Bikaneri Maheshwari Panchayat
- CAFÉ (Child Adoption For Education)
- Jeevan Suraksha Prakalpa (Marg Nirdeshak)
- Kendriy Manav Adhikar Parishad (Bureao Chief)
- Lions Club of Nagpur (Director)
- Rotary Club of Nagpur Elite (Vice President)
- Vivekanand Kendra (Patron Member)
- Laghu Udyog Bharti (Member)
- Lions club District 323H-1 Region Activity Coordinator"

Sharad Bagdi receiving "**MANAV ADHIKAR SAMAJ RATNA**" Award by the hands of Rtd Judge Adv Kanugo & Film Actor Shri Prakash Bhagwat

Sharad & Bharati Bagdi felicited at **Lions Club Nagpur** by senior members for their social commitment

Sharad Bagdi sharing Dias with **CM Hon Devendra Fadnavis.**

Cabinate Minister Hon Shri Nitinji Gadkari releasing banner sponsered by **Sharad Bagdi**

Lion club VDG Raje mudhoji Bhonsale, RC giving award to **Ln Sharad bagdi** at Regional conference

At installation **Lions Club Nagpur President** giving Award to **Lion Sharad Bagdi**

At installation **Lions VDG Raje Mudhoji Bhonsale**, **RC, ZC** giving Award to **Ln Sharad Bagdi.**

Sharad Bagdi receing award for organising State level **SURAJYA DAOUD 2015**

पत्नी : श्रीमती भारती बागड़ी, पुत्र : वेदान्त, पुत्री : गीतिका, पुत्रवधू : यशश्री, पौत्री : वेदिका

संकलनकर्त्ता : मधुसूदन सत्यनारायण सारड़ा (कार्यकारी मण्डल सदस्य, अ.भा. माहेश्वरी महासभा), **नागपुर**

शुभेच्छु : श्याम सोनी (पूर्व महामंत्री, अ.भा.माहे. महासभा), **श्याम राठी, एड. विजय चाण्डक, पूनमचन्द मालू, सज्जन मोहता** (अध्यक्ष, वि.प्रा.माहे. महासंगठन), **मदनलाल मालपानी, शिवरतन गाँधी** (अध्यक्ष, नागपुर जि.माहे. सभा), **दिनेश राठी, रमेश मंत्री** (अध्यक्ष, न.माहे.सभा, नागपुर), **राधेश्याम सारड़ा** (अध्यक्ष, श्री बड़ी मारवाड़ माहे. भवन ट्रस्ट), **नन्दूबाबू सारड़ा** (पूर्व अध्यक्ष, विदर्भ इण्डस्ट्रीज़ एसोसिएशन), **गोविन्द मंत्री, विठ्ठलदास तापड़िया, राजेश बजाज, रामअवतार हुरकट.**

With Best Compliments from

(Established since 1955)

THE WEST COAST PAPER MILLS LTD.

ISO 9001/14001 OHSAS 18001 DNV

(An ISO 9001, ISO 14001 and OHSAS 18001 certified company)
One of the leading manufacturers of Quality Papers with an annual production capacity of 320000 MT

Type of Paper	*Main Varieties*
Cultural Paper	*Azurelaid* *Creamwove* *Maplitho* *Copier Paper* *Natural Greeting*
Industrial Paper	*Paper Boards/Cover Paper/Poster Paper* *Duplex Boards/Cup Stock Board* *High Bright/White Back Duplex Boards* *Base Paper for Coating* *Machine Glazed (MG)*
Specialty Paper	*MICR Cheque Paper* *Parchment Paper* *Bond Paper*

WCPM also manufactures Optical Fibre Cable (OFC) and Control Cables at its Cable Division set up at Mysore. It has also set up 1.75MW Wind Mills at Tamilnadu.

Registered Office & Works:
Bangur Nagar, DANDELI – 581 325, Dist. Uttara Kannada, Karnataka
Ph.: +91 8284 231391-395 Fax: +91 8284 231225, 231 e-mail: pro@westcoastpaper.com, wcpmprodandeli@gmail.com

CORPORATE OFFICE
31, Chowringhee Road (Park Street Crossing), KOLKATA - 700 016
Phones : 033-22656271-78 (8Lines), Fax: 033- 22656242, E-Mail - wcpm.east@westcoastpaper.com

Marketing Offices at:
Mumbai, Chennai, Bengaluru, New Delhi

Telecom Cable Division:
Sudarshan Telecom, Plot No.386/387, KIADB, Electronic City, Hebbal Industrial Area, Mysore – 570 016
Ph.: +91 821 2404060 Fax: +91 821 2404061 e-mail: mmaharaj@sudarshantelecom.com

अब जनसंख्या विकास में बाधक नहीं बल्कि सहयोगी - श्याम जाजू

भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू अपने अल्प प्रवास पर उज्जैन आये। यहाँ श्री माहेश्वरी टाईम्स द्वारा श्री जाजू का अभिनंदन किया गया। इसी अवसर पर उनसे कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा भी की गई। प्रस्तुत हैं, इस चर्चा के अंश।

▸▸ वर्तमान में समाज में राजनीति में अपनी सक्रियता बढ़ाने की आवाज उठ रही है, ऐसा क्यों?

किसी समय राजनीति को अच्छा क्षेत्र नहीं समझा जाता था। अतः अच्छे लोग इसमें आना पसंद नहीं करते थे। लेकिन मोदीजी के नेतृत्व में राजनीति की तस्वीर बदल रही है। अब इसके प्रति आम बुद्धिजीवियों की सोच भी बदली है। यही कारण है कि राजनीति के प्रति अच्छे लोगों का आकर्षण भी बढ़ा है।

▸▸ क्या आपके विचार में भी समाज को इसमें सक्रिय होना चाहिये? आखिर समाज को इससे क्या लाभ?

मेरे विचार में तो समाज को इस क्षेत्र में अपनी भागीदारी बढ़ानी ही चाहिये। माहेश्वरी समाज समाजसेवा के क्षेत्र में सबसे आगे रहा है। अतः जब वर्तमान में मोदीजी के नेतृत्व में राजनीति का क्षेत्र समाजसेवा की तरह सर्वव्यापी हो गया है, तो ऐसे में समाज की इसमें भागीदारी बढ़ना स्वभाविक भी है और आवश्यक भी। भारत प्रगतिशील व सुदृढ़ हो इसके लिये भी समृद्ध-सुदृढ़ समाज को योगदान बढ़ाना ही चाहिये।

▸▸ वर्तमान में माहेश्वरी समाज ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण राष्ट्र में कन्या जन्मदर घटी है। इसमें लिंगानुपात का अन्तर तेजी से बढ़ा है, जिससे परिवारों का संतुलन गड़बड़ाने लगा है। इस दिशा में क्या किया जाना चाहिये?

देखिए! यदि बात कन्या भ्रूण हत्या की हो, तो इसे रोकने के लिये तो कड़े कानून बने ही हैं। लेकिन मात्र इससे समस्या का समाधान नहीं होता। इसके लिये जागरूकता जरूरी है। इसे उत्पन्न करना समाज संगठन की जिम्मेदारी है। शासन स्तर पर मोदी जी के नेतृत्व में सुकन्या योजना बनी है। इसमें बालिका के खाते में शासन स्तर पर राशि जमा की जाती है, जो उसके 21 वर्ष की होने पर एक बहुत बड़ी राशि के रूप में प्राप्त होती है। इस योजना का लक्ष्य ही बालिका जन्म को प्रोत्साहित करना है।

▸▸ जब भी देश के आर्थिक पिछड़ेपन की बात होती है, तो इसका दोष हमारे यहाँ की जनसंख्या पर मड़ दिया जाता हैं। हकीकत देखें तो चीन की जनसंख्या तो भारत से भी अधिक है। फिर वह विश्व की एक आर्थिक महाशक्ति कैसे है? कहीं यह हमारी व्यवस्था की कमी तो नहीं?

वास्तव में यह व्यवस्था की कमी भी रही है, लेकिन अब नहीं है। किसी समय जनसंख्या को विकास में बाधा माना जाता था, अब मोदीजी के नेतृत्व में इसे जनशक्ति मानकर विकास में सहायक माना गया है। नतीजा सामने है कि मात्र 1 वर्ष में देश का आर्थिक विकास हुआ है और होता ही रहेगा। एक साल पहले हमारी जीडीपी (विकास दर) 4.2 थी, जो आज 7 पर पहुँच चुकी है। "मेक इन इंडिया" जनशक्ति के विकास से विकास की योजना का ही नाम है।

बधाई एवं अभिनन्दन

परिवर्तन संसारे मृतः को वा न जायते
स जाते येन जातेन देशः याति समुन्नतिम।

सतत् परिवर्तनशील संसार में कौन नहीं जन्म लेता
या मृत्यु को प्राप्त करता,
जन्म लेना तो उसी का सार्थक है, जिसके जन्म लेने से
देश व समाज उन्नति को प्राप्त होता है।

श्रद्धेय पद्मश्री
बंशीलाल जी राठी

के 82वें जन्मदिवस (14 अगस्त) पर
हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई.

सत्यनारायण राठी

सदस्य
आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केन्द्र

131, कैलाश पार्क, इन्दौर (म.प्र.)
मो. : 098260-75402

आज हम विदेशों से पेट्रोलियम पदार्थों का आयात करते है, लेकिन हकीकत में ये हमारे यहाँ ही प्रचुरता से मौजूद हैं। बस सही जगह से इन्हें प्राप्त करने भर की जरूरत है। यह दावा है उज्जैन निवासी समाज के वरिष्ठ अतिन्द्रिय भूगर्भविद् किशोर कुमार राठी का।

हमारे देश में भी छुपा है पेट्रोलियम पदार्थों का खज़ाना - श्री राठी

उज्जैन शहर की नहीं बल्कि कई क्षेत्रों में अतिन्द्रिय वास्तुविद् के रूप में किशोर कुमार राठी एक ख्यात नाम हैं। गत लगभग 30 वर्षों में श्री राठी ने हजारों लोगों को उनकी भूमि का परीक्षण कर सफल जल स्रोतों की सौगात दी है। वे उपकरण के रूप में मात्र एक कॉपर रॉड तथा पैण्डूलम का सहारा लेते हैं और अपने अतिन्द्रिय खोजे निकालते है, भूमि के गर्भ में छुपा खजाना। सिर्फ भूमि पर जाकर ही नहीं बल्कि वहाँ के मात्र नक्शे से भी वे यह जानकारी इतनी ही सटिकता से दे सकते हैं।

क्या है अतिन्द्रिय शक्ति

श्री राठी चर्चा में बताते हैं कि योग व ध्यान से शरीर की इन्द्रियों की शक्ति उनकी पराकाष्टा पर पहुँच जाती है। यही स्थिति अतिन्द्रिय होती है, जो अज्ञात को ज्ञात करने में सहायक होती है। वैज्ञानिक रूप से भी देखें तो हमारा शरीर एक सुपर कम्प्यूटर है, बस जरूरत इसकी शक्ति के पूर्ण व सही उपयोग करने भर की है। इसी के बल पर वे भूमि के गर्भ में छूपे जल के खजाने को भी खोजने में हमेशा सफल रहे।

क्रूड आयल व दुर्लभ धातुओं का भंडार

श्री राठी अपनी वर्षों की शोध के आधार पर दावा करते हैं कि म.प्र. के कई क्षेत्र तथा दक्षिण भारत, महाराष्ट्र व गुजरात के समुद्र तटिय इलाकों, राजस्थान व आसाम प्रदेशों में पेट्रोलियम का प्रचूर भंडार है। यह उन्हें अपनी साधना के प्रयोग से ज्ञात हुआ है। यदि सही ढंग से खोज हो तो देश इनके मामले में आत्मनिर्भर हो जाएगा। इसके अतिरिक्त यूरेनियम, गैस सहित अन्य धातु आदि कई बेशकीमती पदार्थ भी प्रचुरता से मौजूद हैं। श्री राठी ने इस मामले में शासन का सहयोग करने के लिये प्रधानमंत्री, भारत सरकार, पेट्रोलियम मंत्रालय व राष्ट्रपति को भी पत्र लिखे हैं।

With Best Compliments from

Shri Ram Enterprises

(House of Electrical Goods)

Crompton Greaves EVERYDAY SOLUTIONS | ALMONARD | HAVELL'S | khaitan | USHA | ANCHOR by Panasonic | Goldmedal | V-GUARD The name you can trust

@ 5-26, Near Bus Depot, Dilsukh Nagar, Hyderabad-60
Phone : 040-24051718, 24045312, 65291718
E-mail : shriramdsnr@gmail.com

महेश नवमी की सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ

अजय काबरा
संयुक्तमन्त्री (उत्तरांचल)
अ.भा. माहेश्वरी महासभा
098390-49109

माहेश्वरी वूलेन्स

कारपेट वूलेन यार्न व्यवसायी

35-36, रिंग मार्केट, प्रथम तल, रजपुरा, भदोही-221401 (उ.प्र.)

गलीचा हाऊस प्रा.लि.

रोड नं. 4, महिपालपुर एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110037

GALICHA HOUSE PVT. LTD.

अखिल काबरा
(CA, CS)
मो. 073764-67309

E-mail : **info@victoriacarpet.in.**, Website : **www.victoriacarpet.in**

क्यों हैं जन-जन के पूज्य हनुमान

अष्टचिरंजीवी में से एक तो हैं ही, बाबा हनुमान, लेकिन उनकी विशेषता यहीं तक सीमित नहीं है। कई ऐसे गुण उनमें हैं, जो उन्हें बनाते हैं, एक दम विशेष। इसी पर प्रकाश डाल रहे हैं, अहमदाबाद निवासी रामनिवास राठी।

हमारे देश में 33 करोड़ देवी-देवता हैं, ऐसी मान्यता है। उन 33 करोड़ देवी-देवताओं में सबसे ज्यादा मान्यता श्री हनुमान जी की है, जबकि हनुमान जी ने कभी भी अपने को देवता तक नहीं माना। वे तो सदैव अपने आपको रामजी का सेवक ही मानते थे। मैं बहुत समय से विचार कर रहा हूँ कि हनुमानजी को इसकी मान्यता मिलने का क्या कारण है? हनुमानजी का स्वरूप रामायण में किष्किन्धाकांड से शुरू होता है और बाकि सभी कांडों में यही स्वरूप चला आ रहा है। किष्किंधाकांड में स्वयं भगवान श्रीराम ने कहा-

''सुनुकपि जियँ जनि ऊना, तै मम प्रिय लक्ष्मण ते दूना।
समदरसी मोहि कह सब कोऊ, सेवक प्रिय अनन्यगति सोऊ।।''

किष्किंधा कांड में श्री हनुमान जी की भगवान श्रीराम से प्रथम भेंट हुई और उस प्रथम भेंट में भगवान श्रीराम को श्री हनुमानजी, लक्ष्मणजी से दूगने प्यारे लगने लगे। श्री हनुमानजी न केवल भगवान को ही प्यारे लगने लगे, बल्कि मैं समझता हूँ, हमारे देश के सभी भागों में वह चाहे पूर्व हो या पश्चिम, उत्तर हो या दक्षिण सभी क्षेत्रों में हनुमानजी एक लोकप्रिय देवता हैं। कारण भारत का जनमानस जानता है कि संकट का निवारण केवल हनुमानजी ही कर सकते हैं। प्रसिद्ध कथावाचक परमपूज्य श्री मुरारीबापू स्वीकार करते हैं, जब भी मेरी कथा होती है, जहां भी होती है, श्री हनुमान जी मेरे पास बैठे होते हैं। इस लोकप्रियता का कारण हनुमंत चरित्र रामायण का केवल एक मात्र व्यक्तित्व या देवत्व है, जिन्होंने स्वयं को वास्तविकता के रूप में प्रदर्शित किया। किष्किंधा कांड में जब भगवान श्रीराम से पहला परिचय हुआ, तब भगवान ने हनुमानजी को अपना परिचय दिया। तत्पश्चात भगवान ने हनुमानजी से परिचय पूछा,

''आपन चरित कहा हम भाई,
कहहु विप्र निज कथा बुझाई।।''

तब हनुमानजी ने अपना परिचय दिया-

''एक मैं मंद मोहबस, कुटिल, ह्रदय अग्यान,
पुनि प्रभु मोही बिसारेउ दीनबंधु भगवान।।''

मानव मात्र कभी भी अपनी कमजोरियों को दूसरों के सामने प्रकट नहीं होने देता, किंतु हनुमानजी ने भगवान के सामने प्रथम भेंट में ही अपने आपको ''बुद्धि मंद कह कर स्पष्ट कर दिया। कारण यह है कि जीव हमेशा अपने को श्रेष्ठ समझता है। जिससे उसका विकास रूक जाता है और जहां विकास रुकता है, वहीं विनाश की शुरुआत हो जाती है, यह प्रकृति का नियम है। रामायण में कहीं पर भी हनुमानजी ने अपना घमंड या अपनी शक्ति का प्रदर्शन नहीं किया। जब सीताजी की खोज के लिये सभी वानरों में चर्चा चल रही थी, तब भी श्रीहनुमान जी चुपचाप बैठे थे। तो जामवंत जी ने यह कहकर श्रीहनुमान जी को जगाया ''कहइ रीछपति सुनु हनुमाना, का चुप साधि रहऊ बलवाना।'' इसी प्रसंग में श्रीहनुमान जी सब जानते हुए भी जामवंत जी से पूछते हैं-

''जामवंत मैं पूछउ तोरी उचीत सिरवान दीजहु मोही
एतना कहु तात तुम्हजाई सीता देखि कहुह सुधि आई।।''

दूसरा प्रसंग जब हनुमानजी सीता जी का पता लगाने लंका पहुंचे। वहां पर विभीषणजी से मुलाकात होती है, तब विभीषण अपनी दीनदशा का वर्णन हनुमानजी के समक्ष करते हैं। तो हनुमानजी उन्हें दिलासा देते हुए कहते हैं-

''प्रातः लेई जो नाम हमारा, तेहि दिन ताहि न मिले आहारा।''

अर्थात् हम वानर जाति से इतनी निम्न कक्षा के हैं कि अगर सुबह कोई हमारा नाम ले लेता है, तो उसे भोजन नहीं मिलता। हमको अगर भगवान ने अपना लिया, तो आप तो हमारे से बहुत श्रेष्ठ है, आपको तो वे अपना ही लेंगे। यह प्रसंग हनुमानजी की वास्तविकता को प्रदर्शित करते हैं। किंतु आप और हम सब जब कभी किसी से मिलते हैं तो हमेशा गाड़ियां, बंगले, जमीन जायदाद तथा बैंक बैलेंस की ही बात करते हैं। हमारी बहनों को आपस में बातचीत का सबसे बड़ा टॉपिक होता है, गहने तथा कपड़े। ऐसे में हनुमानजी हमारे लिये प्रेरणास्पद हो सकते हैं। श्री हनुमानजी हमें सहज और वास्तविक स्वरूप में गर्व से परे रहना सिखाते हैं।

जीवेत् शरदः शतम्।

शुभकामनाएँ
एवं
बधाइयाँ

अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व संगठनमंत्री

श्री अशोक ईनानी

को जन्म दिवस (15 अगस्त) की बहुत-बहुत बधाई.
उनके चिरायु, यशस्वी जीवन की

हार्दिक हार्दिक मंगलकामनाएँ.

◆

अजय झंवर, राजकुमार कालिया, विवेक मोहता,
शैलेष माहेश्वरी, भारत तोतला, श्याम सारडा, विनय मालानी, हर्ष राठी,
मधु भल्लिका, पुष्प माहेश्वरी, राम सोमानी, विजय सोमानी
एवं मित्र मण्डली

आमतौर पर जब हैल्दी सीजन की बात होती है, तो सिर्फ शीत ऋतु को ही इस श्रेणी में रखा जाता है। लेकिन ऐसा नहीं है, वर्षा ऋतु भी हैल्दी सीजन हो सकती है, बस जरूरत व्यवस्थित रूप से मौसम के अनुकूल दिनचर्या तय करने की है।

वर्षा ऋतु भी बन सकती है हैल्दी सीजन

ग्रीष्म ऋतु में दुर्बल हुआ शरीर वर्षा ऋतु में धीरे-धीरे बल प्राप्त कर सकता है। इसके लिये मौसम अनुकूल चलना जरूरी है। इस ऋतु का आर्द्र वातावरण जठराग्नि को मंद करता है। इसमें वात-पित्तजनित व अजीर्णजन्य रोगों का प्रादुर्भाव होता है। अतः सुपाच्य, जठराग्नि प्रदीप्त करने वाला वात-पित्तनाशक आहार ही लेना चाहिए। गर्मियों में शरीर के सभी अवयव शरीर शुद्धि का कार्य करते है, मगर चातुर्मास में शुद्धि का कार्य केवल आँतों, गुर्दो एवं फेफड़ों को ही करना होता है। इसलिए सुबह उठने पर घूमते समय और सुबह-शाम नहाते समय गहरे श्वास लेने चाहिए। चातुर्मास में दो बार स्नान करना बहुत ही हितकर है।

दिनचर्या को बनाऐं समयानुकूल

इस ऋतु में रात्रि में जल्दी सोना और सुबह जल्दी उठना बहुत आवश्यक है। दिन में सोने से जठराग्नि मंद व त्रिदोष प्रकुपित हो जाते हैं। अतः दिन में न सोयें। रात को छत पर अथवा खुले आँगन में न सोयें। अति व्यायाम और परिश्रम, नदी में नहाना, बारिश में भिगना वर्जित है। कपड़े गीले हो गये हों, तो तुरंत बदल दें। साधारणतया चातुर्मास में पाचनशक्ति मंद रहती है। अतः आहार कम करना चाहिए। पन्द्रह दिन में एक दिन उपवास करना चाहिए। हरी घास पर खूब चलें। इससे घास और पैरों की नसों के बीच विशेष प्रकार का आदान-प्रदान होता है, जिससे स्वास्थ्य पर अच्छा प्रभाव पड़ता है। हल्के वस्त्र पहनना हितकारी है।

इन बातों का रखें ख्याल

- वर्षाजन्य सर्दी, खाँसी, जुकाम, ज्वर आदि में अदरक व तुलसी के रस में शहद मिलाकर लेने से व उपवास रखने से आराम मिलता है। एंटीबायोटिक्स लेने की आवश्यकता नहीं पड़ती।
- भोजन में अदरक व नींबू का प्रयोग करें। नींबू वर्षाजन्य रोगों में बहुत लाभदायी हैं।
- गुनगुने पानी में शहद व नींबू का रस मिलाकर सुबह खाली पेट लें। यह प्रयोग सप्ताह में 3-4 दिन करें।
- वर्षा ऋतु में दमे के रोगियों की साँस फूले तो 10-20 ग्राम तिल के तेल को गर्म करके पीने से राहत मिलती है। ऊपर से गर्म पानी पियें।
- चातुर्मास में जामुन, कश्मीरी सेब आदि फल होते हैं। उनका यथोचित सेवन करें।
- वातावरण में नमी और आर्द्रता के कारण उत्पन्न कीटाणुओं से सुरक्षा हेतु गौशाला में निर्मित धूप व हवन से वातावरण को शुद्ध तथा गौमूत्र युक्त फिनायल या गोमूत्र से घर को स्वच्छ रखें। घर के आसपास पानी इकट्ठा न होने दें। मच्छरों से सुरक्षा के लिए घर में गेंदे के पौधों के गमले अथवा गेंदे के फूल रखें और नीम के पत्ते, गोबर के कंडे व गूगल आदि का धुआँ करें।

कैलाशचन्द्र लढ्ढा

- 1 से 3 लौंग भूनकर तुलसी पत्तों के साथ चबाकर खाने से सभी प्रकार की खाँसी में लाभ होता है। देर से पचने वाले भारी, तले, तीखे पदार्थ न लें।
- जलेबी, बिस्कुट, डबलरोटी आदि मैदे की चीजें, बेकरी की चीजें, उड़द, अंकुरित अनाज, ठंडे पेय पदार्थ व आईसक्रीम के सेवन से बचें।
- वर्षा ऋतु में दही पूर्णतः निषिद्ध है।
- नागरमोथा, बड़ी हरड़ और सोंठ तीनों को समान मात्रा में लेकर बारीक पीस के चूर्ण बना लें। इस चूर्ण से दुगनी मात्रा में गुड़ मिलाकर बेर के समान गोलियाँ बना लें। दिन में 4-5 बार 1-1 गोली चूसने से कफयुक्त खाँसी में राहत मिलती है। इस ऋतु में जठराग्नि बढ़ाने वाले अदरक, लहसुन, नींबू, पुदीना, हरा धनिया, सोंठ, अजवाइन, मेथी, जीरा, हींग, काली मिर्च, पीपलामूल का प्रयोग करें।
- जौ, खीरा, लौकी, गिलखी, पेठा, तोरई, जामुन, पपीता, सूरन, गाय का घी, तिल तथा द्राक्ष आदि का सेवन करें।
- ताजी छाछ में काली मिर्च, सेंधा नमक, जीरा, धनिया, पुदीना डालकर दोपहर में भोजन के बाद ले सकते हैं।
- उपवास और लघु भोजन हितकारी है। रात को देर से भोजन न करें।
- बारिश की सर्दी लगने का अंदेशा हो तो एक लौंग मुंह में रख लेना चाहिये और घर जाकर मत्था जल्दी पोंछ लेना चाहिये। बदन सूखा लें। बायीं करवट थोड़ा लेट के दायाँ श्वास चालू रखना चाहिये। इससे बारिश में भीगने का असर नहीं होगा।
- चातुर्मास के चार महीने भगवान विष्णु योगनिद्रा में रहते हैं, इसलिए यह काल साधकों, भक्तों, उपासकों के लिए स्वर्णकाल माना गया है। इस काल में जो कोई व्रत, नियम पाला जाता है, वह अक्षय फल देता है, इसलिए बुद्धिमान व्यक्ति को यत्नपूर्वक चातुर्मास में कोई नियम लेना चाहिए।

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे
हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे

हमारे परम आदरणीय

श्री रामअवतार जी साबू एवम् श्रीमती बिमला देवी साबू

के दाम्पत्य जीवन की स्वर्ण जयंती (07/07/2015) पर
अनेकों हार्दिक शुभकामनाएँ

पुत्र–पुत्रवधु : **नरेन्द्र–नीरु साबू, अरविंद– अनुपमा साबू**, पुत्री–दामाद : **नीता–मधुसुदन बिहानी**
पौत्र–पौत्री : **प्रनव, मुकुंद, भाग्यश्री, साक्षी, नकुल साबू**, दोहिती–दोहिता : **प्रियंका, वेदिका, राधिका, यश बिहानी**

हमारे दादाजी व दादीजी खूब स्वस्थ एवं आनंद से रहें ...

प्रनव साबू

भाग्यश्री साबू

प्रियंका बिहानी

प्रतिष्ठान

मनभरी प्रिन्ट्स
एम-1277, सूरत टेक्सटाइल मार्केट,
रिंग रोड, सूरत (गुज.), मो.93774-29021

मनभरी फॉमर्स
व्ही.आई.पी. रोड, सूरत (गुज.)
मो. 93775-12471

सातुड़ी अर्थात् सत्तु तीज माहेश्वरी संस्कृति का एक विशिष्ट पर्व है। विशिष्ट इसलिए कि इससे समाज की उत्पत्ति का इतिहास भी जुड़ा है। जब से ''माहेश्वरी'' ने हथियार त्यागकर कलम-तराजू उठाये तभी से यह व्रत भी अनवरत जारी है।

माहेश्वरी के इतिहास से जुड़ा पर्व सातुड़ी तीज

सत्तु तीज वास्तव में न सिर्फ माहेश्वरी समाज अपितु सम्पूर्ण राजस्थान का एक महत्वपूर्ण पर्व है। इसका महत्व ठीक वैसा ही है, जैसा कि उत्तर भारत में करवा चौथ आदि का। अब जब सम्पूर्ण भारत की संस्कृति एक हो चुकी है, तो ये दोनों पर्व भी देश के अधिकांश भागों में मनाये जा रहे हैं। इसके पीछे भावना भी समान है, अखंड सौभाग्य की कामना। कुंवारी लड़कियाँ भी इसे अच्छे वर की कामना से करती हैं।

क्या है इसका महत्व

प्राचीन मान्यताओं के माध्यम से प्रतिपादित किया गया है कि श्राप वश 72 उमराव पत्थर की प्रतिमा में परिवर्तित हो गए थे। तब उनकी पत्नियों ने अपनी तपस्या से भगवान शिव व माता पार्वती को प्रसन्न किया। भगवान शिव ने उन उमरावों को पुनः जीवन प्रदान किया। इन उमरावों ने पुनः जीवन पाकर तत्काल तलवार आदि शस्त्रों का त्यागकर तराजू को ग्रहण किया एवं माहेश्वरी समाज की स्थापना की। जिस समय भगवान शिव ने उमरावों को पुनः जीवन दिया, उस वक्त उन्हें भूख लगी। भोजन के लिए अन्य वस्तु वहां उपलब्ध न होने से प्रभु के आदेश पर वहां उपलब्ध बालूरेती के पिण्ड बनाये गए एवं भगवान शिव ने मंत्र द्वारा उन रेत के पिण्ड को ''सत्तु'' के पिंडों में परिवर्तित कर दिया। ये सत्तु पिंड खाकर हमारे पूर्वजों ने अपने पेट की ज्वाला शांत की एवं क्षत्रिय वर्ण से वणिक वर्ण की ओर नई जीवन यात्रा माहेश्वरी के रूप में प्रारंभ की।

कैसे मनाते हैं पर्व

जिस तरह तलवार एवं कृपाण से पिण्डों को बड़े कर हमारे पूर्वजों ने खाया गया था, उसी तरह आज भी चाकू से पिण्डों को बड़े (काटना) करने की परम्परा चली आ रही है। इस दिन 72 उमरावों के भगवान शिव एवं माता पार्वती के आशीर्वाद से पुनः जीवित होने पर उनकी पत्नियों में हुई असीम खुशी ने एक महोत्सव का रूप धारण कर लिया था। अनेक दिनों से तपस्या में लीन महिलाओं ने अपना उपवास जंगल में उपलब्ध कच्चे दूध, ककड़ी, नींबू एवं प्रभु द्वारा प्रदत्त सत्तु को ग्रहण करके तोड़ा। ठीक इसी प्रकार आज भी माहेश्वरी महिलाएं तीज के दिन उपवास रखकर शाम को नीमड़ी की पूजा करके, चंद्र दर्शन कर अर्ध्य देती हैं एवं अपना उपवास कच्चे दूध, सत्तु, ककड़ी व नींबू से तोड़ती हैं। इसमें विशेष रूप से चार प्रकार के सत्तु बनाए जाते हैं। परंपरानुसार जिस स्त्री के विवाह के बाद प्रथम सावन आया हो, उसे ससुराल में हीं रखा जाता है। अतः पकवान बनाकर बेटियों को सिंधारा भेजा जाता है।

क्या है इसका महत्व

स्त्रियों के अलावा पुरुष भी इस व्रत को कर सकते हैं। जिनके घर में अत्यधिक क्लेश होता हो, जहां पति-पत्नी के मध्य सामंजस्य नहीं हो, वे यह व्रत करें, तो दाम्पत्य जीवन सुखमय हो जाता है एवं गृह-क्लेश नहीं होता। सभी प्रकार की सुख-सम्पत्ति की प्राप्ति होती है। इस व्रत के पीछे वैज्ञानिक कारण यह है कि व्रत के कारण गला सूख जाता है। चूँकि दूध में स्निग्धता रहती है और वह स्वास्थ्यवर्धक है, गला तर हो जाता है। तत्पश्चात सत्तु के साथ नीम के पत्ते खाने का संकते है। नीम का औषधि के रूप में उपयोग है। मधुर रस के साथ कड़वा रस पाचन क्रिया को मदद करता है। नींबू व ककड़ी आदि खाने से विटामिन सी भरपूर मात्रा में मिल जाता है, इनमें पानी व रेशे (तंतु) भी रहते हैं, जो स्वास्थ्यवर्धक रहते हैं। लिंबड़ी पूजा के लिए जो मिट्टी की पाल बनायी जाती है। यह प्रतीत है पृथ्वी के तप का, जो संदेश देती है जिस प्रकार मैंने त्याग, बलिदान, प्रेम, सहनशीलता से जल को रोक रखा है, तुम भी यह गुर अंगीकार कर के सारे परिवार को एक सूत्र में बांध सकती हो।

महेश नवमी के पावन पर्व की
समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ

M/S. Thakurdas Sukhdeoji Malani

"Sukhshri", Bhiwapurkar Nagar, Near New A.P.M.C., Amravati (M.S.)
B.O.-324, 325, 326, Mahavir Plaza, Dawa Bazar, Jaistambh Chowk, Amravati (M.S.)

शुभकामनाएँ एवं बधाइयाँ

राजेश राठी
अध्यक्ष
अकोला जिला माहेश्वरी संगठन

SEWA

CANVASSING AGENT

खूबचन्द राठी   दिनेश राठी   गणेश राठी

1st Floor, Tapadia Complex, Old Cotton Market, Akola 444001 (M.S.)
Tel : 0724-2438466 (R), 2434342, 2439993, 2436262, 2437566, 2428422 (O)
Mob.- 094231-51006, 094038-72494, 094221-60494

आपणी बोली — *स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर*

कुर्सी री शान

खम्मा घणी सा हुक्म आपने बताऊँ त्रेतायुग में 'राम लीला', द्वापर में 'कृष्ण लीला', कलयुग में 'डिजिटल लीला' चल रही है। डिज़िटल दौर में हुक्म अमेरिका में बैठा बैठा उन देश रा नेता दस-बीस शब्द ट्वीट करे तो भारत में भूचालआ जावे। जमीं हिलण लॉग जावे, भारत री मीडिया में हलचल मच जावे, नेताजी रा सिंघासन डोल जावे। सिंघासन मतलब 'कुर्सी'। हुक्म नेताओं री कुर्सी पर आपा बात करा तो सही कहूँ कुर्सी पकड़नी भी एक कला है। कुर्सी और लक्ष्मी दोनों ही चंचल हैं। थोड़ी पकड़ ढीली होता ही लक्ष्मी हाथ सुं फिसल जावे और कुर्सी रो हत्थो छुटते ही नेता जमीं पर आ गिरे, जब तक नेता धूलझाड़ ने खड़ो हुवे तब तक दूजो नेता आपरी कुर्सी पे बैठ चूको हुवे। इण वास्ते समझदार नेता आसानी सूं कुर्सी नहीं छोड़े और सही कहूँ तो हुक्म तब तक कुर्सी छोड़नों महामूर्खता है, जब तक सविधान ही छोड़न री अनुमति नहीं देवे।

अगर कोई नेता आपातकालीन परिस्थितियां में या सोच ले कुछ समय तक मै अन्नय 'चेला' ने बिठा दूँ तो इन्हें भरोसे में कदैई नहीं रेवणो सही बताऊँ हुक्म कुर्सी पर बैठता ही 'चेला' स्वयं 'गुरु' बण ने उन राह पर आपरो आधिपत्य जमा लेवे। बिहार रा मांझी इन्हों जीतो जागतो उदाहरण है। इण मामले में लालूजी चालाक निकलिया। जेल गया पर कुर्सी घरे छोड़ गया, अपने सालेजी पर भी भरोसो नहीं कियो। कुर्सी छोड़नी आसान नहीं हुक्म सच में कुर्सी छोड़ी तो राम, बुद्ध, महावीर, इति दूर री क्यों लां शास्त्रीजी ने ही ले लो, एक ही झटके में रेलमंत्री री कुर्सी छोड़ दी। या बात अलग है कि चाचा नेहरू रे बाद जनता ने वे ही समाजसेवी लाग्या और पाछो पद दे दियो।

भाजपा में आजकल कुर्सी रो संकट चालरियो है। 'बहने' समझ नहीं पा रही कि कुर्सी छोड़ा या नहीं। हालाँकि मार्गदर्शक पुरुष खुद आपरा उदाहरण देने इशारा कर रिया है की कुर्सी छोड़ देणी चईजे। पर कोई बहन कुर्सी नहीं छोड़नी चावे। अब लालजी में तो इती हिम्मत है नहीं की किन्ही ने कुर्सी सुं उतार दे। वैसे भी बूढ़ा लोगाँ रो आजकल सुणे कुण ?

या तो राजनीती री बात है पर आजकलतो शादी - ब्याह में भी लोग कुर्सी नहीं छोड़े। आप खड़ा हुआ नहीं कि तुरन्त कोई टपक जावे। अब आप खड़ा खड़ा करता रेवो तांका-झांकी... कि कणे कोई कुर्सी खाली हुवे न आपा झपटा।

कुर्सी पकड़न रो, झपटन रो, बैठने जमण रो, और जमा हुआ ने उखाड़न रो संकट हर जगह है। सही कहूँ तो हुक्म कुर्सी अब आसन नहीं बल्कि रुतबो देवण वाळी, शान बढ़ावण वाळी, रुपया उगलण वाळी एक मशीन बण चुकी है। जो आज कुर्सी पर है उन् लोगाँ री तो जय-जयकार है। जो कुर्सी पर नहीं है, वाने कोई सुंघण ने भी नहीं आवे।

इन बात माथे हुक्म यों जुमलों सही बेठे कि ---

'जो कुर्सी माथे है उन्हें हाथों में ताकत है भक्ति है।
जो कुर्सी सुं परे है वाणि सिर्फ भजना सुं ही मुक्ति है।।

व्यंग्य का हुड़दंग

हेमन्त श्रीमाल
98268-13368

दूध का धुला

स्वयं की नाक के नीचे
अरबों-खरबों की
घोटालेबाजी चलती रही
जबर्दस्त कमीशनखोरी पलती रही
लेकिन
मनमोहनसिंह ने इस्तीफा नहीं दिया
डटे रहे
आखिर तक कुर्सी से बुरी तरह चिपके रहे
क्योंकि वे.....
शायद ईमानदार थे
दूध के धुले थे

शिवराजसिंह भी इस्तीफा क्यों दें ?
ये कोई बेइमान हैं क्या ?
ये भी ईमानदार हैं
शायद... ये भी दूध के धुले हैं

इन दोनों विभूतियों ने
अपने आचरण से
अन्ततः यह तो साबित कर ही दिया
कि नेता नाम का प्राणी
भ्रष्टाचार के रंग में
अच्छी तरह
रचा-बसा और घुला मिला होता है
फिर भी
कोई माने या न माने
वह पूरी तरह दूध का धुला होता है।

कार्टून कौतुक

श्री ॐ गं गणपतये नमः

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष- यह माह आपके लिये शुभ समाचार देने वाला होगा। धर्माध्यात्म में रुचि रहेगी, नई वस्तु की खरीददारी होगी। राजकीय काम पूरे होंगे। मेहमानों का आगमन बना रहेगा। मित्रों से सहयोग मिलेगा। संतान से संबंधित कार्यों से चिंता बनी रहेगी। गुस्से के कारण बनते कार्य बिगाड़ लेगें। शत्रु परास्त होंगे, जीवन साथी से वैचारिक मतान्तर बने रहेंगे। आत्म-विश्वास एवं मनोबल बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति सुदृढ़बनेगी। जमीन-जायदाद संबंधी कार्य हल होंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। ज्ञानवर्द्धक साहित्य पढ़ने में विशेष रुचि बनी रहेगी।

वृषभ- यह माह आपके लिये सफलता दायक रहेगा। दान-पुण्य में रुचि, मान-सम्मान में वृद्धि होगी, धार्मिक कार्यों में रुचि बनी रहेगी। शत्रु परास्त होंगे, आत्म-विश्वास बढ़ेगा। अविवाहितों के विवाह प्रस्ताव आयेंगे और उसमें सफलता मिलेगी। यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे। विद्यार्थी वर्ग पढ़ाई पर ध्यान देवें, प्रेम प्रसंगों में सफलता मिलेगी। जीवन साथी से स्नेह प्रेम बढ़ेगा, नये काम की शुरुआत होगी। संपत्ति संबंधी विवाद हल होंगे। घर परिवार में उत्साह का वातावरण बना रहेगा।

मिथुन- यह माह आपके लिये मिला-जुला रहेगा। न्यायालयीन प्रकरणों में सफलता मिलेगी। खर्च बढ़ेगा, शत्रु परास्त होंगे, जीवन साथी से संबंधों में सुधार होगा। भाई-बहनों से मन-मुटाव बनेगा। यात्रा न करें। दोस्तों से सहयोग प्राप्त होगा। लिखने-पढ़ने का शौक पूरा करेंगे। पदोन्नति होगी, मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी, ससुराल से लाभ होगा। परिचय का क्षेत्र बढ़ेगा, नये काम में सफलता मिलेगी। संतान के शिक्षा संबंधी कार्यों की चिंता बनी रहेगी।

कर्क- यह माह आपके लिये मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी घर, परिवार में ज्यादा समय देंगे। प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता मिलेगी। नयी कार्य प्रेरणा मिलेगी जीवन साथी से संबंध से सुधार होगा। ससुराल से शुभ समाचार प्राप्त होंगे, यात्राएं होंगी। प्रियजन से अचानक मुलाकात होगी। शत्रु से सावधानी बरतें। लापरवाही एवं आलस्य से हानि भी उठाना पड़ेगी। धन-सम्पत्ति कम होंगे, नौकरी में समस्या का सामना करना पड़ेगा।

सिंह - यह माह आपके लिये शांतिदायक रहेगा। मनोरंजन घूमने-फिरने में समय व्यतीत होगा। राजकीय कार्य पूरे होंगे। संगीत कला साहित्य की तरफ रुझान बनेगा। रुचि के कार्य करेंगे, जान - पहचान का क्षेत्र बढ़ेगा। बाहरी यात्रा होगी, साझेदारी के कार्य से लाभ मिलेगा। धार्मिक, अध्यात्म में रुचि बढ़ेगी। रुके काम समय पर पूरे होंगे। बड़े एवं श्रेष्ठ व्यक्ति से मुलाकात लाभदायक रहेगी। अधिकारी प्रसन्न होंगे, शुभ समाचार प्राप्त होंगे। स्थानांतरण के भी योग बनेंगे।

कन्या - यह माह आपके लिये ज्ञानवर्धक रहेगा। लंबी यात्रा के योग बनेंगे, सम्पत्ति में वृद्धि होगी, संतों का आशीर्वाद एवं सान्निध्य प्राप्त होगा। विवाह संबंध जल्दी करें, स्थानांतरण, प्रमोशन एवं रुका पैसा मिलने से खुशी मिलेगी। विद्यार्थी वर्ग अपनी योग्यता से सफलता प्राप्त करेंगे। भाग्य साथ देगा, शुभ समाचार प्राप्त होंगे। योग्यता के कारण विशिष्ट सम्मान मिलेगा। संतान के विवाह के प्रस्ताव आयेंगे। युवा अपने कॅरियर पर ध्यान देने के साथ-साथ मौज-मस्ती के साथ जीवन व्यतीत करेंगे। परिवार एवं बच्चों के साथ समय व्यतीत होगा।

तुला - इस माह आपके लिये विद्या संबंधी शुभ समाचार प्राप्त होगा। लेखन, अध्ययन, शोध आदि कार्यों में रुचि बनी रहेगी। संतान के कारण चिंता एवं परेशानी बनी रहेगी। राजकीय कार्य पूर्ण होंगे। नौकरी में स्थान परिवर्तन व व्यवसाय में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा। दिनचर्या व्यस्त रहेगी। पार्टी, समारोह, उत्सव आदि में सम्मिलित होंगे। यात्रा के अवसर प्राप्त होंगे। शत्रु आप पर हावी होंगे, भाइयों से तनाव कम होगा।

वृश्चिक -यह माह आपके लिये सामान्य रहेगा। अनभिज्ञ, नवीन परिचित, अनजान लोगों से सावधानी रखें। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यापार से लाभ होगा, राजकीय कार्यों में सफलता मिलेगी। त्यौहार, उत्साह, मनोरंजन का आनंद उठाएंगे। बागवानी का शौक पूरा करेंगे। मन प्रसन्न होगा, शुभ कार्य होंगे, अविवाहितों के विवाह प्रस्ताव आयेंगे। माता-पिता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता मिलेगी, आँखों के लिये सावधानी बरतें, स्वास्थ्य नरम-गरम चलता रहेगा। विद्यार्थी वर्ग के लिये समय अच्छा है।

धनु - यह माह आपके लिये प्रसन्नतादायक रहेगा, राजकीय कार्य में सफलता मिलेगी। सुखद समाचार प्राप्त होगा, घूमने-फिरने व मनोरंजन आदि में व्यस्त रहेंगे। विद्यार्थियों को सफलता, इलेक्ट्रिक वाहन से लाभ एवं कॅरियर में सफलता मिलेगी। जीवन साथी से वैचारिक मतान्तर बने रहेंगे, प्रेम प्रसंगों में रुझान बढ़ेगा, प्रियजन से मुलाकात होगी। शुभ समाचार की प्राप्ति, नौकरी, इंटरव्यू में सफलता मिलेगी। खर्च पर नियंत्रण रखे, माता-पिता व बड़ों की चिंता बनी रहेगी। जल्दीबाजी में कोई कार्य न करें।

मकर - यह माह आपके लिये बहुत महत्वपूर्ण रहेगा। कठोर परिस्थितियों के बावजूद हर कार्य को अपने पक्ष में कर लेंगे। वाणी तथा क्रोध पर नियंत्रण रखें, घर परिवार को समय देंगे। बच्चों के अध्ययन के लिये परेशान रहेगें, सामाजिक, धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे। नये-नये लोगों से परिचय एवं संपर्क बनेगा, रुका धन मिलेगा। व्यापार में आगे बढ़ेंगे, स्वास्थ्य में सुधार होगा। सरकारी रुके कार्य पूरे होंगे, भाई-बहनों से स्नेह बना रहेगा। आय में वृद्धि के योग रहेंगे।

कुंभ- यह माह आपके लिये मिश्रित फलदायक रहेगा। खर्च अधिक होगा, प्रतिष्ठा मान-सम्मान प्राप्त होगा। यात्रा के अवसर मिलेंगे, वाणी पर नियंत्रण रखें, अपनी मेहनत से लक्ष्य की प्राप्ति करेंगे। प्रेम संबंधों में सफलता मिलेगी। शुभ कार्यों में सम्मिलित होंगे। राजनीति में रुचि बढ़ेगी, राजकीय कार्य में सफलता मिलेगी। धर्म दान-पुण्य में आगे बढ़ेगे। धन लाभ होगा, बच्चों व परिवार के साथ समय व्यतीत करेंगे। शुभ समाचार मिलेगा।

मीन - यह माह आपके लिये सामान्य रहेगा, मित्र सहायक रहेंगे। आशा के अनुकूल परिणाम मिलेंगे, शत्रु परास्त होंगे, घर में नये मेहमान का आगमन होगा। जीवन साथी से मधुरता बढ़ेगी, संतान से जुड़ी समस्याओं का निराकरण होगा। विद्यार्थियों को नई दिशा में सफलता, आध्यात्मिकता की ओर रुझान, यश, कीर्ति, मान-सम्मान बढ़ेगा। अटका पैसा मिलेगा, तकनीकी कार्यों में भी सफलता मिलेगी। खरीददारी करेंगे, मेहमानों का आगमन बना रहेगा। स्थायी सम्पत्ति में वृद्धि होगी।

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा-दक्षिणांचल के संयुक्त मंत्री चैन्नई निवासी वरिष्ठ समाजसेवी देवकीनंदन सारड़ा का गत 17 जुलाई को 65 वर्ष की अवस्था में देहावसान हो गया। आप देवकी फैशन्स के नाम से व्यवसाय जगत में भी एक जाना-माना नाम थे।

नहीं रहे दक्षिणांचल के संयुक्त मंत्री
श्री देवकीनन्दन सारड़ा

स्व. श्री सारड़ा के निधन से सम्पूर्ण समाज में शोक की लहर दौड़ गई। आप महासभा में तो संयुक्त मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारियों का निर्वहन कर ही रहे थे, इसके पूर्ण आपने "तमिलनाडू-केरल-पांडिचेरी प्रादेशिक माहेश्वरी सभा" के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारियों का भी निर्वहन किया था। समाज में उनकी छवि एक ऐसे समाजसेवी की थी, जिनके सहयोग की जहाँ भी आवश्यकता पड़ी वे वहाँ तैयार नजर आये।

कई संस्थाओं को सेवा

श्री सारडा लम्बे समय से अ.भा. माहेश्वरी महासभा के कार्यकारी मण्डल सदस्य थे तथा हीरालाल-किशनलाल चाण्डक धर्मशाला चेन्नई आदि को भी अपनी सेवा दे रहे थे। रामेश्वर स्थित "श्री माहेश्वरी भक्त निवास" के ट्रस्टी तथा तथा श्री माहेश्वरी फाउण्डेशन चेन्नई के कमेटी मेम्बर थे। अ.भा. श्री वल्लभ प्रीती सेवा ट्रस्ट व श्री शुद्धादेत्त वैष्णव महासभा के उपाध्यक्ष थे। होमियोपैथिक हॉस्पिटल जैसलमेर को उपाध्यक्ष के रूप में सेवा दे चुके थे। इसके अतिरिक्त अन्य कई शिक्षण संस्थाओं में भी ट्रस्टी के रूप में अपनी सेवा दे रहे थे। श्री सत्स्वरूप हवेली-चेन्नई व मद्रास पीस गुड्स चेरिटेबल ट्रस्ट आदि प्रतिष्ठित संस्थाओं के ट्रस्टी व राजस्थान एसोसिऐशन तमिलनाडू तथा अन्तर्राष्ट्रीय पुष्टी मार्ग के सदस्य भी थे।

समाज में शोक की लहर

श्री सारड़ा के देहावसान से महासभा सहित समाज के तमाम संगठनों में शोक की लहर फैल गई। हर किसी ने कहा कि श्री सारड़ा का देहावसान समाज की अपूरणीर्य क्षति है। इससे समाज ने हर पल सेवा के लिये तन-मन से तैयार रहने वाला एक समर्पित समाजसेवी खो दिया है। विभिन्न संगठनों के कई पदाधिकारियों ने उनकी सेवाओं का स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धासुमन अर्पित

स्व. श्री सारड़ा समाज सेवा के पथ के आदर्श थे। निष्काम भावना से सेवा कैसे की जाती है, उसका वे प्रत्यक्ष उदाहरण थे। वे चाहे हमारे बीच न रहे लेकिन उनके आदर्श प्रेरणा स्रोत बने रहेंगे।

- पद्मश्री बंशीलाल राठी
पूर्व सभापति, अ.भा. माहेश्वरी महासभा

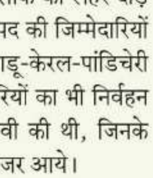

श्री सारड़ा का अधिकतम समय सामाजिक सेवा एवं धार्मिक कार्यक्रमों में व्यतीत होता था। उनका व्यक्तित्व बहुत ही मिलनसार, हँसमुख एवं आत्मीयता युक्त था। उनके साथ मेरे पारिवारिक सम्पर्क एवं उनका स्नेह मेरे साथ था। उनके दिव्य धाम गमन से माहेश्वरी समाज और मेरी व्यक्तिगत रूप में अपूरणीय क्षति हुई है।

- रामगोपाल मून्दड़ा,
उपसभापति (मध्यांचल), अ.भा. माहे. महासभा

श्री सारडा जी कर्मठ, धर्मनिष्ठ, मिलनसार एवं सहृदय वाले व्यक्ति थे। मृदुल व्यवहार ही उनके व्यक्तित्व की पहचान थी। हम अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन गहरा शोक प्रकट करते हुए श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हैं।

- कमल भूतड़ा
राष्ट्रीय अध्यक्ष, अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन

श्री सारड़ा के देहावसान से हमने एक ऐसा समर्पित साथी खो दिया है, जो समाजसेवा के पथ पर आपनी सतत आहुति दे रहे थे। उनकी कमी की पूर्ति संभव नहीं है।

- जोधराज लड्ढा
सभापति,
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

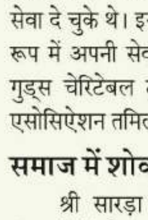

समाज संगठन को वास्तव में श्री सारड़ा जैसे ही निष्ठावान व निःस्वार्थ समाजसेवियों की जरूरत है। उनकी कमी की पूर्ति तो संभव नहीं, लेकिन उनका जीवन समाज सेवियों को अवश्य मार्गदर्शित करता रहेगा।

- रामकुमार भूतड़ा
महामंत्री,
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

जब समाजसेवा का पथ भी राजनीति की तरह विकृत हो रहा है, तो ऐसे में स्व. श्री सारड़ा एक आदर्श थे। उनका जीवन सदा हम सभी के लिये प्रेरणादायी बना रहेगा।

- घनश्याम करनानी
प्रबन्ध न्यासी,
कोठारी बन्धु शौर्य स्मृति ट्रस्ट

श्री रतनलाल भूतड़ा

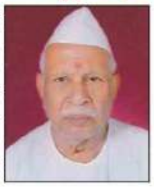

अमरावती। स्थानीय समाज के वरिष्ठ श्री रतनलाल भूतड़ा का देहावसान गत दिनों हो गया। आप अपने पीछे पुत्र अ.भा माहेश्वरी महासभा कार्यकारी मंडल सदस्य जयप्रकाश भूतड़ा, एड. अशोक भूतड़ा तथा एड. राधेश्याम भूतड़ा आदि का भरापूरा परिवार छोड़ गये हैं।

श्री नारायणदास करवा

अमरावती। स्थानीय माहेश्वरी समाज के प्रतिष्ठित सदस्य और चावल वालों के नाम से विख्यात फर्म के संचालक विजयकुमार करवा के पिता श्री नारायण करवा का निधन हो गया। आप अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गए हैं।

श्रीमती सीताबाई पनपालिया

धामणगांव रेलवे (अमरावती)। समाज सदस्य सतीश पनपालिया की माता श्रीमती सीताबाई पनपालिया का 94 वर्ष की अवस्था में देहावसान हो गया। आप अपने पीछे पुत्र व 4 पुत्रियों सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

श्रीमती कमलादेवी सिकची

अमरावती (महाराष्ट्र)। स्थानीय समाज सदस्य नंदकिशोर, प्रेमकिशोर एवं डॉ. राधेश्याम सिकची की माता श्रीमती कमलादेवी सिकची का स्वर्गवास 79 वर्ष की आयु में हो गया। आप अपने पीछे पुत्र, पुत्रवधू, पौत्र-पोत्री, प्रपौत्री एवं प्रपौत्र आदि से भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

श्री पूरणचन्द तोषनीवाल

कोलकाता। समाज के वरिष्ठ श्री पूरणचन्द तोषनीवाल (सुपुत्र स्व. लाधूराम जी तोषनीवाल) (जसवन्तगढ़) का स्वर्गवास गत 15 जुलाई को हो गया। आप अपने पीछे भाई नेमीचन्द, सत्यनारायण तथा पुत्र ललित, प्रदीप व अरविन्द सहित भरापूरा परिवार छोड़ गये हैं।

श्रीमती अमिता राठी

अमरावती। समाज सदस्य रमेशचंद सोनी की पुत्री श्रीमती अमिता राठी का गत दिनों असामयिक निधन हो गया। वे डॉ. नंदकिशोर राठी (भावकुली) की पुत्रवधू थीं। आप अपने पीछे माता-पिता, सास-ससुर, पति के साथ दो बच्चों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

श्री बजरंगलाल बियाणी

मुंबई। ख्यात समाजसेवी व अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के दक्षिणांचल के पूर्व संयुक्त मंत्री श्री बजरंगलाल बियाणी का गत दिनों देहावसान हो गया। आप लंबे समय से विभिन्न संगठनों से सम्बद्ध होकर अपनी सेवा दे रहे थे। महासभा के 25 वें सत्र के चुनाव में आप दक्षिणांचल के संयुक्त मंत्री चुने गये थे। श्री बियानी ने इस सत्र में तत्कालीन सभापति रामपाल सोनी के साथ मिलकर महासभा की योजनाओं को गति प्रदान की थी। समाज के कई संगठनों ने स्व. श्री बियानी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री रतनकुमार मूंदड़ा

जोड़थांग (सिक्किम)। स्थानीय माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष श्री रतन कुमार मूंदड़ा का 61 वर्ष की आयु में गत 10 जून को देहावसान हो गया। आप अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़कर गये हैं। जोड़थांग माहेश्वरी सभा ने भी श्री मूंदड़ा के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धा–सुमन : प्रथम पुण्य स्मरण

एक अद्भुत व्यक्तित्व, जिसकी अनुपस्थिति हमें सदैव खलती रहेगी।
कर्त्तव्यपरायणता और मिलनसारिता से परिपूर्ण
आपका जीवन–दर्शन हमें प्रेरणा देता रहेगा.

स्व. श्री माँगीलालजी पुंगलिया

ब्रह्मलीन : 19 जुलाई, 2014
पुठोली (राज.), हाल मुकाम- अहमदाबाद (गुज.)

श्रद्धावनत्

भाई : भँवरलाल, नाथूलाल, बदरीलाल, भतीजा : नरेश
पुत्र-पुत्रवधू : सौ. उषा-जगदीश, सौ. रेणु-मुकेश, सौ. चंचल-श्याम
बेटी-जमाई : सौ. मीना-सत्यनारायणजी मण्डोवरा
पौत्री-जमाई : सौ. मनीषा-विकासजी सोमानी
पौत्र-पौत्री : राधिका, जिंकल, आदित्य, सपन, हर्षिका एवं
समस्त पुंगलिया परिवार

फर्म : श्री गोपाल वासण भण्डार अहमदाबाद (गुज.), फोन : 079-22865136, मो. 098980-75136, 09924210045

मेरे प्रदेश का हर बच्चा स्कूल जाए,
पढ़े और आगे बढ़े।
शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
बात करेंगे घर में
याद करेंगे स्कूल में।
स्कूल चलें हम
अभियान
मध्य प्रदेश
D77267
पढ़े ना कोई 12वीं से कम
www.facebook.com/schoolchalehum.mp.gov.in
www.schoolchalehum.mp.gov.in

Brijmohanlal Narayandas Vidur Rathi Charitable Trust

We Provide Scholarship to the
Needy Deserving Meticulous College Students
ONLY **'GIRLS'** For Commerce Stream

E-mail : svgslchn@gmail.com

Shri Veerganapathi Steels (P) Ltd.

Iron & Steel Material

"The Legend"
No. 177/2, Poonamallee High Road (Opp. Ega Theatre),
Kilpauk, Chennai - 600 010 (INDIA)
Telefax : 044-28361757, 2836 4360, 2836 3169, 4285 8006
E-mail : svgslchn@gmail.com

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2013-2015

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar, Near Tedi Khajur Dargah,
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
E-mail : smt4news@gmail.com

FREE REGISTRATION AT www.srimaheshwarimelapak.com